संकट जारी रहा तो उर्वरक उत्पादन 10-15 प्रतिशत घटेगा : क्रिसिल - 12

पश्चिम एशिया संकट : 80 प्रतिशत तक महंगी हुई माल ढुलाई, पूर्वी भारत से आधा हुआ निर्यात - 12

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बोले-भीषण युद्ध की कगार पर खड़ी है दुनिया - 13

आईपीएल के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी - 14

आज का मौसम
27.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.09
सूर्यास्त 06.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी 10:07 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 27 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 30, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत को होर्मुज से गुजरने की अनुमति

ईरान ने चार अन्य देशों को भी दी इजाजत, कहा- अमेरिका से समझौते पर कोई बातचीत नहीं

तेहरान/नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने भारत समेत पाचं मित्र देशों को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है।

होर्मुज फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी का परिवहन होता है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है। अराघची ने कहा, हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज से) गुजरने की अनुमति दी है जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आवागमन की अनुमति दी है। ईरानी विदेश मंत्री ने साथ ही स्पष्ट किया कि ईरान के शत्रुओं से जुड़े पोतों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा, हम युद्ध की स्थिति में हैं। यह क्षेत्र युद्ध क्षेत्र बना हुआ है और हमारे दुश्मनों एवं उनके सहयोगियों के पोतों को इससे गुजरने देने का कोई कारण नहीं है लेकिन यह अन्य देशों के लिए खुला है। संघर्ष समाप्त करने के लिए अन्य देशों द्वारा मध्यस्थता करने के प्रयासों से जुड़े सवाल पर अराघची ने कहा, अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं चल रही है।

कतर से कर्नाटक के न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर पहुंचा एलपीजी पोत अपोलो ओशन।

भ्रामक पोस्ट व मनगढ़ंत दावे पर होगा केस दर्ज

केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर पेट्रोल, गैस संबंधी भ्रामक पोस्ट और कमी या आपातकालीन उपायों के मनगढ़ंत दावे अनावश्यक चिंता पैदा करने वाले हैं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपये लीटर किया महंगा

- रूस की रोसनेफ्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी के देश भर में 6,967 पेट्रोल पंप

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन कंपनी नायरा एनर्जी ने गरुवार को पेट्रोल की कीमतों में पांच रुपये और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है। रूस की रोसनेफ्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी के देश भर में 6,967 पेट्रोल पंप हैं। सूत्रों के मुताबिक, अलग-अलग राज्यों में मूल्य वर्धित करों (वैट) के कारण कीमतों में बढ़ोतरी का स्तर थोड़ा कम या ज्यादा हो सकता है। कुछ स्थानों पर पेट्रोल 5 .30 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने फिलहाल सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

ईरान युद्ध समाप्ति की बातचीत पर गंभीर नहीं हुआ तो भुगतेगा अंजाम

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरानी नेताओं को बहुत देर होने से पहले बातचीत शुरु कर देनी चाहिए, क्योंकि एक बार ऐसा हो जाने पर, पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं होगा। ट्रंप ने गुरुवार को फिर कहा कि अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्री युद्धविराम योजना को ईरान द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद तेहरान हमसे समझौता करने की भीख मांग रहा है।

ईरानी नौसेना प्रमुख अलीरजा की मौत

यरूशलम। इजराइल ने गुरुवार को ईरानी नौसेना के प्रमुख कमांडर अलीरजा तंगसिरी को मार गिराने का दावा किया। तंगसिरी होर्मुज बंद करने की रणनीति की अगुवाई कर रहे थे। इजराइली रक्षामंत्री ने कहा कि रात भर चले हमले में कई नौसेना कमांडर मारे गए। ईरान ने तंगसिरी की मौत की पुष्टि नहीं की है।

भारत के पास 60 दिन का तेल और 30 दिन का गैस भंडार

- सरकार ने कहा- ईंधन कमी की खबर 'गलत सूचना अभियान' घबराहट पैदा करना और खरीदारी को बढ़ावा दे रहा

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में लगभग 60 दिन का तेल भंडार है और एक महीने की एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गई है। पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कमी की खबरों को जानबूझकर फैलाया गया गलत सूचना अभियान बताया, जिसका उद्देश्य लोगों में घबराहट पैदा करना और खरीदारी को बढ़ावा देना है। पेट्रोल पंप और एलपीजी वितरकों के यहां घबराहट में खरीदारी और लंबी कतारों की खबरों के बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कच्चे तेल, ईंधन और एलपीजी के भंडार का विवरण जारी किया। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश भर के सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त भंडार है और वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। विशेषकर छोटे शहरों में कुछ पेट्रोल पंप को पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा 'कैश-एंड-कैरी' यानी नकद भुगतान प्रणाली लागू किए जाने के बाद ईंधन की आपूर्ति में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल पंप को दी जाने वाली ऋण राशि को पहले की एक दिन की अनुमति से बढ़ाकर तीन दिन से अधिक करने के लिए कदम उठाए गए हैं, ताकि पंप मालिकों की कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं के कारण किसी भी पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी न हो। मंत्रालय ने कहा कि 8,00,000 टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं और पूरे एक महीने की आपूर्ति की व्यवस्था पक्की कर ली गई है। दुनिया के कई देश ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग, ऑड-ईवन वाहन प्रतिबंध और ईंधन स्टेशनों को जबरन बंद करने जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कुछ देशों ने राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल घोषित किया है। भारत को ऐसे किसी भी उपाय की आवश्यकता महसूस नहीं होती है।

हवाई चप्पल पहनने वाला आम जन भी आज हवाई यात्रा में सक्षम : धामी

दून-पिथौरागढ़ उड़ान के शुभारंभ पर एक यात्री को बोर्डिंग पास देते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी ने किया दून-पिथौरागढ़-दून 42 सीटर विमान सेवा का शुभारंभ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, एक समय था जब हवाई यात्रा करना विशिष्ट और सम्पन्न वर्ग के लोगों के लिए ही संभव माना जाता था किंतु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हवाई चप्पल पहनने वाला आम जन भी हवाई यात्रा कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को रामनवमी के शुभ अवसर पर जौलीग्रांट एयरपोर्ट से देहरादून-पिथौरागढ़-देहरादून 42 सीटर विमान सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि, सामरिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण इस विमान सेवा के शुरू होने से पिथौरागढ़-देहरादून का सफर अब एक घंटे में पूरा हो सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2016 में उड़ान योजना की शुरुआत कर देश में नागरिक विमानन क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात किया था जिसके माध्यम से छोटे शहरों, दूरस्थ और सीमांत क्षेत्रों को हवाई नेटवर्क से जोड़कर आम नागरिकों को सस्ती दरों पर हवाई सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कहा कि, केंद्र सरकार ने दो दिन पूर्व ही उड़ान योजना 2.0 को मंजूरी प्रदान की है जिसमें आगामी 10 वर्षों में करीब 29 हजार करोड़ के बजट से 100 नए हवाई अड्डों और 200 नए हेलीपैड के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना का विस्तार विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने तथा दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में सस्ती एवं सुगम हवाई सेवा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। (संबंधित पेज-2)

जीवन रेखा बनीं हवाई सेवाएं

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए हवाई सेवाएं मात्र परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। दुर्गम और दूरस्थ अंचलों में आवश्यक सामग्री पहुंचाने से लेकर गंभीर रोगियों को त्वरित उपचार के लिए बड़े अस्पतालों तक लाने में हवाई सेवाएं कारगर साबित हो रही हैं।

26 हवाई मार्गों पर संचालन

सीएम ने बताया, वर्तमान में उड़ान योजना के तहत राज्य में 26 हवाई मार्गों पर संचालन किया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों से हवाई कनेक्टिविटी के लिए वर्ष 2023 में 'उत्तराखंड एयर कनेक्टिविटी योजना' शुरू की गई थी। इस योजना में 6 हवाई मार्गों पर उड़ानों का नियमित संचालन किया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

बंगाल में भाजपा और टीएमसी समर्थक भिड़े पुलिसकर्मियों पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं तथा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे कई पुलिसकर्मियों पर हमला भी किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और इलाके में छापेमारी जारी है। दोनों पक्षों ने झड़प के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया, वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है।

अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो पकड़े

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ ही अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 10 देसी पिस्तौल और 20 मैगजीन बरामद कीं। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अलीगढ़ निवासी दलेश कुमार और आगरा निवासी अमित चाहर के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम बीकेआई के दो गुर्गों सुखविंदर उर्फ सनी और रावल की गिरफ्तारी के लगभग एक महीने बाद सामने आया है।

आंध्र प्रदेश : भीषण हादसे के बाद बस में लगी आग, 13 जिंदा जले

रायवरम (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

आंध्र प्रदेश के रायवरम में आग लगने के बाद जलती बस।

- स्टीयरिंग व्हील अटकने से ट्रक से टकराई थी बस
- राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में गुरुवार को एक निजी बस की एक ट्रक से टक्कर होने के बाद उसमें आग लग जाने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई तथा 22 अन्य लोग घायल हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे में लोगों की मौत होने पर शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे में लोगों के मारे जाने पर दुख जताया और प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की।

हादसे के समय बस में कुल 35 यात्री सवार थे। तीन घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस ट्रक के डीजल टैंक से टकरा गई जिससे उसमें भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है और परिजनों की सहायता के लिए मार्कापुरम उपजिलाधिकारी कार्यालय में एक कमान एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह निजी बस तेलंगाना के जगतियाल से नेल्लोर जिले के कालीगिरि जा रही थी तभी सुबह साढ़े पांच बजे से छह बजे के बीच यह हादसा हुआ। जोरदार टक्कर के कारण ट्रक पलट गया और बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार, बस चालक ने कहा कि स्टीयरिंग व्हील अटक गया था, प्राधिकारी इस दावे की पुष्टि कर रहे हैं। प्राथमिक आकलन से संकेत मिला कि टक्कर लगने से पहले बस दूसरी लेन में चली गई थी। इस बीच, मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस की तथा उन्हें घायलों को अच्छी से अच्छी चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और मृतकों एवं घायल यात्रियों के परिवारों के लिए पर्याप्त मुआवजे की घोषणा की।

हताहतों की पूरी जानकारी एकत्र करने के निर्देश

रेवंत रेड्डी ने राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को हादसे में हताहत हुए लोगों के बारे में पूरी जानकारी एकत्र करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे आंध्र प्रदेश के अधिकारियों के साथ समन्वय करने और पूरी जानकारी एकत्र करने को कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सकीय सुविधा दी जाए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद राव ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष से बात की।

लंदन में नीरव मोदी को झटका, भारत लाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा- भारत के आश्वासन पर भरोसा
- 13,000 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में है भगोड़ा

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत सरकार द्वारा अपने 'नोट वर्बल' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हुए भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने की याचिका को खारिज कर दिया। 'नोट वर्बल'' एक औपचारिक, बिना हस्ताक्षर वाला राजनयिक संदेश होता है जो आमतौर पर दूतावासों और विदेश मंत्रालयों के बीच सूचना, अनुरोध या विरोध व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।

पंजाब नेशनल बैंक से 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में वांछित मोदी ने भगोड़े आर्थिक अपराधी संजय भंडारी के मामले में आए फैसले के आधार पर अपने मामले को फिर से खोलने के लिए लंदन की अदालत से संपर्क किया था। भारतीय एजेंसियों द्वारा यातना दिए जाने की आशंका के मद्देनजर भंडारी के प्रत्यर्पण को रद्द कर दिया गया था। लंदन उच्च न्यायालय ने मानवाधिकार के आधार पर भंडारी को प्रत्यर्पण आदेश से मुक्त कर दिया था। मोदी के मामले को दोबारा खोलने की अनुमति देने से इनकार करते हुए लंदन उच्च न्यायालय के किंग्स बेंच डिवीजन में लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ ने कहा कि वे भारत सरकार द्वारा अपने ''नोट वर्बल'' में दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर भरोसा करते हैं। ब्रिटेन की अदालत ने अपने फैसले में कहा, जब मोदी का मामला 2022 में हमारे सामने आया तो भंडारी मामले में दिए गए फैसले के आधारभूत तथ्य या तो उपलब्ध नहीं थे या हमारी जानकारी में नहीं लाए गए थे। भंडारी मामले में इस अदालत का फैसला प्रतिबंधित उपचारों के इस्तेमाल से इकबालिया बयान हासिल करने की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करता है।

सीबीआई का एक दल सुनवाई के लिए गया था लंदन

जांच अधिकारियों समेत सीबीआई के अधिकारियों का एक दल सुनवाई के लिए लंदन गया था। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, भंडारी के मामले में फैसले के आधार पर पुन: सुनवाई के लिए आवेदन दायर किया गया था। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। उन्होंने कहा, सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसकी कार्यवाही 2018 से जारी है।

प. एशिया : मुख्यमंत्रियों संग बैठक करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर बाकी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर उनकी तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक करेंगे। यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे।

कार में घुसी तेज रफ्तार बाइक, दो युवकों की मौत

- खटीमा बनबसा नेशनल हाइवे पर दर्दनाक हादसा

खटीमा। खटीमा-बनबसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार देर रात भीषण हादसे ने दो परिवारों के चिराग बुझा दिए। कार और बाइक में आमने-सामने की जबरदस्त भिड़ंत में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

खटीमा के वार्ड संख्या 13 निवासी नावेद खान (29) पुत्र बाबू खान और नमन (26) पुत्र सुरेंद्र कुमार बाइक से टनकपुर से घर लौट रहे थे। जब वे बनबसा-चकरपुर के बीच जगबुड़ा पुल के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से उनकी बाइक जा भिड़ी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार में जा घुसी। स्थानीय राहगीरों ने तुरंत घटना की सूचना 108 एंबुलेंस व चकरपुर पुलिस चौकी को दी। पुलिस ने दोनों युवकों को उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया। चकरपुर चौकी प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया जा सका। मामले की जांच की जा रही है।

गृह जिला जाएं शिक्षक, मिलेगा दो दिनी अवकाश : शिक्षा मंत्री

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सरकार ने मानी दो मांगें, आम चुनाव में भी प्रत्यक्ष भाग ले सकेंगे शिक्षक

अमृत विचार: राज्य के शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने उनकी दो महत्वपूर्ण मांगों को मान लिया है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को बताया कि, प्रदेश के कई शिक्षक अपने गृह जनपद से दूर गढ़वाल से कुमाऊं एवं कुमाऊं से गढ़वाल में तैनात हैं, जिस कारण उन्हें अपने घर जाने में कठिनाई होती है।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए अब प्रत्येक शिक्षक को वर्ष में एक बार अपने गृह जनपद जाने के लिए दो दिन का विशेष यात्रा (उपार्जित) अवकाश प्रदान किया जाएगा। इससे पहले उपार्जित अवकाश की कमी के कारण शिक्षकों को अपने निजी अवकाश का उपयोग कर घर जाना पड़ता था, जिससे उन्हें असुविधा होती थी। वहीं, राजकीय शिक्षक संघ के आम चुनाव में सभी शिक्षकों की शतप्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की लंबे समय से शिक्षक वर्ग मांग कर रहा था।

आम चुनाव में पूर्व से चली आ रही व्यवस्था में बदलाव की सहमति प्रदान कर दी गई है। चुनाव अब लोकतांत्रिक प्रणाली से होंगे जिससे हर शिक्षक को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिलेगा और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनेगी।

एडीआर रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को मिलने वाले 20,000 रुपये से अधिक के चंदे का विश्लेषण जारी किया

राष्ट्रीय दलों को 6648 करोड़ का मिला चंदा, भाजपा को 10 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 11,343 दानदाताओं ने दिया दान

राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में 2024-25 में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा का हिस्सा सबसे अधिक रहा। भाजपा को इस अवधि में अन्य सभी राष्ट्रीय दलों द्वारा प्राप्त कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक चंदा मिला। एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपये से अधिक के कुल दान 11,343 दानदाताओं से मिले जो 6,648.56 करोड़ रुपये रहे। इनमें से भाजपा को 6,074.01 करोड़ रुपये, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदे से 517.39 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। भाजपा द्वारा घोषित चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी के उसी अवधि के संयुक्त चंदे से दस गुना से अधिक था। इस बीच, बसपा ने घोषणा की कि उसे 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले कुल चंदे में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4,104.28 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

- कॉरपोरेट सेक्टर : कुल चंदे का 92 .18% हिस्सा यानी 6128 .787 करोड़ रुपए का चंदा व्यापारिक घरानों से आया है।
- व्यक्तिगत चंदा : केवल 7 .61% (505 .66 करोड़ रुपए) चंदा व्यक्तिगत दाताओं द्वारा दिया गया।

भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 171% वृद्धि

अकेले भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के 2,243 .94 करोड़ रुपये से 171 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके मुताबिक, कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2023-24 के 281 .48 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 517 .39 करोड़ रुपये हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य दलों में, आप को 27 .04 करोड़ रुपये मिले, जो 244 प्रतिशत की वृद्धि है जबकि एनपीईपी को 1.94 करोड़ रुपये मिले, जो 1,313 प्रतिशत की वृद्धि है।

क्या हैं एडीआर की चिंताएं

एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई दलों ने पैन विवरण और चेक/डीडी की पूरी जानकारी नहीं दी है। भाजपा और कांग्रेस सहित कई दलों ने 3 .468 करोड़ रुपए के चंदे के लिए पैन विवरण नहीं दिया है। एडीआर का मानना है कि राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे में लाया जाना चाहिए। साथ ही चुनाव आयोग को उन दलों की रिपोर्ट वापस कर देनी चाहिए जो अधूरी जानकारी देते हैं। सीबीडीटी द्वारा चंदा रिपोर्ट की वार्षिक जांच की जानी चाहिए ताकि शेल कंपनियों पर लगाम कसी जा सके।

स्टेट ब्रीफ

सीएम ने दी 242 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगरीय अवस्थापना सुविधाओं, शारदा रिवर फ्रंट, हरिद्वार मास्टर प्लान, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलों के निर्माण, बाढ़ सुरक्षा कार्यों, अतिथि गृहों एवं विभिन्न कार्यालय भवनों के निर्माण एवं अन्य अवस्थापना विकास से संबंधित योजनाओ के लिए 242 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इन योजनाओं में हल्द्वानी, रुद्रपुर, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, चम्पावत, खटीमा आदि में विकास योजनाओं को मंजूरी दी है।

लोकतंत्र सेनानी सम्मान राशि स्वीकृत

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान राशि की आवेदिका कान्ता देवी पत्नी स्व. लाखन सिंह, निवासी हीरानगर हल्द्वानी को 26 अप्रैल 2024 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह लोकतंत्र सेनानी सम्मान राशि अनुमन्य करने का अनुमोदन प्रदान किया है।

घर में घुसा गुलदार

रुड़की : धनौरा गांव के एक घर में गुरुवार तड़के गुलदार के घुसने से हड़कंप मच गया। घटना का वीडियो भी वायरल हो गया जिसमें वह शिकार की तलाश करता नजर आया। इस दौरान परिजनों की सांसें अटकी रहीं।

चार साल में बिछा हेलीपैड-हेलीपोर्ट्स का जाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बोले- हमारे सीमांत क्षेत्रों को वर्षों तक रखा गया था उपेक्षित

02 से बढ़कर 12 हुई हेलीपोर्ट्स की संख्या | **60** से बढ़कर 118 हो गए हेलीपैड राज्य में | **450** करोड़ से विकसित हो रहा पिथौरागढ़ हवाई अड्डा

- आज डबल इंजन की सरकार जोड़ रही सीमांत व दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से देहरादून-पिथौरागढ़-देहरादून 42 सीटर विमान सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि, बीते चार वर्षों में प्रदेश में हेलीपोर्ट्स की संख्या 2 से बढ़कर 12 हो गई है। साथ ही, हेलीपैड की संख्या 60 से बढ़कर 118 हो चुकी है। उत्तराखंड को 'बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ एविएशन इकोसिस्टम' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पहले हमारे सीमांत क्षेत्रों को वर्षों तक उपेक्षित रखा गया था, जिस कारण इन क्षेत्रों में विकास की गति सीमित रही। आज केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सीमांत और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में काम कर रही हैं।

इसी दिशा में चलते हुए पिथौरागढ़ और मुनस्यारी के बीच भी हेली सेवा प्रारंभ की गई है। देहरादून-पिथौरागढ़ हवाई सेवा के प्रारंभ होने से, पिथौरागढ़ के लोग एक घंटे में देहरादून तक पहुंच सकते हैं। इस सेवा से पिथौरागढ़ की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

देहरादून-पिथौरागढ़-देहरादून हवाई सेवा का देहरादून एयरपोर्ट से शुभारंभ करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

केंद्र ने दिया बढ़ावे का आश्वासन

इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने वीडियो संदेश के जरिए देहरादून-पिथौरागढ़ विमान सेवा के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए राज्य में हवाई सुविधाओं को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया। समारोह में कैबिनेट मंत्री खजान दास, भरत चौधरी, विधायक बृजभूषण गैरोला, पूर्व विधायक चंद्रा पंत, दायित्वधारी हेमराज बिष्ट, एलाइंस एयर के सीएमडी अमित कुमार, उकाडा के सीईओ डॉ. आशीष चौहान, एसीईओ संजय टोलिया मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर हुआ था एमओयू

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार पिथौरागढ़ हवाई अड्डे को 450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित करने का काम भी कर रही है। इसी क्रम में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार के बीच नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण के लिए एमओयू भी किया गया है, जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र को और भी अधिक फायदा मिलेगा।

पहली उड़ान: 25 यात्री पहुंचे, 23 का प्रस्थान

पिथौरागढ़ : दून-पिथौरागढ़-दून हवाई सेवा प्रारंभ होने के बाद 42 सीटर विमान नैनीसैनी हवाई अड्डा पहुंचा। दून से संचालित उड़ान से नैनीसैनी एयरपोर्ट पर 25 यात्री पहुंचे जबकि 23 यात्रियों ने प्रस्थान किया। इस अवसर पर डीएम आशीष कुमार भटगांई ने केक काटकर जनपदवासियों को हवाई सेवा समर्पित की। कहा कि, इस सेवा के प्रारंभ होने से जिले के समग्र विकास के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। जिले के लिए यह सेवा एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे स्थानीय लोगों को त्वरित एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा तथा रोजगार और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। इस दौरान एसपी अक्षय कोंडे, विधायक बिशन सिंह चुफाल, दर्जा राज्य मंत्री गणेश भंडारी, महापौर कल्पना देवीलाल आदि मौजूद रहे।

कन्या पूजन के दौरान मौजूद सीएम पुष्कर सिंह धामी और उनकी पत्नी गीता पुष्कर धामी।

कन्या पूजन समृद्ध परंपरा का अहम अंग: मुख्यमंत्री

- सीएम धामी ने शासकीय आवास में किया कन्या पूजन, प्रदेश की खुशहाली की कामना की

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: श्री राम नवमी के शुभ अवसर पर शासकीय आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्नी गीता पुष्कर धामी के साथ कन्या पूजन कर देवी स्वरूपा बालिकाओं का सम्मान किया। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कन्याओं को भोजन कराकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि, कन्या पूजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है, जो नारी सम्मान और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने श्री राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन चरित्र हमें कर्तव्यनिष्ठा के साथ सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। रामनवमी का पर्व मर्यादा, आदर्शों और नैतिक मूल्यों के प्रति हमारी आस्था को और अधिक सुदृढ़ करता है।

कहा कि, प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि सभी प्रदेशवासियों का जीवन सुख, समृद्धि एवं खुशहाली से परिपूर्ण हो तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

घंटाघर पर चेकिंग के दौरान स्कूटी चालक युवकों से पूछताछ करती पुलिस।

दून में 'ऑपरेशन नाइट वॉच', 71 गिरफ्तार

- राजधानी के सभी थाना क्षेत्रों में चला सघन चेकिंग अभियान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हुड़दंगी छात्रों/युवकों पर नकेल कसने के लिए राजधानी देहरादून के सभी थाना क्षेत्रों में रात भर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान को 'ऑपरेशन नाइट वॉच' की संज्ञा दी गई। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने गुरुवार को इस अभियान की समीक्षा की।

अभियान के दौरान विगत 2 दिनों में पुलिस ने वृहद स्तर पर कार्यवाही करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शराब पीकर वाहन चलाने वाले 71 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सभी 71 वाहनो को सीज कर दिया।

इस दौरान वाहनों में हूटर, काले शीशे लगाने व यातायात नियमों के उल्लंघन पर 12 अन्य वाहनों को सीज करते हुए 98 वाहन चालकों के एमवी एक्ट में चालान कर 38500 रुपए का जुर्माना किया गया तथा 21 कोर्ट चालान किए गए। अभियान के दौरान पुलिस ने 2663 वाहनों की चेकिंग तथा 1900 से अधिक व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके सत्यापन संबंधित जानकारी प्राप्त की।

रात में अनावश्यक रूप से घूम रहे 288 व्यक्तियों से पुलिस द्वारा मौके पर पूछताछ करते हुए 156 संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाया गया, इस दौरान 99 व्यक्तियों के विरूद्ध 81 पुलिस एक्ट के तहत चालान की कार्यवाही करते हुए उन पर 49500 रुपए का जुर्माना भी किया गया।

एसएसपी डोबाल ने कहा कि, विवि/कॉलेजो मे पढ़ने के नाम पर युवकों को रात्रि में अनावश्यक रूप से घूमने, हुड़दंग करने या कोई अपराध करना किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं होगा। यदि कोई छात्र कोई अपराध करते पाया जाएगा तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सुनिश्चित होगा कि संबंधित कॉलेज से उनका निष्कासन भी कराया जाए। गुरुवार को पुलिस ने ऐसे दो छात्रों के निष्कासन की संस्तुति की है।

बुरा काम करने का प्रयास करने पर हत्या

हरिद्वार: एक युवक ने दूसरे युवक को कुकर्म करने का प्रयास करने पर पत्थर से सिर फोड़कर मार डाला। पुलिस ने रिकॉर्ड समय में हत्यारोपी संजीव (20) निवासी सिरसी रहमतपुर थाना मैनाढेर, संभल उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया।

प्रभारी निरीक्षक सिटी कोतवाली रितेश शाह के अनुसार, मायादेवी मंदिर पार्किंग में दो लोगों के बीच लड़ाई में एक युवक ने दूसरे व्यक्ति के सिर पर पत्थर मारकर उसे बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया था। सूचना पर पुलिस घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने खुद वादी बन अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीमों ने करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद हत्यारोपी संजीव को ललतारा पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

घरवालों से नाराज होकर दून पहुंचीं तीन सगी बहनें

देहरादून : परिजनों से नाराज होकर दिल्ली से देहरादून पहुंचीं तीन नाबालिग सगी बहनों को नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया। एसआई नीलम पंत के अनुसार, स्थानीय व्यक्तियों से सूचना मिली कि रिस्पना पुल के पास तीन लड़कियां घूम रही हैं, जो बातचीत में घर से नाराज होकर देहरादून आने की बात बता रही है। सूचना पर महिला पुलिसकर्मी मौके पर पहुंची लेकिन लड़कियां नहीं मिलीं तो चीता पुलिस के माध्यम से तलाश में तीनों नाबालिग लड़कियां विधानसभा तिराहा के पास घूमते मिलीं, जिन्हें थाने पर लाया गया। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वे आपस में सगी बहनें हैं और परिजनों से नाराज होकर अपने घर अनाजमंडी दिल्ली से देहरादून आ गई थीं।

भूमि अधिग्रहण में याचिका सुनने से हाईकोर्ट का इंकार

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग-74 के लिए भूमि अधिग्रहण मामले में मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग करने वाली डेढ़ दर्जन से अधिक याचिकाओं पर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी उपायों का पालन नहीं किया गया तो सीधे रिट याचिका के माध्यम से राहत पाना संभव नहीं होगा। अदालत ने ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी द्वारा समय सीमा के आधार पर खारिज किए गए आवेदनों के खिलाफ दायर याचिकाओं को सुनने से इनकार कर दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास 'मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996' की धारा 34 के तहत जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील करने का एक वैकल्पिक वैधानिक विकल्प उपलब्ध है। चूंकि कानून में पहले से ही एक स्पष्ट उपचार मौजूद है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत सीधे उच्च न्यायालय में रिट याचिकाएं विचारणीय नहीं मानी जा सकतीं। इस तकनीकी आधार पर कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

डीएचआर कॉरिडोर बनेगा आदर्श

- सीएमपी-24 पर सचिवालय में मंथन, ई-बीआरटीएस से बदलेगी ट्रैफिक मैनेजमेंट की तस्वीर

वरिष्ठ संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: धार्मिक, पर्यटन व प्रशासनिक कॉरिडोर, देहरादून-हरिद्वार-ऋषिकेश (डीएचआर) को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) 2024 पर मंथन हुआ।

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित बैठक में कॉरिडोर की परिवहन व्यवस्था आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। डॉ. कुमार ने कहा कि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार प्रमुख शहरी क्षेत्रों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सीएमपी-24 इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें एकीकृत और आधुनिक परिवहन प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया गया है। उद्देश्य है कि देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश के बीच आवागमन अधिक सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध बने। ई-बीआरटीएस (इलेक्ट्रिक बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम), रोपवे, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट और ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट जैसी योजनाएं यातायात समस्याओं का समाधान करने के साथ पर्यटन और आर्थिक विकास को भी नई गति देंगी। यह कॉरिडोर देश के लिए आदर्श साबित होगा।

मिलेगी बड़ी राहत

सीएमपी-24 के लागू होने से कांवड़ और कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान यातायात प्रबंधन में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। हर साल लाखों श्रद्धालुओं के आगमन से इस कॉरिडोर पर भारी दबाव पड़ता है, नई योजना के बाद यातायात अधिक सुगम, व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगा। यह योजना धामी सरकार की विकासोन्मुखी और दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब है, जो उत्तराखंड को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

निर्माण श्रमिकों का होगा पंजीकरण

- बीओसीडब्ल्यू और सीएससी के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीएससी एसपीवी) के बीच राजधानी देहरादून में महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य राज्य के निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण और नवीनीकरण को अधिक सरल, सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाना है।

यह समझौता पी.सी. दुमका सचिव, यूकेबीओसीडब्ल्यू की उपस्थिति में हुआ। आधिकारिक दस्तावेजों पर विपिन कुमार (डिप्टी लेबर कमिश्नर) एवं अश्वनी कुमार (स्टेट हेड, सीएससी एसपीवी) ने हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने इस अवसर बताया कि इस समझौते के तहत अब निर्माण श्रमिकों की पंजीकरण प्रक्रिया काफी सरल हो जाएगी। उत्तराखंड राज्य के निर्माण श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर आसानी से अपना पंजीकरण और नवीनीकरण करा सकेंगे।

साथ ही, पंजीकरण प्रक्रिया आसान होने से पात्र श्रमिकों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना बाधा के मिल सकेगा।

इस दौरान सीनियर आईटी अधिकारी यूकेबीओसीडब्ल्यू दुर्गा, स्टेट मैनेजर सीएससी एसपीवी, भूपेंद्र कुमार मैनेजर यूआईडीएआई सीएससी एसपीवी सहित विभाग एवं सीएससी अधिकारी मौजूद रहे।

देहरादून में समझौता ज्ञापन के साथ विभागीय अधिकारी।

डॉ. तन्वी के खुदकुशी मामले की जांच शुरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: निजी मेडिकल कॉलेज की एमएस की छात्रा द्वारा एचओडी की प्रताड़ना से तंग आकर कार में कथित तौर पर इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या करने के मामले की जांच शुरू हो गई है।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मॉडल टाउन, अंबाला निवासी डॉ. तन्वी (25) श्री गुरु राम राय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान से नेत्र विज्ञान विभाग से मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) कर रही थीं। वह यहां टीएचडीसी कॉलोनी में मां के साथ रह रही थीं। बीती मंगलवार रात डॉ. तन्वी ने अपनी मां को मैसेज भेजा कि वह अस्पताल से रात 12:30 बजे तक घर पहुंचेंगी तो कॉल की जगह मैसेज देखकर उन्हें चिंता हुई। उन्होंने अंबाला में अपने पति ललित मोहन को इसकी सूचना दी। ललित तुरंत अंबाला से गाड़ी लेकर निकल पड़े। आधी रात के बाद वे देहरादून पहुंचे और बेटी की तलाश शुरू की तो कार्गी रोड पर डॉ. तन्वी अपनी कार में बेसुध मिलीं। कार लॉक थी। पिता ने पत्थर से शीशा तोड़कर बेटी को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने डॉ. तन्वी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार से इंजेक्शन और खाली शीशियां बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, तहरीर के आधार पर डॉ. तन्वी की एचओडी डॉ. प्रियंका गुप्ता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गहनता से जांच की जा रही है।

सावधान — हेली सेवा में फर्जीवाड़ा रोकने को हुई एसटीएफ और आई 4 सी की बैठक

बिहार से हो रही चारधाम यात्रा की फर्जी बुकिंग

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवा के माध्यम से चारधाम यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए इस बार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अभी से कमर कसना शुरू कर दिया है।

गुरुवार को इस सिलसिले में एसटीएफ और नेशनल साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर (आइ4सी) की गूगल बैठक हुई। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि जानकारी में आया है कि आगामी चारधाम यात्रा, विशेषकर केदारनाथ धाम यात्रा में पवन हंस लिमिटेड से संबंधित हेली सेवा बुकिंग के नाम से फर्जी अकाउंट एवं पेज बनाकर आम जनता को हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस प्रकार के साइबर धोखाधड़ी का संचालन मुख्यतः बिहार से किया जा रहा है। अपराधी फर्जी वेबसाइट, मोबाइल नंबर एवं सोशल मीडिया पेज के माध्यम से लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

एसएसपी ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐसे फर्जी खाते एवं पेज को तत्काल चिन्हित कर ब्लॉक/टेकडाउन कराया जाएगा। संबंधित प्लेटफॉर्म (मेटा) के साथ समन्वय स्थापित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध मोबाइल नंबर एवं बैंक खातों की निगरानी एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, आम जनता को जागरूक करने के लिए व्यापक साइबर जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। एसएसपी, एसटीएफ ने सभी श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से अपेक्षा की है कि केदारनाथ अथवा चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग केवल आधिकारिक वेबसाइट अथवा प्रमाणित माध्यम से ही करें।

व्हाट्सएप नंबर 8394833833 पर करें संपर्क

एसएसपी के अनुसार, चारधाम यात्रा पंजीकरण को व्हाट्सएप नंबर 8394833833 अधिकृत माध्यम के रूप में उपलब्ध है, जिसका उपयोग आधिकारिक जानकारी के लिए करें। उक्त नम्बर पर व्हाट्सअप पर 'यात्रा' लिखने पर चारधाम यात्रा पंजीकरण संबंधी प्रमाणिक वेबसाइट आदि ऑनलाइन सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी अनजान लिंक, सोशल मीडिया पेज या मोबाइल नंबर के माध्यम से भुगतान न करें। यदि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का संदेह हो, तो तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

निवेश के नाम पर ठगी में तीन आरोपी गिरफ्तार

देहरादून: स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) उत्तराखंड के साइबर सेल ने निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का गुरुवार को पर्दाफाश किया है।

एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने इस संबंध में बताया कि श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल निवासी एक व्यक्ति को अज्ञात साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर अधिक लाभ कमाने का झांसा देकर विभिन्न बैंक खातों में 1.31 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी की थी। इस सम्बन्ध में साइबर पुलिस स्टेशन देहरादून में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। एसएसपी ने बताया कि इस प्रकरण में वांछित तीन आरोपियों प्रतीक उत्तम बाफना निवासी चंदू निवास बिल्डिंग, बीपी रोड भयंदर पूर्वी थाणे, महाराष्ट्र और आशीष कुमार निवासी नीरज पार्क, सीएचएस रोड, आरएनपी पार्क, भयंदर पूर्वी तथा मोहम्मद नासिर निवासी शिवम अपार्टमेंट लक्ष्मीबेन छेड़ा मार्ग, वसई, पालघर , महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें विधिक कार्यवाही करते हुए देहरादून न्यायालय में पेश किया गया है।

नवम सिद्धिदात्री

मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्र पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ सिद्धिदात्री: ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नम:

मान्यता है कि श्रद्धालुओं की हर मुराद पूरी होती है यहां, जगदंबा मंदिर के नाम पर ही पड़ा जगदंबा कॉलोनी का नाम

मां जगदंबा मंदिर: आस्था के साथ प्रकृति और अध्यात्म का संगम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर का प्रसिद्ध जगदंबा मंदिर पिछले चार दशकों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। माता भगवती के इस प्राचीन मंदिर की ख्याति न केवल शहर बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी फैली हुई है। यही वजह है कि हर दिन यहां सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर माता के दर्शन करते हैं और मनोकामनाएं रखते हैं।

मंदिर की स्थापना करीब 40 वर्ष पूर्व हुई थी और देवी के नाम पर ही इस क्षेत्र का नाम जगदंबा कॉलोनी पड़ा। समय के साथ यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक पहचान बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है, जिसके चलते भक्तों की आस्था लगातार बढ़ती जा रही है।

जगदंबा नगर स्थित मंदिर में स्थापित मां जगदंबा की प्रतिमा। ● अमृत विचार

मंदिर के पुजारी शिवबल्लभ पाठक ने बताया कि वर्ष 1982 में मां भगवती की प्रतिमा की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। खास बात यह है कि यह मंदिर एक प्राचीन पीपल के वृक्ष के नीचे स्थापित है, जो इसे और अधिक पवित्र और दिव्य बनाता है। भक्तों का मानना है कि इस स्थान पर विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। मंदिर में प्रतिदिन नियमित पूजा-अर्चना, आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है, जिससे वातावरण हमेशा भक्तिमय बना रहता है। नवरात्रि, अष्टमी, रामनवमी जैसे विशेष पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष पूजन, कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं।

मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है और माता का भव्य श्रृंगार किया जाता है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मंदिर ने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक रूप से भी लोगों को जोड़ने का काम किया है। यहां आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों और भंडारों में सभी वर्गों के लोग एक साथ शामिल होते हैं, जिससे आपसी भाईचारा और सामुदायिक भावना मजबूत होती है।

हल्द्वानी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार

हल्द्वानी : चार दशक पुराने इस मंदिर में भक्तों की अटूट आस्था, नियमित पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों की निरंतरता ही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। यही कारण है कि जगदंबा मंदिर आज हल्द्वानी के प्रमुख और प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में शुमार है, जहां हर दिन श्रद्धा, विश्वास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

जल संस्थान शिविर में मारपीट, केस दर्ज

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार, चौहानपाटा रानीबाग निवासी महेश सिंह ने थाना काठगोदाम में दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च को सुबह करीब 11:56 बजे वह प्रतापगढ़ी में पहुंचे। उन्होंने देखा कि संदीप राणा और संतोष राणा कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे। जब उन्होंने विरोध किया तो दोनों आरोपियों नेउनके साथ गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी दी और डंडे से पीटा। बीच-बचाव करने पहुंचे धीरज बिष्ट और भगवती बिष्ट पर भी आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया और घर में रखा सामान भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिटी ब्रीफ

पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया

हल्द्वानी : जनपद में वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में हल्द्वानी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के मार्गदर्शन, सीओ हल्द्वानी अमित कुमार के पर्यवेक्षण तथा इंस्पेक्टर विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में गठित टीम ने 25 मार्च 2026 को अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों से तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में नीतू आर्या (35 वर्ष) निवासी सीएमटी कॉलोनी वार्ड नंबर 55 हल्द्वानी, जितेन्द्र यादव उर्फ जीतू (36 वर्ष) निवासी रेलवे स्टेशन चौराहा काठगोदाम तथा दिव्यांशु गुप्ता (30 वर्ष) निवासी सतीश कॉलोनी हीरानगर हल्द्वानी शामिल हैं। तीनों के खिलाफ धारा 138 एनआई एक्ट के तहत वारंट जारी थे।

कच्ची शराब की तस्करी करते एक दबोचा

हल्द्वानी : शहर कोतवाली पुलिस ने कच्ची शराब की तस्करी करते एक को पकड़ा है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पुलिस टीम ने टांडा बैरियर पर चेकिंग के दौरान कुलदीप सिंह निवासी गूलरभोज को 175 पाउच कच्ची शराब खाम की तस्करी करते पकड़ा है। पुलिस ने उस पर केस दर्ज कर उसकी बाइक संख्या यूके 04जे 9950 को भी सीज कर दिया है।

डीएसी है फिर भी रसोई गैस का संकट

जीतपुर नेगी में महिलाओं ने लगाया आरोप, कहा- कार्यालय से गोदाम तक के कटवाए जा रहे हैं चक्कर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में कई लोगों के पास डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) है लेकिन गैस न मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

जीतपुर नेगी क्षेत्र में 15 दिनों से रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। गैस की गाड़ी न पहुंचने से रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो गया है और भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी मंजू देवी ने बताया कि वह 10 दिनों से गैस गाड़ी का इंतजार कर रही हैं, लेकिन अब तक गैस नहीं मिल पाई है। बच्चे रोज सड़क पर गैस गाड़ी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सरिता देवी का कहना है कि गैस खत्म होने से खाना बनाने में दिक्कत हो रही है और पूरा परिवार संकट में है। ग्रामीणों का आरोप है कि डोर-टू-डोर गैस वितरण ठप हो चुका है, जबकि अधिकारी केवल गोदामों का निरीक्षण कर जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जमीनी स्तर पर व्यवस्था पूरी तरह फेल नजर आ रही है। क्षेत्र के कई उपभोक्ता बार-बार सरस मार्केट स्थित इंडेन कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन वहां केवल नाम और नंबर दर्ज करने के अलावा कोई ठोस समाधान नहीं मिला। लक्ष्मी बिष्ट ने बताया कि सिलेंडर बुक है और ओटीपी भी आ गया है फिर भी गैस की गाड़ी नहीं आ रही है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के अधिकांश उपभोक्ता सरस मार्केट इंडेन गैस सर्विस और क्षितिज गैस सर्विस से जुड़े हैं, लेकिन इन दोनों एजेंसियों की ओर से लंबे समय से आपूर्ति बाधित है। न तो समय पर सिलेंडर मिल रहा है और न ही कोई स्पष्ट जानकारी दी जा रही है।

गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं से वार्ता करते सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी। ● अमृत विचार

हरिपुर जमनसिंह प्राइमरी स्कूल के पास गैस लेने के लिए खड़े लोग।

सिटी मजिस्ट्रेट ने किया गोदामों का निरीक्षण, आपूर्ति के दिए निर्देश

हल्द्वानी : इंडेन रसोई गैस की आपूर्ति समय पर नहीं होने से शहर के कई इलाकों में उपभोक्ताओं को भारी परेशानी हो रही है। उपभोक्ताओं की नाराजगी के बाद जिला प्रशासन की टीम ने गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। तब कहीं जाकर गैस आपूर्ति दुरुस्त हुई। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने गुरुवार को इंडेन गैस एजेंसियों के गोदाम और दफ्तरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कुमाऊं मंडल विकास निगम की हल्द्वानी गैस सर्विस के साथ ही निजी एजेंसियों के दफ्तर व गोदाम में जांच की। सिलेंडर के लिए कतार में लगे लोगों से पूछताछ की। तब पता चला कि छड़ायल, कुसुमखेड़ा, पीलीकोठी आदि क्षेत्रों में डीएसी नंबर होने के बाद भी डोर टू डोर रसोई गैस की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जब गोदाम आते हैं तो होम डिलीवरी की बात की जाती है और घर पर कोई पहुंचता नहीं है। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट ने नियमानुसार गैस आपूर्ति के निर्देश दिए। इसके बाद कई क्षेत्रों में रसोई गैस के वाहन पहुंचें। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने बताया कि इंडियन गैस की आपूर्ति कुमाऊं मंडल विकास निगम और निजी गैस एजेंसियों के माध्यम से की जाती है। कुछ तकनीकी और व्यवस्थागत दिक्कतों के कारण आपूर्ति बाधित हुई थी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि भविष्य में गैस की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पाइप लाइन तो बिछा दी गई सप्लाई कब होगी पता नहीं

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : शहर में पीएनजी सप्लाई के लिए पाइपलाइन बिछ चुकी है, सैकड़ों घरों में कनेक्शन भी दिए जा चुके हैं, लेकिन गैस की सप्लाई आज तक शुरू नहीं हो सकी जिससे योजना का मकसद पूरा नहीं हो पाया है।

पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने करीब 14 किमी लंबी अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछा दी है, 800 से अधिक घरों में कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद परियोजना महज जमीन आवंटन के अभाव में लटकी हुई है। एलपीजी स्टोरेज टर्मिनल/डिपो के लिए करीब 3000 वर्ग फीट जमीन पिछले एक साल से चिन्हित नहीं हो सकी है, जहां डीएसयू (डिस्ट्रिक्ट सप्लाई यूनिट) स्थापित होनी है। नतीजा यह है कि पूरी व्यवस्था तैयार होने के बावजूद गैस सप्लाई शुरू नहीं हो पा रही। हालात यह है कि शहरवासी सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पाइपलाइन गैस सप्लाई शुरू हो जाती तो आधे शहर को एलपीजी संकट से राहत मिल जाती। नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल ने बताया कि एसडीएम प्रमोद कुमार के तबादले के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब नए उपजिलाधिकारी को जानकारी देकर जल्द समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत ने जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से मुलाकात कर कंपनी को सरकारी भूमि उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को एचपीसीएल के साथ संयुक्त निरीक्षण कर जल्द उपयुक्त भूमि चयन करने के निर्देश दिए हैं।

लोगों के घरों में लगे पीएनजी कनेक्शन।

महिला स्मैक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस व एसओजी टीम ने टांडा बैरियर के समीप एक महिला को 203 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद स्मैक की कीमत 60 लाख रुपये आंकी गई है।

गुरुवार को पुलिस बहुद्देश्यीय भवन में हुई प्रेस वार्ता में एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने कहा कि बीती 25 मार्च को पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने टांडा बैरियर पर चेकिंग के दौरान बेलबाबा वन बैरियर से लगभग 150 मीटर आगे एक महिला संदिग्ध अवस्था में खड़ी दिखाई दी। महिला के हाथ में काले रंग का बैग था और वह मुंह ढककर खड़ी थी। पूछताछ में उसने खुद को कनिका (40 वर्ष), निवासी शिवनगर ट्रांजिट कैम्प, रुद्रपुर बताया। साथ ही कहा कि वह बस का इंतजार कर रही है। संदेह होने पर महिला पुलिस कर्मी ने बैग की तलाशी ली तो अंदर पॉलीथीन से 203 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह यह स्मैक बिलासपुर निवासी फारूक नामक व्यक्ति से खरीदकर लाई थी और ग्राहक को देने के लिए इंतजार कर रही थी। पुलिस ने महिला को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है।

गुरुवार को पुलिस भवन में घटना का खुलासा करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी।

महिला को जाना था बनभूलपुरा, पहुंच गई जेल

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार महिला स्मैक को बिलासपुर से ला रही थी और उसे बनभूलपुरा जाना था। जहां आगे की सप्लाई करने की थी। इसके बाद स्मैक को फुटकर में पहाड़ और हल्द्वानी में बेचा जाता। पुलिस बिलासपुर बार्डर पर भी कार्रवाई करने की तैयारी में है। बता दें कुमाऊं में पकड़ी जाने वाली स्मैक का सेंटर यूपी बार्डर ही मिलता है। बहेड़ी पहले से ही स्मैक सप्लाई के लिए कुख्यात है, अब इसके बाद बिलासपुर का नाम सामने आ रहा है। वहां से तस्कर कम दाम में स्मैक लाते हैं और यहां महंगे दामों में बेचते हैं। इसी तरह तस्कर पहाड़ से चरस को वाया हल्द्वानी या रामनगर होते हुए यूपी की तरफ भेजते हैं।

यहां पति ने मौत को गले लगाया

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार कुसुमखेड़ा निवासी 38 वर्षीय प्रदीप आर्य पुताई का कार्य करता था। वह यहां परिवार के साथ रहता था। बताया जा रहा है कि बुधवार रात उसने मायके गई पत्नी से फोन पर बात की तो किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। युवक ने पत्नी से वापस घर आने को कहा, लेकिन उसके इनकार करने पर वह आक्रोशित हो गया। परिजनों के मुताबिक विवाद के बाद प्रदीप पास की दुकान से शराब लेकर आया। बताया जा रहा है कि प्रदीप ने शराब में कोई जहरीला पदार्थ मिला लिया और शराब पी गया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। उसकी हालत लगातार गंभीर होने लगी। परिजन उसे उपचार के लिए एसटीएच लेकर गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके परिवार में एक 13 वर्षीय बेटा और पांच वर्षीय बेटी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जिंदा रही तो पागल हो जाऊंगी.. और दे दी जान

संवाददाता, हल्द्वानी

विमला सती। (फाइल)

अमृत विचार : पति की मौत के सदमे से उबर नहीं सकी महिला ने फंदा लगाकर जान दे दी। मरने से पहले छोड़े सुसाइड नोट में लिखा कि, 'जिंदा रही तो पागल हो जाऊंगी, पागल होने से तो मरना अच्छा।'

एसओ मुखानी सुशील जोशी ने बताया कि विमला सती (43) निवासी जज फार्म ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमला के पति कौशल कुमार ने बीते वर्ष टांडा जंगल में आत्महत्या कर ली थी। पति की अचानक मौत के बाद से ही विमला गहरे अवसाद में थीं, उनका इलाज भी चल रहा था। उन्हें लंबे समय से अनिद्रा की शिकायत थी। घटना की रात विमला ने अपने 15 वर्षीय बेटे दक्ष और सास के साथ भोजन किया। देर रात तक वह बेटे के साथ टहलती भी रहीं लेकिन गुरुवार सुबह जब बेटा उठा तो मां कमरे में नहीं मिली। तलाश करते हुए वह दूसरे तल पर पहुंचा, जहां मां को पंखे से फंदे पर लटका देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें विमला ने मौत के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया है। एसओ के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है। मामले की जांच की जा रही है।

हादसे के बाद मृतका विमला सती के परिजन सदमे में हैं।

पिछले साल जून में पति ने की थी आत्महत्या

हल्द्वानी : मृतका के पति कौशल सती की लाश पिछले साल जून में हल्द्वानी के पास टांडा जंगल में मिली थी। वह रात को घर नहीं आए सुबह उनकी लाश का जंगल में होने का पता चला। एक साल से भी कम समय के अंदर इस परिवार के अंदर दूसरा हादसा हो गया।

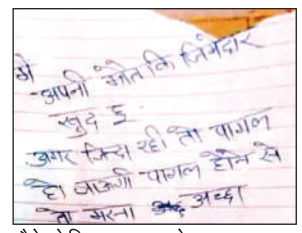

मौके से मिला सुसाइड नोट।

बेटे के साथ किराए पर रहतीं थीं विमला

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार विमला सती का बेटा 10वीं का छात्र है। वह जज फार्म स्थित एक मकान के ऊपरी तल पर किराए पर रहती थीं। मकान मालिक पिछले कुछ माह से परिवार सहित बाहर थे, घर की देखरेख विमला को सौंप रखी थी। गुरुवार सुबह जब बेटा नींद से उठा तो मां कमरे में नहीं मिली। तलाश करते हुए वह मकान मालिक के कमरे में पहुंचा, जहां उसने अपनी मां को पंखे से लटका देखा। उसने तुरंत ही चीख-पुकार शुरू कर दी। उसके बाद पड़ोसी पहुंचे।

सावधान | पिछले चार साल में गौला नदी के जल स्तर में सर्वाधिक गिरावट हुई दर्ज

समय पर नहीं संभले तो पेयजल संकट भी गहराएगा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गौला बैराज का लगातार कम हो रहे जलस्तर ने सिंचाई और पेयजल विभाग की चिंता को बढ़ा दिया है। पिछले चार सालों में गौला बैराज का जलस्तर सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। बैराज में पानी कम होने से कई इलाकों में सिंचाई संकट बढ़ गया है। हालात यही रहे तो अगले महीने से हल्द्वानी शहर की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा सकती है।

गौला नदी का जलस्तर हर साल घटता जा रहा है और इस बार भी इसके संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं। पिछले साल मार्च में 134 क्यूसेक दर्ज किए गए जलस्तर में इस वर्ष लगातार गिरावट देखने को मिली है। 21 मार्च को जलस्तर 120 क्यूसेक था, जो 22 और 23 मार्च को भी 120 क्यूसेक पर बना रहा। 24 मार्च से गिरावट शुरू हुई और 24 व 25 मार्च को यह घटकर 115 क्यूसेक पर आ गया। 26 मार्च को भी जलस्तर 115 क्यूसेक ही दर्ज किया गया। इस गिरावट का असर आगामी गर्मियों में पेयजल और सिंचाई पर पड़ेगा। जून तक अगर नदी का जलस्तर इसी तरह घटता रहा, तो शहर और आसपास के क्षेत्रों में पानी की कमी का गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। जलस्तर में गिरावट का मुख्य कारण वर्षा का कम होना है। स्थानीय लोग भी पानी की कमी को लेकर चिंतित हैं। कई मोहल्लों में लोग टैंकर और निजी पानी की आपूर्ति पर निर्भर होने लगे हैं।

जल संस्थान ईई आएस लोशाली ने बताया कि गौला बैराज में वर्तमान जलस्तर सामान्य से कम है लेकिन फिल्टर प्लांट की आपूर्ति अभी नियंत्रण में है। यदि आगामी कुछ दिनों में बारिश नहीं होती है और नदी का जलस्तर लगातार घटता रहा, तो कुछ इलाकों में पानी आपूर्ति सीमित की जा सकती है। जनता से अपील है कि पानी का इस्तेमाल बचत के साथ करें ताकि गर्मी के दौरान पेयजल संकट से बचा जा सके।

गौला बैराज। (फाइल फोटो)

फिल्टर प्लांट को रोजाना 30 क्यूसेक पानी आवश्यक

हल्द्वानी : गर्मी के सीजन में अधिक पानी की डिमांड को देखते हुए हल्द्वानी शहर के पेयजल व्यवस्था को ठीक करने के लिए जल संस्थान के फिल्टर प्लांट के लिए 30 क्यूसेक पानी गौला बैराज से भेजा जाता है। शहर के आधी आबादी को पेयजल की व्यवस्था गौला बैराज के पानी से की जाती है। ऐसे में जल्द बारिश नहीं हुई तो अगले कुछ दिनों में नदी का जलस्तर काफी नीचे गिर सकता है। जिसके चलते पेयजल और सिंचाई संकट खड़ा हो सकता है।

पहाड़ी जिलों में मध्यम बारिश व चोटियों पर बर्फबारी की चेतावनी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। मौसम विभाग की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के कई पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है। साथ ही तेज हवाएं चलने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और 3300 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। शेष जिलों में कहीं-कहीं बहुत हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। मैदानी इलाकों में मौसम मुख्यत: साफ से आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। यहां हवाओं की गति 30 से 40 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है।

तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव

हल्द्वानी : राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं देखा जाएगा। देहरादून में अधिकतम तापमान लगभग 31.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हल्द्वानी में अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 14.4 डिग्री, जबकि मुक्तेश्वर में अधिकतम 21.9 और न्यूनतम 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

तो पेट्रोल और डीजल पर निर्भर होगा इस बार का पर्यटन सीजन

आकर्षक पैकेजों के साथ पर्यटन कारोबारी ग्रीष्मकालीन सीजन के लिए तैयार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: अप्रैल की शुरुआत से ग्रीष्मकालीन पर्यटन भी शुरू हो जाएगा। ग्रीष्मकालीन सीजन के स्वागत के लिए सरोवर नगरी के होटल कारोबारी तैयार हैं। आकर्षक पैकेज बनाए गए हैं तो ट्रेवल एजेंट भी टूर पैकेज बना चुके हैं। पर्यटन कारोबार से जुड़े अन्य कारोबारी सैलानियों की आवभगत को उत्सुक हैं। हालांकि, देश भर में पेट्रोल और डीजल के संकट का असर अगर इसी तरह लंबे समय तक चला तो नैनीताल का पर्यटन कारोबार प्रभावित होने के अंदेशे से इनकार नहीं किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन सीजन नगर का प्रमुख सीजन है और ठंडी हवा के साथ नैसर्गिक सुंदरता के सैर सपाटे के लिए पर्यटकों की सबसे बड़ी संख्या इसी सीजन में पहुंचती है। जून अंत तक ग्रीष्म सीजन चलता है। पर्यटन कारोबारियों की कमाई का भी यही मौका होता है जिसे भुनाने के लिए कारोबारी कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं, जिसे लेकर जलपान गृहों से लेकर बड़े होटल कारोबारियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रतिष्ठानों में रंग रोगन हो या फिर मनोरंजन के तमाम साधन, जुटा लिए गए हैं। दिन के समय लाइव संगीत की धुनें पंत पार्क में सुनाई देंगी तो शाम को माल रोड पर गीत गाते स्थानीय गायकों के साथ सैलानी झूमते नजर आएंगे।

इस दौरान पाल नौकायन जैसी गतिविधियां नैनी झील की शोभा बढ़ाती हैं तो गोल्फ टूर्नामेंट और हॉकी की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं नगर की रंगत में चार चांद लगाती हैं। इधर ट्रेवल एजेंटों ने भी साइड सीन समेत पर्वतीय क्षेत्रों के लिए दो दिवसीय तक पैकेज तैयार कर लिए हैं। नगर में मुख्यतः दो सीजन होते हैं, जिनमें प्रमुख सीजन ग्रीष्मकालीन है और दूसरा शरदाकालीन सीजन है, जो अक्टूबर में चलता है। इनके अलावा होली, थर्टी फर्स्ट और 15 अगस्त जैसे सीमित सीजन भी होते हैं।

गत वर्ष 6 लाख से अधिक सैलानियों ने की सैर

पर्यटन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले साल अप्रैल से जून के बीच करीब 615390 भारतीय सैलानी पहुंचे थे, जबकि अप्रैल, मई और जून में करीब 3965 विदेशी सैलानी पहुंचे थे। जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी के अनुसार ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में सैलानियों की आमद में हर वर्ष वृद्धि होती है। इस वर्ष भी 15 से 20 फीसद अधिक सैलानी पहुंचने की उम्मीद की जा सकती है।

तैयारी पूरी, विकल्प भी हैं तैयार

नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट का कहना है कि होटल कारोबारियों की तैयारियां पूरी हैं। भले ही एलपीजी गैस का संकट बना हुआ है, जिसके विकल्प कोयला, तंदूर, भट्टी और इंडक्शन रहेंगे। मगर असल आशंका देश में पेट्रोल और डीजल की है। यदि पेट्रोल डीजल की किल्लत इसी तरह जारी रही तो निश्चित ही पर्यटन कारोबार प्रभावित होगा।

10 हजार परिवार निर्भर पर्यटन पर

नैनीताल का पर्यटन ब्रिटिशकाल से चला आ रहा है। तब विदेशी सैलानी और राजे रजवाड़ों से लोग सैर सपाटे को आते थे। वर्तमान में करीब 90 दिन, जून माह तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में लाखों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। नगर में एक हजार के लगभग होटल, होम स्टे, सरकारी व अर्धसरकारी गेस्ट हाउस है, जबकि नौकाओं की संख्या 400 है। टूरिस्ट कैब 500 के लगभग हैं और इतनी ही टैक्सी बाइक हैं। रेस्टोरेंट 200 से अधिक हैं और घोड़ा चालकों की संख्या 100 से अधिक हैं। इनके अलावा गिफ्ट सेंटर और आउटडोर फोटोग्राफर हैं। 400 से अधिक फड़ खोखा हैं। सड़क किनारे जलपान, अंडे, भुट्टे, फल, जूस और स्थानीय उत्पाद बेचने वाले दर्जनों हैं, जो पर्यटन पर निर्भर हैं। इन सभी कारोबार से जुड़े करीब दस हजार परिवारों का चूल्हा पर्यटकों की आमद से चलता है।

स्कूटी चालक ने मारी टक्कर, राहगीर बुरी तरह घायल

नैनीताल: बीती देर रात बेलगाम स्कूटी चालक ने राहगीर को टक्कर मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। इस घटना मे घायल के स्वजनों ने मल्लीताल कोतवाली में तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति के स्वजन उपचार के लिए हल्द्वानी ले गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोमबत्ती कारोबारी गिरीश चंद्र तिवारी बीती देर रात अपने निवास हंस निवास को पैदल जा रहे थे। मल्लीताल रॉयल होटल कंपाउंड के समीप पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कूटी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से वह छिटक कर दूर जा गिरे। उनकी चीख पुकार सुनकर लोग जमा हो गए और उन्हें बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया।

इस घटना के दौरान लोगों की भीड़ और मौका देख स्कूटी में सवार दो युवक तो फरार हो गए। लोगों ने स्कूटी चला रहे चालक को पकड़ लिया। इस घटना विरोध में गुरुवार को लोग मल्लीताल कोतवाली पहुंच गए और स्कूटी सवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पुलिस से मांग की। वहीं घायल गिरीश चंद्र तिवारी की पत्नी संतोषी तिवारी ने कोतवाली में तहरीर सौं कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आश्वयक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क के गड्ढे भरने के बाद दिखाते पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरू। ● अमृत विचार

कांग्रेस नेता पनेरू ने सड़क के गड्ढे भरकर जताया विरोध

- मंत्री के दौरे से पहले स्वागत का अनोखा अंदाज
- स्थिति न सुधरने पर दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: पूर्व दर्जा राज्य मंत्री एवं राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू ने पदमपुरी-खुटानी धारी मार्ग पर बने खुद गड्ढे भरकर अनोखे तरीके से विरोध जताते हुए व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

खस्ताहाल सड़क पर बने गहरे गड्ढों को मिट्टी से भरते हुए पनेरू ने इसे कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा के स्वागत की तैयारी बताया। दरअसल, यह मार्ग हाल ही में मंत्री बने राम सिंह कैड़ा के विधानसभा क्षेत्र में आता है और उनके पहले दौरे से ठीक पहले यह विरोध सामने आया। पनेरू ने व्यंग्य करते हुए कहा कि मंत्री के दौरे के दौरान उन्हें सड़कों के गड्ढों से झटके न लगें, इसलिए स्वागत के तौर पर गड्ढे भरे जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक संकेत है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर सड़क की स्थिति नहीं सुधरी, तो अगला दौरा मंत्री के लिए आसान नहीं होगा। पनेरू ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में स्थानीय विधायक ने इस सड़क की सुध नहीं ली और जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि यदि रातों-रात सड़क बनती है, तभी यह माना जाएगा कि पद का उपयोग जनता की भलाई के लिए किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री बनने के तुरंत बाद हल्द्वानी स्थित उनके निजी आवास की सड़क का निर्माण प्राथमिकता से करा दिया गया, लेकिन जनता की सड़क बदहाल बनी हुई है जो जनहित से ज्यादा निजी हित को दर्शाता है।

कांग्रेस ने बूथ कमेटियों की मजबूती पर दिया जोर

रामनगर: रामनगर में कांग्रेस पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से ग्राम सावल्दे क्षेत्र में विभिन्न बैठकों का आयोजन किया। सावल्दे पूर्वी की बैठक कांग्रेस नेता व पूर्व प्रधान वेद प्रकाश के निवास पर संपन्न हुई। इसके बाद सावल्दे पश्चिम प्रथम की बैठक पूर्व क्षेपंस शाहिद हुसैन के निवास पर तथा सावल्दे पश्चिम द्वितीय की बैठक रमेश सिंह के घर पर की गई। बैठकों में बूथ कमेटियों के साथ विस्तार पर चर्चा की गई और कमेटियों को मजबूत करने के लिए नए सदस्यों को जोड़ा गया। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक रणजीत रावत ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ कमेटियों को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत ने की।

नैयनादेवी मंदिर में दर्शन को जाते कतारबद्ध श्रद्धालु। ● अमृत विचार

नैनीताल के मंदिरों में उमड़ा मां की श्रद्धा का सैलाब

नैनीताल : नवरात्र पर सरोवर नगरी के मंदिरों में मां की श्रद्धा का सैलाब नजर आया। नयनादेवी, पाषाण देवी समेत नगर के अन्य मंदिरों में वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन के साथ पूजा अर्चना की। गुरुवार को सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। नयना देवी मंदिर में कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। इस बीच कन्या पूजन को मंदिर परिसर में भीड़ रही तो काफी संख्या में कन्याएं मंदिर पहुंची हुई थी। जिन्हें विधिवत पूजा अर्चना के साथ प्रसाद ग्रहण कराया गया। ठंडी सड़क स्थित पाषाण देवी मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही, जो देर शाम तक जारी रही। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ शीश नवाजा। मंदिर के पुजारी जगदीश भट्ट ने नवरात्रों के महत्व के बारे में श्रद्धालुओं को बताया। इधर स्नोव्यू, हनुमानगढ़ी और गुफा महादेव मंदिर भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। नयना देवी मंदिर में अमर उदय ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार नवमी के मौके पर हवन पूजा की जाएगी।

गौला नदी में स्थाई तटबंध के निर्माण की मांग

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: गौला नदी में आने वाली बाढ़ से राहत दिलाने की मांग को लेकर बिंदुखत्ता क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी नैनीताल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में हाटा ग्राम से श्रीलंका टापू व शीशम भुजिया तक स्थाई तटबंध (सुरक्षा दीवार) निर्माण तथा शहीद मोहन नाथ गोस्वामी मिनी स्टेडियम के निर्माण की मांग उठाई गई। साथ ही नदी में डायवर्जन के नाम पर हो रही अनियमितताओं पर रोक लगाने की भी मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि बिंदुखत्ता वासी लंबे समय से गौला नदी के ग्रामीण छोर पर स्थाई तटबंध निर्माण की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन समय-समय पर केवल चिन्हित स्थानों पर अस्थाई तटबंध बनाए जाते हैं, जो प्रभावी साबित नहीं हो पा रहे हैं। बरसात के दौरान नदी में आने वाली बाढ़ से राहत के नाम पर डायवर्जन कार्यों में खर्च की गई करोड़ों रुपये की धनराशि भी बेकार चली गई, जबकि हालात आज भी बदतर बने हुए हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि डायवर्जन पर खर्च की गई धनराशि से स्थाई सुरक्षा दीवार बनाई जाती, तो अब तक करीब तीन किलोमीटर लंबा तटबंध तैयार हो चुका होता। उन्होंने सुझाव दिया कि गौला नदी के डायवर्जन के बजाय इंद्रानगर हाटाग्राम से श्रीलंका टापू व शीशम भुजिया तक स्थाई सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाए।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सुरक्षा दीवार के निर्माण का आंकलन आईआईटी रुड़की से कराया जाए तथा कार्यदायी संस्था के रूप में वन विभाग के बजाय तकनीकी रूप से सक्षम सिंचाई विभाग को जिम्मेदारी दी जाए। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी समिति गठित की जाए। इसके अतिरिक्त बिंदुखत्ता में अशोक चक्र से सम्मानित शहीद मोहन नाथ गोस्वामी के नाम पर स्वीकृत मिनी खेल स्टेडियम का शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की भी मांग की गई। जिलाधिकारी ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हेमवती नंदन दुर्गापाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पुष्कर दानू, उर्मिला धामी, महिला अध्यक्ष मीना जोशी, दीपा बिष्ट, त्रिलोक सिंह मेहता, रमेश राणा, बलवंत रौतेला, प्रभात पाल, कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी, गोकर्ण सिंह राणा आदि रहे।

जिलाधिकारी नैनीताल को ज्ञापन सौंपते बिंदुखत्ता के कांग्रेस कार्यकर्ता।

मंदिर के पास सीवर का गंदा पानी बहने से श्रद्धालु नाराज

- लोगों ने समस्या के जल्द निस्तारण की मांग की

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नयना देवी मंदिर के समीपवर्ती नाले से सीवर का गंदा पानी का अक्सर बहने का क्रम लंबे समय से चला आ रहा है। सीवर के पानी से वातावरण दूषित रहता है। इसके साथ ही यह गंदा पानी नैनी झील में जा रहा है। जिस कारण लोग बेहद नाराज हैं।

इधर गुरुवार को सीवर का गंदा पानी तब बहने लगा, जब नयना देवी मंदिर में कन्या पूजन चल रहा था। बदबू इतनी तीव्र थी कि लोग नाक और मुंह बंद करते नजर आए। इस दौरान पूरे क्षेत्र में गंदी दुर्गन्ध फैल गई। जिससे श्रद्धालुओं ने कड़ी नाराजगी जताई। यहां पहुंचे लोगों ने बताया कि इस नाले से अक्सर सीवर का पानी बहने लगता है जिससे पूरे क्षेत्र में बदबू फैल जाती है। आसपास के लोगों रहना मुश्किल हो गया है। जल संस्थान को कई बार शिकायत भी की हैं, लेकिन सीवर का गंदा पानी आने का क्रम थम नहीं सका है। लोगों ने बताया कि नाले से बहकर आ रहा सीवर का पानी झील में जा रहा है। इससे झील का पानी भी दूषित हो रहा है। लोगों ने समस्या के जल्द निस्तारण की मांग की।

गंगा की स्वच्छता का दिया संदेश

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी पीजी कॉलेज, रामनगर के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता पखवाड़ा के दसवें दिन मेहंदी की कलात्मक रेखाओं के माध्यम से गंगा स्वच्छता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अपने हाथों पर बनाए गए मेहंदी डिजाइनों में गंगा की लहरें, पानी की बूंदें तथा 'स्वच्छ गंगा, स्वस्थ जीवन' जैसे संदेश उकेरे।हाथों पर बनी ये सुंदर आकृतियाँ एक चलती-फिरती जागरूकता अभियान का रूप लेती नजर आईं, जिसने लोगों का ध्यान सहज रूप से स्वच्छता की ओर आकर्षित किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य एम.सी. पांडे ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रभावशाली संदेशों के माध्यम से गंगा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि इन संदेशों को गंभीरता से अपनाने पर ही अभियान सफल हो सकेगा। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. नीमा राणा, डॉ. पुनीता कुशवाहा, डॉ. लोतिका अमित, डॉ. ऋतु, डॉ. सुरेश चंद्रा, डॉ. रीमा प्रियदर्शी, डॉ. रागिनी गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गोविंद सिंह जंगपागी सहित मोनिका, चांदनी, डॉली, गीता, विशाल, मोहित और अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हाथों में मेंहदी लगाकर गंगा स्वच्छता अभियान का संदेश देते विद्यार्थी।

कालाढूंगी पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री कैड़ा का जोरदार स्वागत

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: उत्तराखंड की धामी कैबिनेट में शामिल हुए भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा का कालाढूंगी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। वीरवार को कालाढूंगी क्षेत्र में पहुंचने पर नयागांव तिराहे व नगरपालिका सभागार में कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं व पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया।कैड़ा ने अपना संबोधन नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री धामी का आभार जताते हुए कहा केन्द्र व राज्य सरकार में देश व प्रदेश में प्रगति पर है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कोटाबाग,कालाढूंगी व चकलुवा केक्षेत्रवासियों ने छात्र राजनीति में अपार समर्थन मिला था। सभागार में बैठे अधिंकाश लोग मेरे सहपाठी,जूनियर या सीनियर हैं। क्षेत्र के विकास कार्य करना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, पूर्व नंपअ पुष्कर कत्यूरा, सुमन अधिकारी, कुंदन बसेडा, तारा चंद्र पांडे, किशोर देउपा, पूरन जोशी, ईओ अभिनव कुमार, कैलाश बुढलाकोटी, मेहमूद हसंन बजांरा, हरीश मेहरा व मनोज अधिकारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इसरो व कुमाऊं विश्वविद्यालय मनाएंगे आर्यभट्ट सैटेलाइट की गोल्डन जुबली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: आर्यभट्ट सैटेलाइट की गोल्डन जुबली भारतीय खगोल विज्ञान के इतिहास में गौरवमय गाथा है। जिसकी सफलता के बाद अंतरिक्ष की दुनिया में देश आसमान की गहराइयों को स्पर्श करता चला गया। जिसे लेकर इसरो और कुमाऊं विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से शुक्रवार को आउटरीच समारोह डीएसबी परिसर में आयोजित करने जा रहे हैं।

कार्यक्रम के आयोजक डीएसबी परिसर के प्रो. रमेश चंद्रा ने बताया कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इसरो ने देश को बुलंदियों तक पहुंचाया है और आर्यभट्ट सैटेलाइट जैसे मिशन इसके प्रेरणाश्रोत रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों को आगे ले जाने के लिए बहुआयामी तैयारियां जरूरी हैं। जिसे लेकर भारत सरकार द्वारा युवाओं को खगोल विज्ञान के प्रति आकर्षित करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

शुक्रवार को होने जा रहा कार्यक्रम भी इसका एक हिस्सा है। इस मौके पर इसरो के वैज्ञानिक मौजूद रहेंगे और दुनिया में हो रहे अंतरिक्ष कार्यक्रमों से अवगत कराएंगे। इसके अलावा अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों की जानकारी देंगे। वहीं, स्कूली बच्चों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों समेत डीएसबी के शिक्षक, शोध छात्र व स्कूली बच्चे मौजूद रहेंगे।

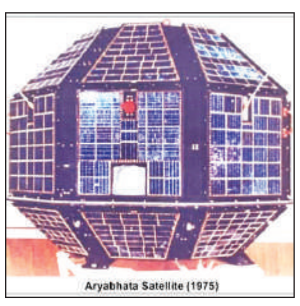

आर्यभट्ट सैटेलाइट।

भुगतान न होने से एलएलसी लीग का फाइनल स्थगित

हल्द्वानी : एलएलसी लीग का इंतजार कर रहे खेल प्रेमियों के लिए बुधवार का दिन निराशाजनक साबित हुआ। 24 तारीख से होने वाले सेमीफाइनल और आज निर्धारित फाइनल मैच आयोजकों की ओर स्टेडियम में भुगतान न करने के कारण खेल विभाग ने रोक लगा दी। खेल विभाग की कुमाऊं उपनिदेशक रशिका सिद्धिकी के अनुसार आयोजक ने स्टेडियम शुल्क और अन्य आवश्यक भुगतान नहीं किया, इसलिए मैच को कराने की अनुमति नहीं दी गई। इसी कारण फाइनल मैच स्थगित हो गया। आयोजक ने स्टेडियम से सभी उपकरण और सामान भी हटा लिया है।

सेना में भर्ती को निशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए प्रकाश मिश्रा सम्मानित

- युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देने पर लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने किया सम्मानित

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के विशेषज्ञ और भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने युवाओं को सेना के प्रति आकर्षित करने और उन्हें निशुल्क प्रशिक्षण देने के प्रयासों के लिए पूर्व सैनिक प्रकाश मिश्रा को सम्मानित किया।

वर्तमान में डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (रणनीति) के पद पर तैनात लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने सेवानिवृत्ति के बाद समाज और पूर्व सैनिकों की सेवा में विभिन्न साहसिक और प्रेरणादायक कार्य करने पर नैनीताल जिले के प्रकाश मिश्रा को सम्मानित किया।

प्रकाश मिश्रा निशुल्क डिफेंस एकेडमी चलाकर सैकड़ों बच्चों को भारतीय सेना के लिए तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा, वे युवाओं को नशे से दूर रखने, समाजिक कार्यों में भाग लेने और सोल्जर बोर्ड के माध्यम से पूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं की मदद करने में भी सक्रिय हैं।

जिसको देखते हुए सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पूर्व सैनिक प्रकाश मिश्रा को प्रशस्ति पत्र देते लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई।

राम दरबार की निकली शोभायात्रा, श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

रामनवमी के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर की सड़कों पर उमड़ा आस्था का अद्भुत सैलाब, पूरा शहर राममय आया नजर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रामनवमी के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर की सड़कों पर आस्था का अद्भुत सैलाब उमड़ा। श्रीराम भक्त सेवा समिति की ओर से आयोजित भव्य शोभायात्रा ने रामलीला मैदान से शुरू होकर नैनीताल रोड, तिकोनिया होते हुए वापस आयोजन स्थल तक का मार्ग तय किया। यात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम का भव्य दरबार रहा, जिसमें राम-सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी के स्वरूपों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भगवान गणेश, थिरकते छोलिया नर्तक, खाटू श्याम, राधा-कृष्ण, महाकाली व भगवान शिव की झांकियों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विशाल बजरंगबली की झांकी और ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्त नाचते-गाते पूरे मार्ग में जय श्रीराम के जयकारे लगाते रहे। शोभायात्रा के दौरान नंदाष्टमी के डोले और दिव्य रथों ने कुमाऊनी संस्कृति व सनातन धर्म की झलक पेश की। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदीप बिष्ट, शैलेंद्र बाली, रविंद्र बाली और राधा आर्या भी मौजूद रहे।

शोभायात्रा में शामिल भगवान श्री राम का दरबार। ● अमृत विचार

रामलीला मैदान से निकाली गई शोभायात्रा में शामिल महिलाएं।। ● अमृत विचार

आज अयोध्या धाम रवाना होगी बस

हल्द्वानी : लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी की ओर से एक तीर्थयात्री बस मुखानी से प्रभु श्री राम के मंदिर अयोध्या धाम दर्शनों के लिए आज दोपहर दो बजे रवाना होगी। क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी एवं राखी अग्रवाल ने बताया कि महापौर गजराज बिष्ट एवं पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे नगराध्यक्ष मधुकर श्रोतिया और प्रदीप बिष्ट के सौजन्य से सभी यात्रियों को कुमाउंनी टोपी पहनाई जाएगी।

हल्द्वानी में कन्या पूजन करते मेयर गजराज सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

कन्याओं का पूजन, मेयर ने दिया समानता का संदेश

हल्द्वानी : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को मेयर गजराज बिष्ट ने नगर निगम परिसर में पर्यावरण मित्रों के परिवारों की 208 कन्याओं का विधिपूर्वक पूजन किया। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि नवरात्रि शक्ति के सम्मान और आदर का प्रतीक है। पर्यावरण मित्रों की कन्याओं का पूजन करना उनकी भूमिका को सम्मान देने के साथ ही समाज में समानता और समरसता का संदेश भी देता है। कार्यक्रम में पूर्व मेयर जोगेंद्रपाल सिंह रौतेला, मंडी परिषद अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर डब्बू, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज बिष्ट, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन उप्रेती, पार्षद तनुजा जोशी, प्रमोद पंत, बीना चौहान, अलका जीना, विजय लक्ष्मी चौहान, हिमांशु मिश्रा, चंपा नेगी, शांति भट्ट समेत अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राम नवमी पर निकाली हिन्दू संगठनों ने रैली

नैनीताल : राम नवमी पर नगर के विभिन्न हिन्दू संगठनों ने नगर में नगर में बाइक रैली निकाली। रैली में जय श्री राम सेवादल, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल रहे। दोपहर में मल्लीताल से रैली निकाली गई। हाथों में झंडे लिए हुए थे और जय श्री राम समेत नंदा मय्या के जयकारे लगा रहे थे। रैली मल्लीताल से सूखताल पहुंची। उसके बाद वापस मल्लीताल से मालरोड पहुंची। मालरोड तथा अंत में तल्लीताल से हनुमानगढ़ मंदिर तक पहुंची तथा वापस मल्लीताल फ्लैट्स में संपन्न हुई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती ने किया कन्या पूजन

हल्द्वानी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती की ओर से शहर की विभिन्न सेवा बस्तियों और बाल संस्कार केंद्रों में कन्या पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हरीपुर नायक बस्ती से हुई और इसके बाद राजपुरा, तीनपानी, जवाहर ज्योति, देवलचौड़ सहित कुल 10 बस्तियों में 100 से अधिक कन्याओं का पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं के पैर पखारकर तिलक लगाया और चुनरी ओढ़ाई। इसके बाद हलवा-पूरी का भोग लगाया गया। धनीराम, जिला अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी, जिला कार्यवाह राहुल जोशी, पार्षद धीरज पांडे व हिमांशु आदि उपस्थित रहे।

सेवा भारती की ओर से अष्टमी पर कन्या पूजन कार्यक्रम किया। ● अमृत विचार

51 महाआरती से गूंजा राम मंदिर, भक्तों में उत्साह

हल्द्वानी : नगर के प्राचीन व ऐतिहासिक रामचंद्र मंदिर में रामनवमी पर्व व भगवान रामचंद्र के जन्मोत्सव को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर सुबह से ही भक्तों की भीड़ और भक्ति भाव से सराबोर रहा। मंदिर व्यवस्थापक पंडित विवेक चंद शर्मा शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह 4 बजे भगवान राम की मंगला आरती, मंगल अभिषेक और भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद सुबह 8 बजे मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रभाकर जोशी ने मधुर संगीत के साथ सुंदरकांड पाठ और मंगल गीत प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। दोपहर 12 बजे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र की 51 महाआरती संपन्न कराई गई। इस अवसर पर पंचामृत व मिल्क केक का भोग लगाकर सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। पंडित शर्मा ने बताया कि आगामी 2 अप्रैल को प्रभु राम के परम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव भी मंदिर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम में पंडित गिरीश दुर्गापाल, रोहित ठाकुर, राकेश गर्ग, सुशील कुमार अग्रवाल, अमरनाथ जोशी, रिशु अग्रवाल, रजत गर्ग, विशेष पांडेय, रजत शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रामनवमी के दिन प्राचीन श्री राम मंदिर में महाआरती करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

शहर भक्ति में सराबोर, घर-घर हुआ कन्या पूजन

हल्द्वानी : चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के पावन अवसर पर सुबह से ही घरों, मंदिरों और देवी स्थलों पर धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हो गई। दिनभर शहर में सभी मंदिर जय माता दी के जयकारों से गुंजायमान रहा। अष्टमी के मौके पर घर-घर में कन्या पूजन की विशेष धूम रही। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से उनका पूजन किया। कन्याओं के चरण पखारे गए, माथे पर तिलक लगा कर उन्हें चुनरी ओढ़ाकर उनकी देवी के रूप में पूजा की गई। इसके बाद उन्हें हलवा-पूरी और काले चने का प्रसाद परोसा गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं का आशीर्वाद लेकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था और माता रानी का भव्य श्रृंगार किया गया। भक्तों ने माता को नारियल, फल-फूल और विशेष भोग अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और देवी जागरण जैसे धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी बड़ी संख्या में पूजा-अर्चना में शामिल हुए। अष्टमी के इस पावन अवसर पर पूरे शहर में श्रद्धा, विश्वास और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

गिरिजा मंदिर की ज्योत का डोला यात्रा को तैयार भक्त। ● अमृत विचार

मां गिरिजा की ज्योत का डोला निकला

रामनगर : अष्टमी-नवमी के मौके पर पर्वतीय जन जागृति प्रयास सेवा समिति रामनगर द्वारा 11वें विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसके तहत सुबह मां गिरिजा ज्योत यात्रा का शुभारंभ किया गया। यह यात्रा पैडपडाव रामनगर से शुरू होकर मां गिरिजा देवी धाम के लिए रवाना हुई और वहां विधि-विधान के साथ ज्योत प्रज्वलित कर वापस कार्यक्रम स्थल लाई गई। ज्योत यात्रा के दौरान मां गिरिजा देवी की भव्य झांकियां, डोला और ज्योत के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों भरतपुरी, टेड़ा रोड, पंपापुरी आदि इलाकों में शोभायात्रा निकाली गई। संस्था के सदस्य शिवा नेगी, दिनेश मेहरा ने बताया कि मां गिरिजा देवी ज्योत महोत्सव का यह 11वां आयोजन है, जो हर वर्ष और अधिक भव्य रूप लेता जा रहा है, उन्होंने बताया कि इस आयोजन के तहत मां गर्जिया धाम से ज्योत लाकर रामनगर में स्थापित की जाती है और इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में शोभायात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं तक मां का आशीर्वाद पहुंचाया जाता है। शिवा नेगी के अनुसार शाम को भव्य रात्रि जागरण का आयोजन किया जाएगा।

मैया की चौखट पर श्रद्धालुओं ने किया भजन कीर्तन

हल्दूचौड़ : चैत्र नवरात्र की अष्टमी के अवसर पर घरों और मंदिरों में कन्या पूजन, हवन अनुष्ठान और पूजा पाठ हुए। श्रद्धालु नौ कन्याओं को भोजन कराकर और उन्हें उपहार भेंटकर मां का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। बेरीपड़ाव स्थित अष्टादशभुजा श्री महालक्ष्मी मंदिर में आज सुबह से ही भजन कीर्तन के साथ पूरे मंदिर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर में श्रद्धालुओं ने माता के भिन्न-भिन्न भजन गाकर आस्था का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वर जी द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पंडित खजान पंत ने संस्कारों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य रूप से उमेश वैष्णव, अंजलि तिवारी, हिमांशु तिवारी, आर्यन तिवारी, नीमा जोशी, कमला देवी, निर्मला पांडे, निशा पाठक, सीता डसीला, दया भट्ट, भावना पांडे सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अष्टादशभुजा श्री महालक्ष्मी मंदिर बेरीपड़ाव में भजन-कीर्तन करतीं महिलाएं।

मां जगदंबा मंदिर में कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

जगदंबा मंदिर में भावपूर्ण रामकथा

हल्द्वानी : जगदंबा मंदिर के 41वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित रामकथा का सातवां दिन गुरुवार को भावपूर्ण रहा। ब्यास डा. मनोज पांडे ने सुग्रीव के राज्याभिषेक से लेकर सुन्दरकाण्ड में हनुमान जी के बल, बुद्धि और भक्तिभाव का सजीव वर्णन किया। ब्यास पांडे ने कहा कि भगवान हनुमान के चरित्र से यह सीख मिलती है कि अभिमान रहित होकर श्रद्धा और भक्तिभाव से किए गए कार्य सफल होते हैं। उन्होंने सुन्दरकाण्ड में हनुमान जी की लंका यात्रा, अशोक वाटिका में सीता माता से भेंट, रावण द्वारा बांधने और लंका दहन की कथा को विस्तार से सुनाया। इसके साथ ही समुद्र में सेतु बंधन की घटना का वर्णन कर पंडाल में उपस्थित सैकड़ों भक्तों को भावविभोर कर दिया। यज्ञ का पारायण 28 मार्च को संपन्न होगा। बृहस्पतिवार की सुबह मंदिर परिसर में डा. भुवन चंद्र त्रिपाठी के संरक्षण में यज्ञाचार्य खष्टाबल्लभ पाठक ने मंत्रोचारण के साथ आह्वान, स्थापन और नित्य पूजन संपन्न हुआ। यजमानों ने गायत्री यज्ञ में आहुति दी। इस अवसर पर मुख्य यजमानों में विमल कुमार पांडे, सह यजमान पुष्कर डसीला, निर्मल तिवारी, मनीष जोशी, अभिषेक लटवाल, मुकेश भट्ट, लीलाम्बर पाठक आदि शामिल रहे।

चांदनी चौक गरवाल में अष्टमी-नवमी पर कन्या पूजन के बाद प्रसाद ग्रहण करतीं कन्याएं।

कैबिनेट मंत्री कैड़ा का भव्य स्वागत किया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार हल्द्वानी पहुंचे राम सिंह कैड़ा का स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता ने स्वागत किया। लामाचौड़ के भाखड़ा से भाजपा कार्यालय तक जगह-जगह उनके अभिनंदन ने पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना दिया।

छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले राम सिंह कैड़ा का कैबिनेट मंत्री पद पर आने पर युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। जगह-जगह फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर राम सिंह कैड़ा ने केंद्रीय नेतृत्व और पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के विकास कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं को गांव-गांव, घर-घर और गली-गली तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, युवा और स्थानीय लोग शामिल हुए, जिन्होंने मंत्री का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार हल्द्वानी आगमन पर स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

रामनगर में निकली माता की शोभायात्रा

रामनगर : दुर्गा अष्टमी व रामनवमी पर नगर में हर्षोल्लास का माहौल देखने को मिला। इस दौरान घरों में विधि-विधान से कन्या पूजन संपन्न हुआ और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। नगर में माता की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकली, जिसका जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

यात्रा में शामिल झांकियां और बैंड लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। दुर्गा अष्टमी और नवमी के एक साथ पड़ने के कारण सुबह से ही कन्या पूजन शुरू हुआ, जो शाम तक चलता रहा। उदयव्यापिनी नवमी शुक्रवार सुबह 10:04 बजे तक है, और इस दिन भी कन्या पूजन का आयोजन होगा। रामनवमी पर श्री बालाजी मंदिर, कोसी घाट से माता एवं उनके संपूर्ण दरबार की शोभायात्रा निकाली गई।

सात हजार फार्म बांटे गए, जमा हुए एक हजार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार बनभूलपुरा में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए डोर टू डोर व छह कैंपों से सात हजार फार्म वितरित किए गए हैं हालांकि अभी तक सिर्फ एक हजार ही फार्म जमा हुए हैं। हालांकि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का अनुमान है कि 31 मार्च तक इसमें इजाफा हो सकता है।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रदीप मणि त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण में छह सार्वजनिक स्थानों पर कैंप लगाकर पीएम आवास योजना के फार्म वितरण व जमा किया जा रहा है। प्रभावितों को इस योजना के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर वितरण व कैंपों से करीब सात हजार से अधिक फार्म बांटे गए हैं। इसके सापेक्ष सिर्फ एक हजार से अधिक फार्म जमा हुए हैं। आवेदन फार्म भरना एवं जमा करना कठिन प्रक्रिया है, इसमें अत्यधिक दस्तावेज व सूचनाएं देनी हैं, आशंका है कि इसी वजह से फार्म जमा करने की गति कम है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 31 मार्च तक आवेदन जमा होंगे, तब संख्या बढ़ सकती हैं। कहा कि एसएलएसए, प्रशासन, नगर निगम का प्रयास है कि इस तिथि तक ही सभी फार्म जमा करवा लें, जरूरत पड़ी तो एक-दो दिन कैंपों की अवधि बढ़ाई जा सकती है। एसएलएसए सचिव ने बताया कि जनता की सहूलियत के लिए सभी कैंपों में नोटरी अधिवक्ता नियुक्त किए गए हैं। साथ ही स्टांप शुल्क, आवेदन फार्म जमा करने के लिए भी कर्मी हैं जो मदद कर रहे हैं। उन्होंने पार्षद मोकिन की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनता के फार्म भरवाने में मदद कर रहे हैं, उन्होंने अन्य जनप्रतिनिधियों से भी लोगों को फार्म भरने के लिए प्रेरित करने को कहा ताकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन हो सके।

बनभूलपुरा लाइन न.17 प्राइमरी स्कूल में लगे कैंप में अपने फार्म जमा करते लोग।

31 के बाद होगा सोशल और आर्थिक ऑडिट

हल्द्वानी : राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव त्रिपाठी ने बताया कि 31 मार्च को फार्म जमा होने के बाद संबंधित विभाग इन फार्मों की स्क्रूटनी करेंगे। इसके अलावा इन सभी प्रभावितों का सोशल व फाइनेंशियल रिपोर्ट भी देनी है, 31 मार्च को आवेदन फार्म जमा होने के बाद इसके लिए रणनीति बनाई जाएगी। फिलहाल अभी ध्यान आवेदन फार्म जमा करने पर है।

जमरानी बांध अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र नेगी ने गुरुवार को जमरानी बांध का लिया जायजा

बाधा बन रहे 1090 वृक्ष, काटने के लिए जिला प्रशासन करेगा पैरवी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एडीएम शैलेंद्र नेगी ने प्रस्तावित जमरानी बांध का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न निर्माण की गुणवत्ता के साथ ही वन्य जीव संरक्षण के लिए बनाए जा रहे एलिफेंट स्टेप्स, रेप्टाइल क्रॉसिंग व अन्य विशेष प्रावधानों का भी निरीक्षण किया।

एडीएम ने जमरानी बांध प्रोजेक्ट में नहर निर्माण का जायजा लिया। प्रोजेक्ट के कमांड एरिया में सिंचाई क्षमता के विस्तार को नहरों के रिमॉडलिंग, पुनर्निर्माण गतिमान है। उन्होंने 15 किमी लंबी हरिपुरा फीडर नहर के निर्माण देखा। नहर में बन रहे रेगुलेटर वर्क, प्रोटेक्शन वर्क, फॉल और क्रॉस ड्रेनेज की तकनीकी गुणवत्ता की समीक्षा की। वन्यजीव संरक्षण के लिए बनाए जा रहे एलिफेंट स्टेप्स, रेप्टाइल क्रॉसिंग व अन्य विशेष प्रावधानों का भी निरीक्षण किया गया। पर्यावरण और विकास के बीच समन्वय की सराहना की। प्रोजेक्ट टीम ने बताया कि वन क्षेत्र में प्रभावित होने वाले वृक्षों के सापेक्ष 10 गुना पौधे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रोजेक्ट यूनिट भी नहर के दोनों ओर पौधरोपण करेगी। इस दौरान सामने आया कि नहर के तल और पैरापिट पर लगभग 1090 पेड़ उगे होने से पुनर्निर्माण बाधित हो रहा है, जबकि इन पेड़ों के पातन की अनुमति का प्रकरण शासन स्तर पर विचाराधीन है। एडीएम ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं के त्वरित निस्तारण को प्रयास किए जाएंगे ताकि 15 किमी की पूर्ण लंबाई में ससमय निर्माण हो सके। डीजीएएम ललित कुमार, परियोजना प्रबंधक मो. शाहनवाज रहे।

नहर निर्माण का जायजा लेते एडीएम शैलेंद्र नेगी। ● अमृत विचार

गौलापार व गौलावार नहर हैं मुख्य नहरें

हल्द्वानी : जमरानी बांध बहुद्देश्यीय परियोजना काठगोदाम बैराज से 10 किमी अपस्ट्रीम में गौला नदी पर प्रस्तावित है। इसका निर्माण वर्ष 2024 में शुरू हो चुका है। काठगोदाम बैराज के बाईं ओर गौलापार नहर और दाईं ओर गौलावार मुख्य नहर निकलती है जिनसे हल्द्वानी व आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई होती है। जमरानी बांध प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कॉलटैक्स चौराहे से निकलने वाली गौलावार फीडर नहर हल्द्वानी शहर से होते हुए बरेली रोड इंडेन गैस प्लांट तक जाती है। जहां से हरिपुरा फीडर नहर और पाहा फीडर नहरें निकलती हैं। हरिपुरा फीडर नहर हरिपुरा बौर जलाशय की ओर जाती है और पाहा फीडर नहर किच्छा बैराज की ओर जाती है। उत्तर प्रदेश राज्य के साथ हुए एमओयू के क्रम में हरिपुरा जलाशय से जिला रामपुर और किच्छा बैराज से जिला बरेली को सिंचाई के लिए जमरानी बांध से पानी भेजा जाना है। इस बांध के निर्माण के पश्चात नैनीताल, ऊधम सिंह नगर, बरेली एवं रामपुर में 57,065 हेक्टयेर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई किए जाने का लक्ष्य रखा है।

नहरों की रिमॉडलिंग एंड रिनोवेशन शुरू

सिंचाई उद्देश्य को पूरा करने के लिए काठगोदाम बैराज से निकलने वाली मुख्य नहरों की रिमॉडलिंग एंड रिनोवेशन शुरू हो गया है जिसमें गौलावार मुख्य नहर 1.1 किमी गौलावार फीडर नहर 16.3 किमी हरिपुरा फीडर नहर 15 एवं पाहा फीडर नहर 8.42 किमी का काम प्रगति पर है। इन नहरों की कुल लंबाई 40.82 के सापेक्ष वर्तमान तक 17.38 किमी में काम पूरा हो चुका है।

हल्द्वानी में शक्तिकेंद्र स्तरीय बैठक को संबोधित करते विधायक बंशीधर भगत।

भाजपा की नीतियां घर-घर तक पहुंचाएं : भगत

हल्द्वानी : विधायक बंशीधर भगत ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान एवं संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बिष्ट धड़ा तथा लामाचौड़ में शक्तिकेंद्र स्तरीय बैठकें कीं। इसमें जनता ने बुनियादी जरूरतों की समस्याएं उठाईं। जिस पर विधायक ने इन समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। विधायक भगत ने संगठनात्मक बैठक में कहा कि भाजपा का आधार कार्यकर्ता हैं, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा प्रदेश में हो रहे ऐतिहासिक विकास कार्यों की जानकारी आम जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाने, संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान सुरेश गौड़, संदीप सनवाल, दीपक सनवाल, दिगंबर भोजक, प्रकाश पटवाल, बीडीसी सदस्य लक्ष्मी चौरसिया, ग्राम प्रधान परमजीत कौर, रेखा आर्या, महेश भगत आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

चोरों ने बोला धावा, घर से उड़ाए लाखों के जेवर

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में चोरों ने एक घर पर धावा बोलकर लाखों रुपये कीमत के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार रुद्रा बिहार कॉलोनी निवासी निशांत सिंह ने बताया कि 12 मार्च को उसके भाई जगविंदर सिंह की मौत हो गई थी और घर पर सास जोगेंद्र कौर भी आई हुई थी। 21 मार्च को भाई का दसवां था तो उसने पत्नी और बच्चों को अपनी ससुराल गांव भेज दिया। जिसका फायदा उठाते हुए 20 मार्च की सुबह चोरों ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बीस हजार की नगदी, चांदी की पायल, एक सोने का टॉप्स चोरी हो चुका था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दोस्त ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेच दी इनोवा

रुद्रपुर : ऊधमसिंह नगर जिले के किच्छा क्षेत्र में दोस्ती को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपने ही दोस्त के नाम पर फाइनेंस कराई गई कार को फर्जी दस्तावेजों के सहारे केरल में बेच दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। माता फार्म नजीमाबाद (किच्छा) निवासी जसवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके दोस्त शिवम नागपाल ने उनकी मुलाकात रुद्रपुर की फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी ध्रुव दुआ से कराई थी। ध्रुव ने जसवीर को झांसा दिया कि यदि वह उसे गाड़ी फाइनेंस करवा कर दे, तो वह उसे कंपनी में लगाकर उसकी किस्तें चुकाता रहेगा। दोस्त पर भरोसा कर जसवीर ने महिंद्रा फाइनेंस से इनोवा क्रिस्टा फाइनेंस कराकर ध्रुव को सौंप दी।

ढोल-नगाड़ों के साथ निकला मां का डोला

अटरिया मंदिर में मां की प्रतिमा स्थापित करने के साथ शुरू हुआ मेला, डोले का जगह-जगह हुआ स्वागत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः रुद्रपुर में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी को रम्पुरा स्थित मंदिर से मां अटरिया देवी के डोले की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। ढोल नगाड़ों के बीच देवी-देवताओं की झांकियों के साथ डोला अटरिया मंदिर पहुंचा। मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद माता की प्रतिमा को मंदिर में स्थापित किया। इसके साथ ही अटरिया मेले का शुभारंभ हुआ। इस दौरान मां के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो गया।

गुरुवार को रम्पुरा स्थित मंदिर से हवन और पूजा अर्चना के बाद करीब 11 बजे मां अटरिया का डोले की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। यहां से शुरू हुई शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी। इस दौरान शोभायात्रा में भगवान शंकर, राधा-कृष्ण की झांकियों और गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा किच्छा मार्ग, इंदिरा चौक, डीडी चौके होते ही जगतपुरा स्थित मां अटरिया मंदिर पहुंची।

जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मां के डोले पर पुष्प वर्षा की और डोले में विराजमान मां के दर्शन किए। दोपहर करीब एक बजे मां का डोला अटरिया मंदिर पहुंचते ही वहां डोले के इंतजार में खड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ मां का स्वागत किया।

मां अटरिया की पालकी को कंधा देते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

कन्याओं से आशीर्वाद लेते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

पूर्व विधायक ने कन्याओं का पूजन कर लिया आशीर्वाद

रुद्रपुर : चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने अपने निवास पर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ कन्या पूजन किया। इस दौरान उन्होंने विधि विधान से नौ कन्याओं का पूजन कर उनके चरण धोये और उन्हें भोजन कराकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान राजकुमार ठुकराल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्याओं को साक्षात देवी का स्वरूप माना गया है। नवरात्र के पावन पर्व पर कन्या पूजन का विशेष महत्व है, जिससे समाज में नारी शक्ति के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव जागृत होता है।

इसके बाद मंत्रोच्चारण के बाद माता की प्रतिमा को मंदिर में स्थापित किया गया। अटरिया देवी वैष्णो धर्म सभा की अध्यक्ष व महंत पुष्पा देवी ने बताया कि रम्पुरा से भव्य तरीके से गाजे बाजे के साथ मां का डोला प्राचीन अटरिया मंदिर में लाया गया।

मंदिर में कन्याओं का पूजन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

मां के जयकारों से गूंज उठे शहर के देवी मंदिर

रुद्रपुर : नवरात्रि अष्टमी और नवमी को सुबह से मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गयी थी। साथ ही श्रद्धालुओं ने रामनवमी पर देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन किया और भोजन कराया। मंदिरों में देवी के उद्घोष से वातावरण देवीमयी हो गया। मंदिर में लगी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। गुरुवार को अष्टमी और नवमी पर शहर के मुख्य पांच मंदिर, दुर्गा मंदिर, शिव शक्ति मंदिर के अलावा वार्ड में स्थित मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गयी थी। इसके अलावा जगतपुरा स्थित प्राचीन अटरिया मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता रहा और देवी भक्तों ने मां अटरिया की आराधना की। वहीं प्रसाद का वितरण किया। वहीं पांच मंदिर में रामनवमी का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान श्री राम कथा का आयोजन चिकित्सक अनिल दीक्षित के सहयोग से पहली नवरात्रि से रामनवमी तक हुआ। वृंदावन से पधारे कथा व्यास राजन दीक्षित ने अपनी मधुर कथा से जनमानस को भावविभोर किया। इस अवसर पर सभा के श्री सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष महेश बब्बर, नंद लाल भुट्टी, उपाध्यक्ष विजय जग्गा, तिलक राज घई, विजय विरमानी मौजूद रहे।

शोभा यात्रा में शामिल हुए विधायक शिव अरोरा

रुद्रपुर : मां अटरिया की शोभायात्रा के दौरान विधायक शिव अरोरा भी शामिल हुए। साथ ही डोले को उठाकर अटरिया मंदिर पहुंचे और मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि इस वर्ष त्रिशूल चौक से अटरिया मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। अगली बार जब मां अटरिया का भव्य डोला निकलेगा तब तक यह सड़क चौड़ीकरण का कार्य संपन्न हो चुका होगा। इससे मार्ग पर जाम लगने की समस्या से निजात मिलेगी। इस दौरान गिरीश पाल, नाथूलाल गुप्ता, गीता शर्मा, सौरभ गुप्ता, शुभम, वीरेंद्र शर्मा, सुग्रीम राव, मनोज मदान, राधेश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

रामनवमी पर्व पर विहिप ने शोभायात्रा निकाली

रामनवमी पर रुद्रपुर में शोभायात्रा निकालते विहिप पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः रामनवमी के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू परिषद की ओर से रुद्रपुर नगर में राम उत्सव शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। शोभा यात्रा रामलीला मैदान से डीडी चौक, अग्रसेन चौक, बाटा चौक, मेन बाजार, गल्ला मंडी, काशीपुर हाईवे, त्रिशूल चौक, डीडी चौक होते हुए वापस रामलीला मैदान में संपन्न हुई। इस दौरान श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा। इससे पूर्व श्री रामलीला मैदान में एक सभा का आयोजन हुआ।

गुरुवार को आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता रामकृष्ण श्रीवास्तव ने प्रभु श्रीराम के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों से प्रभु श्री राम चंद्र की विचारधारा को अपनाने को कहा। साथ ही भारतवर्ष में हिंदू राष्ट्र की मांग के प्रयास को गति देने और

● प्रभु श्रीराम की विचारधारा को अपनाने का किया आह्वान

भगवान राम के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया की हिंदू समाज को जागृत करने के लिए विश्व हिंदू परिषद कई प्रकार के कार्य करता है। इसमें लव जिहाद, लैंड जिहाद एवं गौ रक्षा के कार्य आदि शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रविंद्र पाल सिंह, जिला मंत्री राजेंद्र सिंह मेहरा, सुल्तान सिंह, वीरेंद्र यादव, रमेश सिंह बिष्ट, अंशु श्रीवास्तव, विद्धोलता वाष्र्णेय, अर्चना सिंह, शैली बंसल, विनय कर्नाटक, भुवन जोशी, शिवशंकर गुप्ता, बिट्टू शर्मा, गौरव मिश्रा, प्रिंस कोली, सचिन शर्मा, यश चौहान, बबीता मंडल, कल्पना सक्सेना, शिवा बेनीवाल, सुधीर देवल, बंटी राजोरिया, सुदेव दास गुप्ता, अजय पाल, जयंत मंडल आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत दिनेशपुर

वार्ड नं०-02, कालीनगर रोड, दिनेशपुर (ऊधम सिंह नगर) 263160

E-mail: eodin-mb-uk@nic.in Phone-9410302603

पत्रांक : 795/कर उप०वि०/2025-2026 दिनांक : 12/03/2026

सार्वजनिक सूचना

नगर पंचायत दिनेशपुर, (ऊधम सिंह नगर) सम्पत्ति कर उपविधि 2026

राज्यपाल, उत्तराखण्ड / (उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916) (अनुकूल एवं उपान्तरण आदेश 2002) की धारा 128, 140,141,141क, 141ख, 142, 143, 144, 145,148,153 एवं 296 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उक्त अधिनियम की धारा 300 की उपधारा (1) की अपेक्षा अनुसार निम्नलिखित नियमावली का गठन कर पूर्व प्रकाशित कराते है, अर्थात-

'उत्तराखण्ड नगर पालिक परिषद् एवं नगर पंचायत (संपत्तिकर) नियमावली, 2021'

उक्त शासनादेश उत्तराखण्ड शहरी शासन विकास अनुभाग-2 संख्या-785/IV (2)-श०वि०-2021-22 (सा०) / 2020 देहरादूनः दिनांक 13 जुलाई, 2021 जारी अधिसूचना के क्रम में नगर पंचायत दिनेशपुर की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव संख्या 22 (1) दिनांक 14/05/2025 को सर्वसहमति से शासन के निर्देशानुसार सर्किल रेट के आधार पर गृहकर आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों पर मलकियत पर 0.05 प्रतिशत वसूल किया जायेगा।

साथ पठित 298 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत दिनेशपुर वर्तमान में प्रचलित उपविधि के स्थान पर निम्नलिखित सम्पत्ति कर उपविधि बनाने का प्रस्ताव करती है। अतः नगर पंचायत दिनेशपुर क्षेत्र के परिधि में आने वाली सामान्य जनता या फिर जिस पर इस अधिरोपित कर का प्रभाव पडने वाला है, उनसे आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किये जाते है। लिखित आपत्ति एवं सुझाव इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिन के भीतर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत दिनेशपुर को सम्बोधित करते हुए नगर पंचायत कार्यालय में प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों एवं सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

परिभाषा-

1- यह उपविधि नगर पंचायत दिनेशपुर सम्पूर्ण सीमा के अन्तर्गत सम्पत्ति कर (निर्धारण एवं वसूली) उपविधि 2026 कहलायेगी, जो गजट के प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

(क) अधिनियम- अधिनियम का तात्पर्य उत्तरप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1916 (यथा प्रवृत्त उत्तराखण्ड) से है।

(ख) नगर पालिका सीमा से तात्पर्य - नगर पंचायत दिनेशपुर की सीमा जो शासन द्वारा निर्धारित क्षेत्र से है।

(ग) अधिशासी अधिकारी - अधिशासी अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत दिनेशपुर के अधिशासी अधिकारी से है।

(घ) अध्यक्ष- अध्यक्ष का तात्पर्य नगर पंचायत दिनेशपुर के निर्वाचित अध्यक्ष से है।

(ड) प्रशासक / प्रभारी अधिकारी से तात्पर्य - उत्तराखण्ड शासन द्वारा नियुक्त प्रशासन / प्रभारी अधिकारी से है।

(च) बोर्ड- बोर्ड का तात्पर्य नगर पंचायत दिनेशपुर के निर्वाचित बोर्ड से है।

(छ) आच्छादित क्षेत्रफल - आच्छादित क्षेत्रफल से तात्पर्य भवन / भूमि द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल से है। बहुमंजिला भवन की दशा में भवन के प्रत्येक तल द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल को जोडने पर प्राप्त कुल क्षेत्रफल से है।

2- नगर पंचायत दिनेशपुर की सीमा के अन्दर स्थित सभी भवन का पूँजीगत मूल्य, जो कि भवन के आच्छादित क्षेत्रफल को भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के प्रयोजनार्थ कलैक्टर द्वारा निर्धारित सर्किट रेट/निर्माण की दर जो प्रचलन में हो, से गुणा करने पर प्राप्त मूल्य (वार्षिक मूल्य) के आधार पर सम्पत्ति कर की गणना की जायेगी।

03- सम्पत्ति कर की दरे निम्नानुसार निर्धारित की गयी है।

क्र० स०	सम्पत्ति का प्रयोजन		सम्पत्ति कर की दर (गुणक)
1	भवन	आवसीय भवन	0.05 प्रतिशत
		बहुमंजिला इमारत में स्थित फ्लैट	0.05 प्रतिशत
2	सरकारी कार्यालय		0.05 प्रतिशत
3	व्यावसायिक		0.05 प्रतिशत
क	धर्मशाला, आश्रम, नॉन प्रोफिट समाज सेवी संस्थान		0.05 प्रतिशत
ख	होटल	10 कमरे तक	0.05 प्रतिशत
		10 कमरे से अधिक	0.05 प्रतिशत
ग	मॉल्स, शॉपिग कॉम्प्लैक्स बैंक / वित्तीय संस्थान, बीमा कम्पनी		0.05 प्रतिशत
घ	शोरुम (ऑटो मोबाईल), बार/ शराब की दुकान		0.05 प्रतिशत
ड.	कार्यालय, कोचिंग एवं प्रशिक्षण संस्थान, ए०टी०एम		0.05 प्रतिशत
च	दुकाने / ऑफिस / शोरुम	100 वर्ग फिट तक	0.05 प्रतिशत
		100 वर्ग फिट से अधिक	0.05 प्रतिशत
छ	ढाबा/रेस्टोरेन्ट	20 सीट क्षमता तक	0.05 प्रतिशत
		20 सीट से अधिक	0.05 प्रतिशत
ज	क्लीनिक/अस्पताल/नर्सिंग होम पॉलीक्लीनिक, डाईग्नोस्टिक सेन्टर, पैथोलोजी सेंन्टर, मेडिकल स्टोर, प्रयोगशालायें, स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र, फिजियोथैरेपी सेंन्टर केन्द्र आदि		0.05 प्रतिशत
झ	क्रीडा केन्द्र जिम, शारीरिक स्वास्थ्य केन्द्र, फिटनेस केन्द्र मनोरंजन केन्द्र, थियेटर और सिनेमा केन्द्र		0.05 प्रतिशत
	प्राईवेट स्कूल/कॉलेज, होस्टल / पी०जी०		0.05 प्रतिशत
ट	पेट्रोल पम्प (भूमिगत टैंक सहित) / गैस एजेन्सी डिपो		0.05 प्रतिशत
ठ	सामुदायिक भवन, विवाह घर, गोदाम, क्लब आदि		0.05 प्रतिशत
ड	भवन मय मोबाईल टावर राज्य सरकार के वैसे सभी प्रतिष्ठान और उपक्रम जो वाणिज्यिक व्यवसायिक वित्तीय गतिविधियो में संलग्न है		0.05 प्रतिशत
ढ	औद्योगिक इकाईयों लघु मध्यम वृहद		0.05 प्रतिशत
ण	भूमि जिस पर व्यवसायिक गतिविधि हो		0.05 प्रतिशत
त	समस्त प्रकार के अनावासिक भवन जो उपरोक्त श्रेणियो के अन्तर्गत न आते हो।		0.05 प्रतिशत

04- सम्पत्ति कर का निर्धारण निम्नानुसार किया जायेगा।

- आवासीय भवन का न्यूनतम सर्किल रेट-9000 रू० प्रति वर्ग मी० निर्धारित किया गया है।
- गैर आवासीय समस्त प्रकार के भवन का न्यूनतम सर्किल रेट मुख्य मार्ग से 50 मी० की दूरी तक 28000 रू० प्रति वर्ग मी० निर्धारित किया गया है।
- सम्पत्ति कर = भवन द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल (वर्ग मी०) x सर्किल दर x सम्पत्ति कर की दर (गुणक)

05- मिश्रित भवन (आवासीय एवं अनावासीय) की दशा में व्यवसायिक प्रयोग वाले भाग पर व्यवसायिक दर तथा आवासीय प्रयोग वाले भाग पर आवासीय दर के अनुसार सम्पत्ति कर निर्धारित किया जायेगा।

06- सम्पत्ति कर निर्धारित सूची (रजि०) में निम्न सूचनाये दर्शायी जायेगीं।

1-भवन स्वामी का विवरण-
2-पिछला संदर्भ भवन सं०-
3-वार्ड का नाम भवन सं०-
4-मौहल्ले का नाम-
5-भूमि की श्रेणी (नजूल /फी-होल्ड/भूमिधरी)-
6- सम्पत्ति का प्रकार (आवासीय / अनावासीय / मिश्रित)-
7-सम्पत्ति का आच्छादित क्षेत्रफल-
8-सम्पत्ति का वार्षिक मूल्यांकन-
9-सम्पत्ति कर

07- सम्पत्ति कर का निर्धारण प्रत्येक पांच वर्ष में 01 बार किया जायेगा। पांच वर्ष के बीच यदि किसी वर्ष सम्पत्ति के क्षेत्रफल / प्रयोजन में परिवर्तन होता है तो उस सम्पत्ति का पुनः मूल्यांकन किया जायेगा, उक्त पुनः मूल्यांकन का ब्यौरा पृथक रजिस्टर में अंकित किया जायेगा।

08- सम्पत्ति कर निर्धारण हेतु फील्ड सर्वे किया जायेगा। सर्वे में भवनकर निर्धारण सूची हेतु उल्लेखित समस्त सूचनाये एक प्रपत्र में एकत्र की जायेगी। सूचना एकत्र के पश्चात पालिका के कर एवं राजस्व निरीक्षक स्तर अन्यून श्रेणी के कार्मिक / अधिकारी द्वारा कर निर्धारण किया जायेगा। अध्यक्ष / अधिशासी अधिकारी द्वारा कर निर्धारण सूची को अन्तिम रुप से अधिप्रमाणित किया जायेगा।

09- सम्पत्ति कर निर्धारण के सम्बन्ध में प्राप्त आपत्तियो पर सुनवाई / निस्तारण बोर्ड / समिति के स्तर से किया जायेगा। समिति में अधिशासी अधिकारी, सम्बन्धित वार्ड मेम्बर तथा अध्यक्ष सम्मिलित होंगे।

10- बोर्ड के कार्यकाल में न होने पर प्रशासक / अधिशासी अधिकारी द्वारा कर निर्धारित सूची को अन्तिम रुप से अधिप्रमाणित किया जायेगा, तथा भवनकर निर्धारण के संबंध में प्राप्त आपत्ति की सुनवाई प्रशासक /अधिशासी अधिकारी के स्तर से की जायेगी।

11- यदि किसी भवन स्वामी / भवनकर दाता द्वारा सर्वे में गलत सूचना दी जाती है तो उस पर निम्नानुसार शास्ति आरोपित की जायेगी।

- 200 वर्ग मी० तक आच्छादित क्षेत्रफल वाले भवन पर वास्तविक कर निर्धारण व त्रुटिपूर्ण कर निर्धारित के अन्तर के बराबर शास्ति आरोपित की जायेगी।
- 200 वर्ग मी० से अधिक आच्छादित क्षेत्रफल वाले भवन पर वास्तविक कर निर्धारण व त्रुटिपूर्ण कर निर्धारित के अन्तर के दोगुना के बराबर शास्ति आरोपित की जायेगी।

12- सम्पत्ति कर प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक बार लिया जायेगा। प्रत्येक वित्तीय वर्ष में सम्पत्ति कर जमा करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च होगी।

13- सम्पत्ति कर की दरे प्रत्येक पांच साल वर्ष में पुर्ननिर्धारित की जा सकेगी। सम्पत्ति कर की दरों में परिवर्तन का अधिकार बोर्ड / प्रशासक को होगा।

14- सम्पत्ति कर से निम्न प्रकार की सम्पत्तियो को छूट होगी।

- धार्मिक स्थल
- सरकारी स्कूल, मदरसा
- नगर पंचायत दिनेशपुर के कार्यालय आवास व अन्य सम्पत्तियाँ।
- सरकारी अस्पताल / प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

नोटः धार्मिक स्थलो द्वारा व्यवसायिक प्रयोजन में प्रयुक्त दुकानो को सम्पत्ति कर से छूट नहीं दी जायेगी। सरकारी अस्पतालो व थाना द्वारा आवासीय / व्यवसायिक प्रयोजन में प्रयुक्त भवनों को सम्पत्ति कर से छूट अनुमन्य नहीं होगी।

15- सम्पत्तियों के दाखिल खारिज सम्बन्धी प्रकरणो में दा०खा० शुल्क का निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है।

क्र० स०	दा० खा० का आधार	शुल्क
1	विरासतन/वसीयत के आधार पर	1000=00
2	परिवारिक रजिस्ट्र्डدانناما	2000=00
3	गृहकर नामान्तरण हेतु समाचार पत्र में प्रकाशन अनिवार्य होगा।	2000=00
4	रजिस्ट्री बैनामा / गैर पारिवारिक दाननामा के आधार पर सम्पत्ति के मूल्यांकन का 2 प्रति० निर्धारित किया गया है।	

16- सम्पत्तियों के स्वामित्व / अधिकार परिवर्तन के आधार पर किये जाने दाखिल खारिज सम्बन्धी आदेश जारी करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी / प्रभारी अधिकारी/अध्यक्ष में निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत दिनेशपुर
ऊधम सिंह नगर।

अध्यक्ष
नगर पंचायत दिनेशपुर
ऊधम सिंह नगर।

ब्रीफ न्यूज

सरस्वती एकेडमी में दी एडमिशन कम स्कॉलरशिप परीक्षा

खटीमा : सरस्वती एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिगराबाग में "एडमिशन कम स्कॉलरशिप परीक्षा" का आयोजन किया गया। परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना था। चेयरपर्सन ज्योति पाल और प्रधानाचार्य रामयश के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में यह संपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा में कुल 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चेयरपर्सन पाल ने बताया कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शतप्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

भाजपा सरकार ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ

किच्छा : वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी संजीव कुमार सिंह ने उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष के

संजीव सिंह।

कार्यकाल को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। संजीव सिंह ने समान नागरिक संहिता और नकल विरोधी कानून जैसे कड़े फैसलों की सराहना करते हुए कहा कि ''लखपति दीदी'' योजना से 2.5 लाख महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। उन्होंने अटल आयुष्मान योजना, सैनिकों हेतु अनुग्रह राशि में वृद्धि और अतिक्रमण मुक्त अभियान को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार जनकल्याण और स्वरोजगार के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

4.03 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

सितारगंज : कोतवाली पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को गश्त के दौरान ग्राम नकटपुरा में संदिग्ध हालत में भाग रहे वार्ड नंबर 12 निवासी मो. जीशान को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 4.03 ग्राम हेरोइन और नशे की बिक्री से कमाए गए 14,800 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में जीशान ने कबूल किया कि वह स्थानीय युवाओं को नशा बेचता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खटीमा के सुरई ईको ट्यूरिज्म वन रेंज में जंगल सफारी पर भ्रमण करते बच्चे।

जीआईसी चारुबेटा के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

खटीमा : राजकीय इंटर कॉलेज चारुबेटा के विद्यार्थियों ने सुरई इको टूरिज्म वन रेंज में आयोजित जंगल सफारी के दौरान प्रकृति और वन्यजीवन का अद्भुत अनुभव प्राप्त किया। प्रधानाचार्य राम नारायण वर्मा के नेतृत्व में शैक्षिक भ्रमण का निकले बच्चों ने सुरई रेंज के जंगल का भ्रमण कर न केवल आनंद उठाया बल्कि विभिन्न जानकारियां हासिल की। प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बागड़ी, उप प्रभागीय वनाधिकारी संचिता वर्मा, वन क्षेत्राधिकारी राजेंद्र मनराल, उप वन क्षेत्राधिकारी सुंदरलाल वर्मा, सुखविंदर सिंह ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर शिक्षक रावेंद्र कुमार रवि, हरिओम पारखी, रामानंद सिंह, बबीता विश्वकर्मा, सूरज कुशवाहा के साथ 10वीं से 12वीं तक के 94 छात्र-छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण किया।

कुलपति बोले-नवाचारों से सशक्त हो रहा ग्रामीण भारत, विवि में एजी टेक्नोथॉन 2026 का आयोजन

जीबी पंत और पड्र्यू विवि के मध्य हुआ एमओयू

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः विकसित भारत अभियान के तहत गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में एजी टेक्नोथॉन 2026 का सफल आयोजन किया गया। इसमें 24 टीमों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर और अमेरिका के पुरड्यू यूनिवर्सिटी के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ.लोकेश वार्ष्णेय के नेतृत्व में किया गया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान कृषि एवं ग्रामीण भारत से संबंधित विभिन्न नवाचारपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने कृषि तकनीक, सतत खेती, मूल्य संवर्धन, ग्रामीण उद्यमिता और डिजिटल कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने मॉडल एवं समाधान प्रस्तुत किए। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद 10 उत्कृष्ट टीमों का चयन किया गया, जिन्हें आगे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद दिखाते कुलपति व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान रहे, जिन्होंने छात्रों के अभिनव विचारों की सराहना की। विजेता टीमों एवं आयोजन समिति को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं और भारत को कृषि नवाचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर और अमेरिका के पुरड्यू यूनिवर्सिटी के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया।

जिसमें पुरड्यू यूनिवर्सिटी की ओर से डॉ. गेराल्ड शिवले, एसोसिएट डीन इंटरनेशनल प्रोग्राम और पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की ओर से डॉ.लोकेश वार्ष्णेय, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा की ओर से ऑनलाइन मोड में हस्ताक्षर कर कुलपति की उपस्थिति में पुरड्यू यूनिवर्सिटी की ओर से डॉ. कृष्णा नेमाली के साथ आदान-प्रदान किया गया। जो अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ.रंजन श्रीवास्तव, डॉ.संदीप अरोड़ा, डॉ.अनीता रानी, डॉ.वीके सिंह, डॉ.रुचि गंगवार, डॉ.साक्षी चौहान, डॉ.अंकुर, डॉ.साक्षी चौहान आदि मौजूद रहे।

गर्दन में डिवाइडर का एंगल घुसने से किशोर की दर्दनाक मौत

बाइक सवार दोस्त की हालत नाजुक, परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः बुधवार की देर रात्रि रामपुर-नैनीताल हाईवे स्थित सब्जी मंडी के सामने स्थित डिवाइडर से बाइक टकराने के बाद जहां एक किशोर के गर्दन में लोहे का एंगल घुसने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके दोस्त की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

सचिन (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात्रि साढ़े 11 बजे शिवनगर निवासी 16 वर्षीय सचिन राठौर अपने दोस्त नितिन राठौड़ के साथ दोस्त की पार्टी कर वापस लौट रहा था। इस बीच अचानक नैनीताल-रामपुर हाईवे स्थित सब्जी मंडी गेट के सामने बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और सचिन उछलकर डिवाइडर में लगे लोहे के एंगल पर जा गिरा और लोहे का एंगल किशोर की गर्दन में घुस गया, जबकि उसका दोस्त नितिन छिटककर हाईवे पर जा गिरा। हादसे के वक्त 16 वर्षीय किशोर सचिन की दर्दनाक मौत हो गई।

घायल नितिन को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। रात्रि को सूचना मिलते ही पूर्व विधायक के भाई संजय ठुकराल अपने दोस्त के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया। साथ ही डॉक्टर व पुलिस को सूचित कर पंचनामा कार्रवाई में तेजी लाने की बात कही। गुरुवार की सुबह होते ही पोस्टमार्टम हाउस में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों को ढांढस बंधाते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

हाईवे पर मौत बनकर खड़े हैं डिवाइडर पर लगे एंगल

● कई मौतों के बाद भी सोता रहा विभाग, सचिन की मौत के बाद उठने लगी आवाज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नैनीताल-रामपुर का हाईवे हो या फिर काशीपुर-सितारगंज का राष्ट्रीय राजमार्ग। हाईवे डिवाइडर पर बने लोहे के एंगल मौत का सबब बनते जा रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग और ठेकेदार अभी भी गहरी नींद में सोया हुआ है। देर रात्रि नौजवान सचिन राठौर की दर्दनाक मौत के बाद जनता और जनप्रतिनिधि भी कार्रवाई को अपनी आवाज उठाने लगे हैं।

बुधवार की देर रात्रि 16 वर्षीय किशोर सचिन राठौर की दर्दनाक मौत की असल वजह डिवाइडर पर निकला लोहे का एंगल ही है और उसका दोस्त नितिन राठौड़ जिंदगी की जंग लड़ रहा है। हाईवे के डिवाइडर पर बाहरी ओर निकले एंगल से यह कोई पहली मौत नहीं है बल्कि वर्ष 2025 में भी रुद्रपुर का युवा व्यापारी स्कूटी से घर लौट रहा था। इस बीच अनियंत्रित होकर डीडी चौक स्थित लोहे के एंगल पर गिरा और सिर पर गंभीर चोट आने के कारण उसकी भी मौत हो गई।

हाईवे पर बाहर निकले लोहे के एंगल। ● अमृत विचार

सचिन की मौत एक दुखद घटना है। वहीं हाईवे डिवाइडर की रेलिंग के लोहे के एंगल गर्दन में घुसकर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस भी हादसे की जांच करनी चाहिए। इसके अलावा हाईवे पर रेलिंग लगाने वाली संस्था या ठेकेदार कौन था। कई स्थानों पर निकले लोहे के एंगल संबंधी जानकारी के लिए एनएचएआई के साथ लोनिवि अधिकारियों से वार्ता की जाएगी और रोकथाम के प्रयास किए जाएंगे। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई का मुद्दा उठाया जाएगा। बावजूद लापरवाही बरती गई तो संबंधित विभाग या ठेकेदार के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा। **-शिव अरोरा**, विधायक, रुद्रपुर

इसके अलावा कई अनगिनत हादसे हो चुके हैं।

गुरुवार की दोपहर को जब इलाके का सर्वे किया तो पाया कि नैनीताल हाईवे हो या फिर काशीपुर-सितारगंज का हाईवे। ऐसे कई स्थानों पर डिवाइडर रेलिंग में नोकदार लोहे के एंगल हाईवे से बाहर निकले हुए हैं और कई एंगल तो इतने खतरनाक है कि यदि कोई बाइक सवार अनियंत्रित होकर उसके ऊपर गिरता है तो उसका बचना नामुमकिन होगा। यही नहीं इन हाईवे से प्रतिदिन आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि आवाजाही करते होंगे, लेकिन किसी भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि का ध्यान हाईवे पर मौत बनकर खड़े रैलिंग एंगल की तरफ नहीं गया। अब सवाल यह उठता है कि हाईवे से बाहर निकलते लोहे के एंगल का जिम्मेदार कौन है। किस पर नौजवानों की मौतों की कार्रवाई होनी चाहिए। मामले को लेकर जनप्रतिनिधियों ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी।

रुद्रपुर विधानसभा में अफसरशाही और कमीशनखोरी का धंधा चल रहा है। अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं है। जनता के हितों को नजरअंदाज किया जा रहा है। हाईवे पर भारी वाहन हो या फिर डिवाइडर रेलिंग पर लगे लोहे के एंगल मौत का सबब बन रहे हैं। कई नौजवान अपनी जिंदगी गंवा चुके हैं। सचिन मौत प्रकरण की जांच के दौरान किसी भी विभाग की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अन्यथा जनता को साथ लेकर वृहद आंदोलन किया जाएगा। **-राजकुमार ठुकराल**, पूर्व विधायक, रुद्रपुर

16 वर्षीय सचिन की मौत वास्तव में दर्दनाक घटना है। नगर निगम से निकलने वाले हाईवे का सर्वे करवाकर डिवाइडर रेलिंग के बाहर निकल रहे लोहे के एंगल की एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी और निगम की ओर से संबंधित विभाग को सौंपी जाएगी। इसके बाद भी विभाग ने लापरवाही बरती तो सीएम से वार्ता कर कार्रवाई कराई जाएगी। यह भी तय किया जाएगा कि जिस मार्ग पर भी हादसा या मौत होती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग या फिर कार्यदायी ठेकेदार की होगी। जल्द ही प्रकरण में ठोस निर्णय लिए जाएंगे। **-विकास शर्मा**, महापौर, नगर निगम

जानलेवा हमले में सात साल कठोर कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में युवक पर जानलेवा हमला प्रकरण की सुनवाई करते हुए प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ने दोषी को सात साल कठोर कारावास और दस हजार रुपये का अर्थदंड की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

यहां बता दें कि 19 जुलाई 2022 को थाना ट्रांजिट कैंप निवासी तिलक मंडल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था कि 18 जुलाई की देर रात्रि उनका बेटा राजु मंडल खाना खाने के बाद गर्मी के कारण सड़क किनारे टहल रहा था। इस दौरान अभियुक्त मुखर्जी नगर वार्ड-पांच निवासी हरिदास राय आया और युवक के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा और जान से मारने की नीयत से धारदार चाकू से हमला कर दिया।

अभियुक्त ने बेटे के गर्दन व चेहरे पर कई घाव हो गए और बेटा लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। प्रकरण की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष कुमार मिश्र की अदालत में हुई। अदालत ने हत्या के प्रयास के दोषी हरिदास राय को सात साल कठोर कारावास और दस हजार रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

शहीदों के नाम पर होगा मिनी स्टेडियम

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा के अथक प्रयासों से कूल्हा मिनी स्टेडियम शहीद अशोक शाही और राजकीय प्राथमिक विद्यालय तिलपुरी नंबर-एक शहीद मनोज रावत के नाम से किए जाने की मुख्यमंत्री की स्तुति के बाद पूर्व सैनिकों व शहीदों के परिजनों में खुशी का माहौल बना हुआ है। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा का फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। पूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा का आभार व्यक्त किया।

गुरुवार को भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के भारतीय सेना के वीर सैनिक देश की शान है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व सैनिकों की मांग को स्वीकार करते हुए प्राथमिकता से संबंधित विभाग को आदेशित कर निर्देश दिए कि दोनों संस्थान शहीदों के नाम से शीघ्र किया जाए। इस मौके पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संरक्षक दुर्गा सिंह राणा, महासचिव रमेश कन्याल, कोषाध्यक्ष विनोद भट्ट, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह कुंवर, पूर्व सूबेदार मेजर विक्रम सिंह रावत, पूर्व सूबेदार भूपाल सिंह कोरंगा, मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक, मदन कार्की, ललित राणा, राजेंद्र सिंह रावत, सौरभ साही, सुरेश कन्याल, कुंदन सिंह बिष्ट, महेंद्र सिंह पपोला आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा का स्वागत करते पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

होटल कर्मचारी की संदिग्ध हाल में मौत

शांतिपुरी : गोलगेट नगर पालिका क्षेत्र के एक होटल कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय नरेश निवासी पंतनगर बेनीफार्म के रूप में हुई है, जो पिछले तीन माह से हिमाचल फास्ट फूड की दुकान पर कार्यरत था। होटल स्वामी प्रमोद यादव बुधवार दोपहर करीब 2 बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। शाम लगभग 5 बजे लौटने पर उन्होंने नरेश को होटल के अंदर मृत अवस्था में पाया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। होटल मालिक के मुताबिक मृतक शराब का सेवन करता था और बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहा था। बताया गया कि नरेश के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था।

सिडकुल में मिले दो शवों की हुई शिनाख्त

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ट्रांजिट कैंप और सिडकुल क्षेत्र में मिले दो अज्ञात शवों की पहचान हो गई है। जगतपुरा निवासी 27 वर्षीय आकाश तिवारी का शव सिडकुल की झाड़ियों में संदिग्ध हालत में मिला। परिजनों के अनुसार, आकाश हरिद्वार नौकरी पर जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन उसका शव चोट के निशानों के साथ सुनसान इलाके में पाया गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। वहीं, दूसरी घटना में सिडकुल ढाल स्थित नाले में मिले शव की पहचान 35 वर्षीय परमानंद देव नाथ के रूप में हुई है। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद उसकी बहन ने शिनाख्त की। पुलिस के अनुसार, युवक नशे का लती था।

दो युवकों की मौत

किच्छा : अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की जान चली गई। नई अनाज मंडी की है, जहां लालिता प्रसाद (45) संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे शराब के आदी थे और अकेले रहते थे। रुद्रपुर मार्ग पर लालकुआं निवासी रिजवान खान (28) को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आस्था

क्षेत्र में सुख- समृद्धि की कामना, 108 दीप प्रज्ज्वलित कर मां बसंती की आरती की

दिनेशपुर में महिलाओं ने की मां बसंती की पूजा

● संधि पूजा के बाद सब्जी व फलों की प्रतीकात्मक बलि दी

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः चैत्र नवरात्र में महिला संगठन के तत्वावधान में आयोजित मां बसंती पूजा महोत्सव के तीसरे दिन मुख्य पुरोहित बनवाली चक्रवर्ती ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गणेश, मां बसंती, कार्तिकेय, सरस्वती व लक्ष्मी आदि देवी-देवताओं की पूजा अर्चना की। तत्पश्चात महाअष्टमी विहित पूजन करवाया। दोपहर में पारंपरिक वेशभूषा में सजी- धंसी महिलाओं ने मां बसंती (दुर्गा) को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए परिवार में सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने 108 दीप प्रज्ज्वलित कर मां बसंती की आरती की। श्रद्धालुओं ने संधि पूजा के पश्चात सब्जी व फलों की प्रतीकात्मक बलि दी। पूजा के बीच-बीच में महिलाओं की कंठ से निकली उलू-लू-लू...., की मंगल ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा। संधि पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, शिखा ढाली, प्रभा राय, स्वीटी चक्रवर्ती, दीपाली बैरागी, मीना मंडल, राधा विश्वास, हेमा चक्रवर्ती, जमुना मंडल, सविता बैरागी, शोष्ठि ढाली, शिवानी स्वर्णकार, पारुल मंडल, श्रुति राय, सोनिया हालदार, सरस्वती विश्वास, सुधा चक्रवर्ती, बसंती चक्रवर्ती, चंपा बैरागी, विनीता बैरागी, प्रीति बैरागी, सुजाता राय, ज्योति मंडल, अनुराधा मल्लिक आदि मौजूद रहीं।

दिनेशपुर में बसंती पूजा महोत्सव के दौरान अष्टमी पूजन करतीं महिलाएं।

शिविरार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

खटीमाः पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बंडिया के एनएसएस शिविर के चौथे दिन बच्चों ने स्वच्छता और क्यारियों की निराई गुड़ाई की। वहीं बच्चों ने शिक्षक अवधेश कुमार कुशवाहा के मार्गदर्शन में छात्र छात्राओं ने श्रमदान किया। बौद्धिक सत्र में स्वयंसेवी जयप्रकाश ने पिछले दिनों के अनुभव को साझा करते हुए कल की गतिविधियों की संक्षिप्त आख्या प्रस्तुत की। नारी "सशक्तिकरणः चुनौतियां और समाधान " विषय पर स्वयं सेवी अंतरा, ज्योति और प्रिंस कुमार ने भाषण प्रस्तुत किए। स्वयं सेवी पूजा मौर्य, प्रिंस मौर्य और रिंकेश ने भावपूर्ण कविताओं के द्वारा सभी को बालिकाओं के संरक्षण और व्यावसायिक विकास हेतु आगे बढ़ कर प्रयास करने का आह्वान किया।

यूपी की कंपनी ने सितारगंज के व्यापारी से 5.56 लाख रुपये ठगे

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : शहर के एक व्यापारी से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने लखनऊ की एक कंपनी प्रबंधक समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

वार्ड नंबर 9 निवासी संजीव गोयल ने बताया कि सितारगंज में शिव ट्रेडिंग कंपनी के नाम से उसकी फर्म है, जो एफएमसीजी उत्पादों का वितरणकर्ता है। बताया कि फरवरी 2025 के अंतिम सप्ताह में लखनऊ स्थित वी-राइड इंडिया मल्टीट्रेड कंपनी के प्रतिनिधि नीरज त्यागी ने सितारगंज आकर उससे मुलाकात की और उसे एडवांस राशि के साथ कंपनी का वितरणकर्ता बनने का प्रस्ताव दिया। प्रतिनिधि ने बताया कि कंपनी 10 दिन के भीतर उसे एडवांस दिए राशि के मूल्य के बराबर का उत्पाद उपलब्ध करा देगी। संजीव ने कंपनी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और प्रतिनिधि पर भरोसा कर उसकी फर्म शिव ट्रेडिंग कंपनी के खाते से सात लाख रुपए वी-राइड इंडिया मल्टीट्रेड कंपनी के बैंक खाते में ट्रांसफर करवा दिया।

30 मार्च 2025 को कंपनी ने उसे करीब 1.43 लाख रुपए का माल भेज दिया। साथ ही शेष 5.56 लाख रुपए का माल जल्द ही भेजने का आश्वासन दिया। लेकिन, माल नहीं भेजा और ना ही रुपए वापस किए। इससे परेशान होकर संजीव ने एक अगस्त 2025 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत कर उक्त कंपनी के बैंक खाते को फ्रीज कर दिया। इस पर कंपनी के निर्देशक शशिकांत यादव ने ई-मेल के माध्यम से संपर्क कर उसकी कंपनी के बैंक खाते को अन-फ्रीज करने की मांग की और कहा कि यदि वह उसके बैंक खाते को अन-फ्रीज करा देगा। तो वह जल्द ही उसे शेष 5.56 लाख राशि का माल भेज देगा। संजीव ने भरोसा कर कंपनी के बैंक खाते को अन-फ्रीज कर दिया। लेकिन कंपनी ने उसे माल नहीं भेजा। आरोप लगाया कि कंपनी ने उसके साथ सुनियोजित धोखाधड़ी और विश्वासघात किया है। वहीं, मामले में पुलिस ने कंपनी प्रबंधक समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

चैती मंदिर पहुंचा मां बाल सुंदरी देवी का डोला

डोला यात्रा के दौरान भक्तों में गजब का उत्साह, डोले का जगह-जगह पुष्प वर्षा से किया गया स्वागत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: मां बाल सुंदरी देवी का भव्य डोला नगर मंदिर से गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में निकाला गया। डोला यात्रा पूरे शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए करीब 6 किलोमीटर की दूरी तय कर चैती मंदिर पहुंचा। डोला यात्रा के दौरान भक्तों में गजब का उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु डीजे, ढोल और बैंड-बाजों की धुन पर झूमते-नाचते मां के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। डोले का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

गुरुवार की तड़के मुख्य पंडा विकास कुमार अग्निहोत्री के नेतृत्व में मां बाल सुंदरी की स्वर्ण प्रतिमा को पालकी में विराजमान कर मोहल्ला पक्काकोट स्थित नगर मंदिर से यात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा मां मनसा देवी रोड, मुख्य बाजार, नगर निगम रोड, महाराणा प्रताप चौक और द्रोणा सागर के पीछे टीले वाली सड़क से होते हुए चैती मंदिर भवन पहुंची। जहां पूजा अर्चना के बाद मां को गर्भ गृह में विराजमान किया गया। मंदिर पहुंचते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मां के दर्शन और प्रसाद चढ़ाने के लिए उमड़ पड़ी। दूर-दराज से आए भक्तों ने भी मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

काशीपुर में मुख्य बाजार से निकलता मां बाल सुंदरी का डोला। ● अमृत विचार

बलूचिस्तान में स्थापित मां हिंगलाज भवानी का स्वरूप हैं मां बाल सुंदरी

काशीपुर : मां बाल सुंदरी देवी से वैसे तो समाज के हर व्यक्ति की आस्था जुड़ी है, लेकिन बुक्सा समुदाय उन्हें अपनी कुलदेवी मानता है। प्रत्येक वर्ष चैत्र माह में ऊधम सिंह नगर और नैनीताल जिले के 137 गांवों के 50 हजार से अधिक बुक्सा समाज के लोग यहां पहुंचकर मां का आशीर्वाद लेते हैं। बुक्सा समाज के लोगों के अनुसार यह बलूचिस्तान में स्थापित मां हिंगलाज का ही स्वरूप है। बुक्सा जनजाति कल्याण समिति के अध्यक्ष व उत्तराखंड जनजाति आयोग के सदस्य बाबू सिंह तोमर ने बताया कि मां बाल सुंदरी, बलुचिस्तान में स्थापित मां हिंगलाज भवानी का ही स्वरूप हैं, जिन्हें वहां से लाकर मध्य प्रदेश के धार में स्थापित किया गया था।

डोला प्रस्थान से पूर्व मां की स्वर्ण प्रतिमा को नगर मंदिर, पक्काकोट में पूरे दिन और देर रात तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा गया था। रात्रि 12 बजे विधिवत कलश स्थापना, हवन-पूजन और सांकेतिक बलि की गई। इसके बाद तड़के लगभग साढ़े 3 बजे डोला नगर मंदिर से रवाना हुआ और साढ़े 4 बजे चैती मंदिर पहुंचा। मुख्य पंडा विकास कुमार अग्निहोत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि मां बाल सुंदरी देवी पांच दिनों तक चैती मंदिर में विराजमान रहेंगी। इसके बाद 31 मार्च और 1 अप्रैल की मध्य रात्रि में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मां का डोला पुनः नगर मंदिर के लिए प्रस्थान करेगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। वहीं चैती मंदिर में मां के दर्शन करने के लिये भारी भीड़ उमड़ी और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही।

सिटी ब्रीफ

ग्राहक दस हजार के नोटों का हार लेकर हुआ फरार

जसपुर : मुख्य बाजार स्थित जनरल स्टोर की दुकान से एक ग्राहक नोटो का हार लेकर रफू चक्कर हो गया। आरोपी ने दुकानदार को ऑनलाइन भुगतान के झांसे में ले लिया। मेन बाजार स्थित चुने वाली गली में पवन अरोड़ा की दुर्गा जनरल स्टोर के नाम से दुकान है। दुकान स्वामी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर एक ग्राहक नोटो का हार लेने आया। उन्होंने ग्राहक को दस हजार की कीमत का नोटो का हार पैक कर दिया। बताते हैं कि ग्राहक ने उनको ऑनलाइन भुगतान दिखाया। दुकान स्वामी भुगतान को कन्फर्म करने लगे इतने में आरोपी नोटो का हार लेकर दुकान से फरार हो गया। दुकान स्वामी ने घटना की जानकारी व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह को दी। हरिओम सिंह द्वारा कोतवाली पुलिस को घटना से अवगत कराया गया।

जियो टावर से कॉपर वॉयर चोरी करने वाला गिरफ्तार

जसपुर : जियो के टावर से कॉपर वायर चोरी करने वाले को स्थानीय पुलिस ने मय वायर के गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि कुछ दिन पहले खेड़ा रोड स्थित जियो के टावर से किसी अज्ञात ने कॉपर वायर चोरी कर ली थी, जिससे नेटवर्क व्यवस्था बाधित हो गई थी। मामले में टावर के इंजीनियर योगेश कुमार धौनी ने कोतवाली में वायर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहल्ला जुलाहान निवासी आशिफ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने 34 मीटर कॉपर वायर बरामद की है।

लेवड़ा पुल के पास मिट्टी चोरी की सूचना पर दौड़ी पुलिस

बाजपुर : चकरपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन लेवड़ा नदी पुल के पास रात के समय मिट्टी चोरी की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और काम रुकवाकर जांच शुरू की। हालांकि, जांच के बाद मामला चोरी का नहीं बल्कि निर्माण कार्य से जुड़ा निकला। दरअसल, पुल निर्माण के दौरान खुदाई की गई मिट्टी पास के खेत में डाली गई थी। रात के अंधेरे में लोडर से ट्रॉली भरने की गतिविधि देख स्थानीय लोगों को मिट्टी चोरी की आशंका हुई, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब पड़ताल की, तो पता चला कि ठेकेदार के लोग ही निर्माण कार्य के तहत मिट्टी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर रहे थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया यह चोरी का मामला नहीं है। फिर भी, एहतियात के तौर पर पुलिस ने संबंधित पक्ष को रात के समय काम न करने और संदेहास्पद स्थिति पैदा न करने की सख्त हिदायत दी। इसके बाद पुलिस टीम वापस लौट गई।

मां बालसुंदरी मंदिर में 300 कन्याओं का पूजन

बाजपुर : ग्राम पंचायत विजय रम्पुरा के शीतपुरी स्थित मां बालसुंदरी मंदिर में गुरुवार को चैत्र नवरात्र के अवसर पर भव्य कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा और दर्जा राज्यमंत्री मंजीत सिंह राजू सहित कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने लगभग 300 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भोजन कराया और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में जिला मंत्री भाजपा बिट्टू चौहान, जनजाति आयोग सदस्य बाबू सिंह तोमर, पूर्व मंडल महामंत्री आशीष ठाकुर, ग्राम प्रधान दीपक, प्रधान विजय, पूर्व प्रधान देवेंद्र सैनी, ग्राम प्रधान नरखेड़ा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष महेंद्र कालरा, डालचंद पांडेय, जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश सिंह, अध्यक्ष करम सिंह, बिट्टू सिंह डब मौजूद रहे।

किच्छा में भी हुआ पूजन

किच्छा : नगर में चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर घर-घर में कन्या पूजन का आयोजन हुआ, जहां भक्तों ने उन्हें हलवा-पूरी का प्रसाद खिलाया और उपहार भेंट किए। भाजपा नेता और एफसीआई सलाहकार समिति सदस्य लवी सहगल के आवास पर भी कन्या पूजन किया गया।

काशीपुर में अष्टमी पर भोजन करतीं कन्याएं। ● अमृत विचार

अष्टमी पर कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद

काशीपुर/जसपुर : काशीपुर क्षेत्र में आज नवरात्र की अष्टमी बड़े श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से अष्टमी पूजन कर कन्याओं का पूजन किया और उन्हें भोजन कराकर अपने व्रत का समापन किया। बृहस्पतिवार को सुबह से ही मंदिरों और घरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया था। भक्तों ने मां दुर्गा की विशेष आराधना करते हुए कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया। कन्याओं के चरण धोकर, उन्हें तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और स्वादिष्ट भोजन कराकर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी ने मिलकर कन्या पूजन किया और सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर लोगों ने मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इधर जसपुर में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में मां महागौरी की विशेष पूजा-अर्चना की गई और हवन-यज्ञ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने घरों में कन्या पूजन का आयोजन किया, पूजन में नौ कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके पैर पखारे और विधि-विधान से पूजन किया। श्रद्धालुओं ने स्थानीय मंदिरों में माथा टेका। मंदिरों में सुबह से लंबी कतारें लगी रहीं।

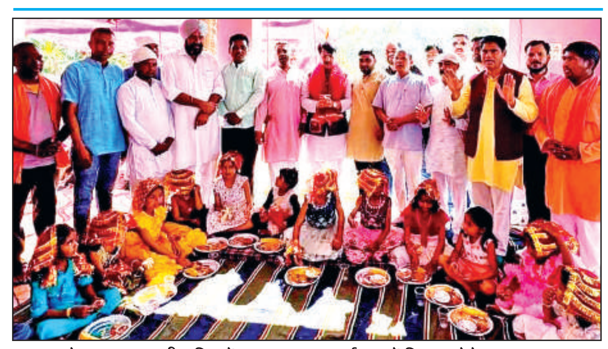

बाजपुर के मां बालसुंदरी मंदिर में कन्या पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लेते श्रद्धालु।

दो बाइक सवारों की भिड़ंत में एक की मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: दो बाइकों की आपसी भिड़ंत में एक बाइक सवार की मौत हो गयी। जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे बाइक चालक को इलाज के लिये एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

अमित (फाइल फोटो)।

जिला मुरादाबाद तहसील ठाकुरद्वारा के ग्राम लौंगी सुल्तानपुर निवासी अमित कुमार (24) पुत्र उदल सिंह महुआखेड़ा गंज स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। बीते बुधवार की देर रात लगभग दस बजे वह घर से ड्यूटी के लिए बाइक से आ रहा था।

इसी दौरान महुआखेड़ा गंज स्थित पैगा पुलिस चौकी के पास काशीपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गयी। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने अमित कुमार को एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय भेजा। जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरे बाइक सवार को किसी निजी अस्पताल में भेजा। जिसका नाम-पता ज्ञात नहीं हो सका। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक अमित कुमार के तहेरे भाई पवन कुमार ने बताया कि अमित की लगभग दो-तीन महीने पहले ही महुआखेड़ा गंज स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी लगी थी। रोज की तरह बुधवार को भी वह गांव से ड्यूटी आ रहा था। तब यह हादसा हो गया।

बाइक सवार मां-बेटे को ट्रक ने मारी टक्कर, बेटे की मौत

जसपुर : बाइक सवार मां बेटे को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों ने घटना की अभी पुलिस में तहरीर नहीं दी है। यूपी के सीमावर्ती गांव टांडा अफजल थाना ठाकुरद्वारा निवासी कपिल कुमार पुत्र रोहिताश सिंह गुरुवार की दोपहर बाइक से अपनी मां को जसपुर दवाई दिलाने जा रहा था। भूतपुरी रोड स्थित बहादुर पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने कपिल कुमार की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार मां बेटे सड़क पर गिर गए। घटना के बाद आरोपी चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने आनन फानन में कपिल कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां ईएमओ ने कपिल कुमार को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक जसपुर स्थित रिलायंस ऑफिस में काम करता था तथा चार भाई बहनों में छोटा था। बताया कि मृतक की पांच साल पहले जिला बिजनौर के गांव चोड़वाला में शादी हुई थी। मृतक के एक बेटा और एक बेटी है। कपिल कुमार की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक का परिजनों ने देर शाम अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि घटना की अभी कोई तैयारी नहीं मिली है, आरोपी ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

विवाहिता की मौत में ससुरालियों पर केस

काशीपुर : विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के मामले में पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुतलीघर रोड मझोला, मुरादाबाद निवासी रोहित चौहान ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन मीनू चौहान का विवाह काशीपुर के आदर्श नगर निवासी कृष्ण वीर सिंह के साथ बीती 17 फरवरी 2020 को मुरादाबाद में संपन्न हुआ था। जिसमें उसके परिवार वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। परंतु दहेज में मिले सामान से उसकी बहन के पति कृष्ण वीर सिंह, ससुर अखिलेश सिंह, सास सुषमा देवी, देवर यशवंत सिंह खुश नहीं हुए और अक्सर ही उसकी बहन को कम दहेज लाने व दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल नहीं देने के ताने देते और मायके से दहेज लेकर आने के लिये दबाव बनाते थे। साथ ही गालियां देते हुए आरोपी उसकी बहन के साथ मारपीट करते व खाने पीने को भी तंग करते थे।

बाजपुर में मां काली की विशालकाय प्रतिमा पर वस्त्र पहनाकर पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

मां काली की प्रतिमा पर अर्पित किए नवीन वस्त्र

बाजपुर : चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर बाजपुर के श्रद्धालुओं ने श्मशान भूमि स्थित पार्क में स्थापित मां काली की विशालकाय प्रतिमा पर पूरी श्रद्धा के साथ नए वस्त्र अर्पित किए। इस दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। नवरात्र के दौरान मां काली के वस्त्र बदलने की विशेष परंपरा के तहत श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से नवीन वस्त्र चढ़ाए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने न केवल मां काली की आराधना की, बल्कि परिसर में स्थापित भगवान शंकर की प्रतिमा की साफ-सफाई का कार्य भी संपन्न कराया। माता के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। इस मौके पर अनिल शर्मा, पं.नरेंद्र शर्मा, अनिल वाल्मीकि, जयशंकर सागर, विमल शर्मा, चीनू यादव, विष्णु, योगेश, पारस शर्मा, अभिषेक सागर, रमेश, वंशू, गगन, आदित्य, अमित, फकीरा आदि मौजूद रहे।

युवक पर फायरिंग के मामले में रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कोतवाली आईटीआई पुलिस ने नकाबपोश बदमाशों द्वारा युवक पर फायरिंग कर घायल करने के मामले में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बीती मंगलवार 24 मार्च की शाम करीब 7:30 बजे शानू अली पुत्र नामे अली, अपने तहेरे भाई साहिल के साथ मदरसा बिल्डिंग तिराहे के पास लगने वाले मंगल पैंठ बाजार में खड़ा था। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे, जिन्होंने अपने चेहरे कपड़ों से ढके हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ित के बयान के अनुसार, बाइक से उतरकर एक बदमाश शानू के करीब आया और पीछे से उसे गोली मार दी। गोली शानू के दाहिने कंधे के पीछे लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों हमलावर अपनी मोटरसाइकिल से धीमरखेड़ा की ओर भाग निकले। चौकी प्रभारी जसविंदर सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने में हो रही देरी को देखते हुए पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए स्वयं अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शहरी विकास मंत्री कैड़ा का स्वागत

जसपुरः शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा मंत्री पद संभालने के बाद गुरुवार को पहली बार जसपुर पहुंचे। शहरी विकास मंत्री राम सिंह केड़ा का नादेही में जिला उपाध्यक्ष विनीत चौहान के कार्यालय पर भाजपाइयों ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहरी विकास के रूके कार्यों को पूरा कराना उनकी प्राथमिकता होगी। कहा कि निकायों में राज्य वित्त की कटौती के संबंध में वह अफसरों से वार्ता कर समस्या का समाधान निकालेंगे। इसके बाद मंत्री कैड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल के घर पहुंचे। यहां जिलाध्यक्ष की माता के निधन पर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद मंत्री हल्द्वानी के लिए रवाना हो गए। उन्होंने बताया कि वह जिलाध्यक्ष की मां के निधन पर शोक जताने आये थे।

दो मंजिला इमारत से गिरे किशोर की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रामनगर नैनीताल स्थित एक रिसोर्ट में दो मंजिला इमारत पर वेल्डिंग का काम कर रहे दिहाड़ी मजदूरी करने वाले किशोर की नीचे गिरकर मौत हो गई। वहीं परिवार ने कोतवाली रामनगर पुलिस को तहरीर दी है।

फैजान (फाइल फोटो)।

खरा बास मिलक रामपुर यूपी इसरार अहम ने बताया कि उसका 16 साल के बेटे फैजान अली दोस्तों के साथ रामनगर घूमने गया था। जहां उसकी मुलाकात एक ठेकेदार से हुई। ठेकेदार ने प्रलोभन देकर बेटे को रामनगर स्थित एक रिसोर्ट पर होने वाले कार्य की बात बताई और आश्वासन दिया कि काम पूरी सुरक्षा उपकरण के साथ कराया जाएगा। आरोप था कि 25 मार्च को ठेकेदार ने जबरन किशोर बेटे को दो मंजिला रिसोर्ट की छत पर वेल्डिंग करने के लिए चढ़ा दिया, जबकि बेटा इंकार करता रहा और बिना सुरक्षा उपकरण के काम करते वक्त बेटा नीचे गिरकर लहूलुहान हो गया। बेटे को रुद्रपुर स्थित हॉस्पिटल ले जाया गया। जिसका फायदा उठाकर ठेकेदार रफूचक्कर हो गया। गुरुवार की सुबह किशोर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

भ्रष्टाचार की 1732 शिकायतें लंबित

काशीपुरः उत्तराखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति न होने से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई थमी हुई है। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन द्वारा मांगी गई आरटीआई में खुलासा हुआ है कि 20 मार्च 2026 तक लोकायुक्त कार्यालय में कुल 1732 शिकायतें लोकायुक्त के इंतजार में लंबित हैं। 1 नवंबर 2013 को न्यायमूर्ति मदन मोहन घिल्डियाल की सेवानिवृत्ति के बाद से यह पद रिक्त है। उपलब्ध सूचना के अनुसार, पद खाली होने के बावजूद वर्ष 2013 से अब तक 1096 नई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। वर्तमान में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति का मामला राज्य सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है, जिससे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

टंकी में हड्डी डालने पर पूर्व प्रधान पति पर केस

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: ग्राम अमियावाला में पेयजल मिशन के तहत बनी पानी की टंकी के वाल्व चेंबर में हड्डी एवं झूठी प्लेट डालने के मामले में पुलिस ने पूर्व प्रधान पति समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ग्राम अमियावाला निवासी धर्म सिंह पुत्र किशन सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई मुकदमे में कहा कि गांव में पेयजल मिशन के तहत बनी पानी की टंकी पर नियुक्त ऑपरेटर नाजिम और उसके कुछ साथी पशुओं के मांस को खाकर उसकी हड्डियों और झूठी प्लेटों को वॉल्व चेंबर में डालकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। आरोप है कि पहले नवरात्र पर महिला, पुरुष व्रत थे। जल की समस्या होने पर नलकूप चलाने को कहा, तो ऑपरेटर ने उसे चलाने से मना कर दिया। ग्रामीणों ने वाल्व टैंक के पास देखा तो उसके अंदर मांस की झूठी प्लेटें, मांस के हड्डे पाये गये। इस पानी को ग्रामीण पीते हैं। इससे उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। धर्म सिंह की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान पति मो. शाहनवाज हुसैन, नाजिम हुसैन, मौ. नावेद, जुनैद, कासिम, मौ. रिजवान, अफजाल के खिलाफ केस दर्ज किया है।

युवती लापता, रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : आईटीआई कोतवाली क्षेत्र से एक युवती लापता हो गई। पिता ने तहरीर देकर उसे ढूंढने की मांग की है। इस मामले में ग्राम बांसखेड़ा खुर्द निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सूचित करना है कि मैने अपना नाम गोपाल राम से बदलकर अब गोपाल राम आर्य कर लिया है। भविष्य में मुझे गोपाल राम आर्य के नाम से जाना पहचाना जाये। - **गोपाल राम आर्य पुत्र पनीराम, मकान नंबर-422, वार्ड-17, आदर्श कॉलोनी, रुद्रपुर, ऊधमसिहनगर पिन-263153**

भाजपा नेता के घर का हटाया स्मार्ट मीटर

- **नेता के घर से मीटर हटाने का लोगों ने जताया आक्रोश**
- **बिजली विभाग पर उठाए सवाल सत्ताधारी का क्यों हटाया मीटर**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गांधी कॉलोनी में उस समय लोगों का पारा चढ़ गया, जब बिजली विभाग के कर्मचारियों ने भाजपा नेता के घर लगाया स्मार्ट मीटर उखाड़ दिया और बाकी घरों में मीटर यथास्थिति में रहने दिया। लोगों ने कर्मचारियों को खरी खोटी सुनानी शुरू कर दी। आक्रोश को देखते हुए कर्मी मीटर लेकर भाग खड़े हो गए।

यहां बता दें कि पिछले कुछ दिनों पहले गांधी कॉलोनी में विजिलेंस, विद्युत विभाग और स्मार्ट मीटर कर्मचारियों ने मुहिम चलाकर कई घरों में स्मार्ट मीटर लगाया था। जिसमें एक घर भाजपा नेता का भी था। गुरुवार की दोपहर को अचानक बिजली विभाग के दो कर्मचारी आये और गलत मीटर लगाने की बात कहते हुए नेता जी के घर लगा स्मार्ट मीटर उखाड़ कर पुराना मीटर लगा दिया। उनका कहना यह था कि सीरगोटिया में लगने वाला स्मार्ट मीटर गलती से भाजपा नेता के घर लग गया। इससे स्थानीय लोगों का पारा चढ़ गया। उनका कहना था कि सत्ताधारी नेता होने के कारण मीटर हटाया गया है। हंगामे के बाद कर्मचारी मीटर लेकर भाग खड़े हुए और लोगों ने नेताजी को भी खरी खोटी सुना डाली। मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गांधी कॉलोनी में हंगामा काटतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

देवी स्थल तक मार्ग की नपाई पूरी

बाजपुरः ग्राम पंचायत बरहैनी में देवी स्थल तक मार्ग निर्माण की घोषणा पर त्वरित कार्रवाई शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के निर्देश पर उनके जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) अभिषेक तिवारी ने विभागीय जेई के साथ मौके पर पहुंचकर प्रस्तावित मार्ग की नपाई करवाई। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व बुक्सार-बरहैनी क्षेत्र में आयोजित माता के जागरण के दौरान यशपाल आर्य ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए देवी स्थान तक पहुंच मार्ग निर्माण की घोषणा की थी। इस घोषणा के मात्र 48 घंटों के भीतर विभागीय औपचारिकताएं शुरू होने से ग्रामीणों में हर्ष है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र शर्मा ने इस कदम का स्वागत करते हुए नेता प्रतिपक्ष का आभार व्यक्त किया।

गैस सिलेंडर फटा, चार लोग झुलसे

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में उस वक्त अफरातफरी का माहौल बन गया जब खाना बनाते वक्त अचानक तेज धमाके के साथ घरेलू गैस सिलेंडर फट गया और तीन लोग बुरी तरह से झुलस गए। आनन फानन में घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। पुलिस-अग्निशमन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार चामुंडा मंदिर शिव नगर ट्रांजिट कैंप निवासी कुमार सेन,अंकित कुमार, सत्यवीर सिंह और सुमित कुमार किराए के मकान में रहते हैं और सिडकुल की कंपनी में नौकरी करते हैं। सामूहिक रहन-सहन के कारण सभी का खानपान एक साथ होता था। बताया जा रहा है कि गुरुवार को सभी लोग गैस सिलेंडर पर खाना बना रहे थे। इस बीच अचानक तेज धमाके के साथ गैस सिलेंडर फट गया और आग की लपटे कमरे में फैलने लगीं।ण्देखते ही देखते कमरे में रखे दो बड़े घरेलू सिलेंडर, एक छोटा सिलेंडर भी बारी-बारी से फटने लगे। जिस कारण कमरे की दीवार टूट चुकी थी और इलाके में भय का माहौल पैदा हो गया। जिस कारण चारों व्यक्ति आग से बुरी से तरफ से झुलस गए और भागकर अपनी जान बचाई। आनन फानन में घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

सिलेंडर फटने से झुलसे लोग। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर संपन्न

रानीखेत : खिरखेत इंटर कॉलेज रानीखेत में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन अत्यंत गरिमामय और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। दस दिवसीय इस विशेष शिविर में विद्यार्थियों को सामूहिक जीवन, सेवा, अनुशासन, प्रकृति संरक्षण, संगीत, संस्कृति और सामाजिक चेतना का गहरा अनुभव प्रदान किया। समारोह में मुख्य अतिथियों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और ग्रामवासियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों की मेहनत, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

पेंशन को सम्मान निधि के रूप में कैबिनेट में प्रस्तावित करने की मांग

अल्मोड़ा : भाजपाईयों ने राज्य आंदोलनकारियों को मिलने वाली पेंशन को सम्मान निधि के रूप में कैबिनेट में प्रस्तावित करने का आग्रह किया है। कार्यकर्ताओं ने डीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में करीब छह हजार रुपये पेंशन मिलती है। जबकि उनकी आयु 70 से 90 वर्ष के बीच है। ऐसे में वृद्धावस्था के कारण मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन राशि 1500 भी पर्याप्त नहीं है। कहा कि जिनकी कुल पेंशन दस हजार से कम है, उसमें कटौती न करें।

कन्या पूजन के साथ चैत्र नवरात्र का पारायण

अष्टमी-नवमी पर पूजा-अर्चना को लगा रहा श्रद्धालुओं का तांता, देश की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की

अल्मोड़ा में कन्या पूजन कर व्रत का पारायण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बैरती देवी मंदिर में भजन कीर्तन के दौरान मौजूद भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र की रामनवमी जिलेभर में धूमधाम के साथ मनाई गई। नवरात्र पर घरों में कन्या पूजन कर लोगों ने नौ दिनों से चल रहे उपवास समाप्त कर माता से सुख-समृद्धि की मन्नत मांगी।

गुरुवार को अष्टमी और नवमी पर अल्मोड़ा कलक्ट्रेट परिसर स्थित ऐतिहासिक राम शिला मंदिर में पूजा-अर्चना को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से भक्तों का पूजा अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गया था, जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक रही। इसके अलावा नंदादेवी मंदिर, चितई गोलू देवता मंदिर, स्याही देवी, देवी मंदिर खत्याड़ी, बद्रेश्वर मंदिर, पातालदेवी, बानरदेवी, दूनागिरी, विमलकोट मंदिर, डोयलीडाना समेत नगर के मंदिरों में भी दिनभर भक्त दर्शन को बड़ी संख्या में पहुंचे। वहीं, व्रत कर रहे लोगों ने घरों और मंदिरों में कन्या पूजन कर नवरात्र व्रत का पारायण किया। व्रतधारियों ने कन्याओं को भोजन कराकर भेंट स्वरूप माता की चुनरी, फल और रुपये दिये।

मंत्रोच्चार के साथ हवन यज्ञ

चैत्र नवरात्र के अष्टमी और नवमी पर गुरुवार को घरों में कन्या पूजन कर व्रत का पारायण किया। देवी मंदिरों में पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ किया। क्षेत्र के सभी मंदिरों में माता के दर्शन को भक्तों का तांता लगा रहा। कन्याओं ने भी घर-घर बने पकवान खाये। पंडितों ने बताया कि रामनवमी के पर्व का विशेष महत्व है। गंगा स्नान कर पूजा अर्चना करने वालों को देवी सभी दुखों से दूर करती है। धन-धान्य और निरोगी काया बनाती है।

बैरती देवी मंदिर में भजन कीर्तन के साथ भंडारा

बैरती (अल्मोड़ा) : क्षेत्र में भी चैत्र नवरात्रों की धूम मची हुई है। घरों एवं मंदिरों में देवी मां के भजन-कीर्तन व नवरात्र पूजन कार्यक्रम चल रहे हैं। आज महाअष्टमी व रामनवमी का पर्व भी धूमधाम से मनाया गया। जगह-जगह कन्या पूजन कार्यक्रम भी संपन्न हुए। बैरती-देवीथान में भी पारखोला निवासी धर्मानंद पन्त व ग्रामीणों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र व आस-पास के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व मंदिर में धर्माचार्य हरीश चंद्र त्रिपाठी द्वारा देवी पाठ व पूजन कार्यक्रम संपन्न कराये गये फिर भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किये गये। काफी तादाद में मातृशक्ति ने यहां पहुंचकर मां के जयकारे लगाए।

मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा

अल्मोड़ा में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की बैठक लेते जिलाधिकारी।

- अल्मोड़ा में डीएम ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की बैठक ली
- राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने की अपील की

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डीएम अंशुल सिंह की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। इस दौरान डीएम ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को सभी से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। साथ ही राजनीतिक दलों से अपने-अपने स्तर पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने की कही।

कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि मतदाता सूची का अद्यतन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है। वहीं, बताया गया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी विधानसभाओं के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं, जो पुनरीक्षण कार्यों की निगरानी एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

एडीएम ने बताया कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची को वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग करने का कार्य 93.27 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, जो एक महत्वपूर्ण प्रगति है। यहां बैठक में भाजपा, कांग्रेस, बसपा समेत अन्य राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदू नव वर्ष पर संघ का पथ संचलन

आरएसएस की ओर से अल्मोड़ा में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: हिंदू नव वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से नगर के घोड़िया फील्ड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर के 159 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह भोज ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत संघ की परंपरा के अनुसार आद्य सरसंघचालक प्रणाम से हुई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने नगर में अनुशासित पथ संचलन कर संगठन की एकता, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया। संचलन के पश्चात सभी स्वयंसेवक पुनः कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित हुए। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के प्रांत विद्यार्थी प्रमुख शील निधि मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा, सामाजिक समरसता और संगठन की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति वैज्ञानिक जीवन पद्धति पर आधारित है तथा समाज की एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही उन्होंने संघ के निःस्वार्थ सेवा भाव और शाखा की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत वातावरण में हुआ, जहां स्वयंसेवकों ने समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया।

पेयजल की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

रानीखेत, अमृत विचार : नगर से जुड़े कुमपुर बाजार क्षेत्र में विगत एक सप्ताह से अधिक से समय से पेयजल की समस्या बनी हुई है। पेयजल समस्या को लेकर स्थानीय लोगों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंप कर जल्द क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था को बहाल करने का अनुरोध किया है। चेतावनी दी कि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जन आंदोलन प्रारंभ कर दिया जाएगा। भाजपा मीडिया प्रभारी रामेश्वर गोयल ने बताया कि इस क्षेत्र को एमईएस द्वारा पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया है कि पहले आर्मी को पेयजल की आपूर्ति की जाए। तत्पश्चात इस क्षेत्र को पानी वितरण किया जाए। जिसके चलते यह समस्या बनी हुई है। बताया कि क्षेत्र में लगभग 100 लोगों की आबादी है। क्षेत्र के आसपास कोई प्राकृतिक जल स्रोत भी नहीं है। कहा कि इसकी जानकारी क्षेत्रीय विधायक प्रमोद नैनवाल को दे दी गई है। चेतावनी दी कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

कुमपुर बाजार में पानी की टंकी पर इंतजार करते लोग। ● अमृत विचार

गैस सिलेंडर को लगी लंबी कतार

- अल्मोड़ा गैस एजेंसी की ओर से दो स्थानों पर की गई स्पॉट डिलीवरी
- घंटों इंतजार के बाद लोगों को मिला गैस सिलेंडर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा के एनटीडी में गुरुवार को रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए लगी कतार।

अमृत विचार: जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण इलाकों में रसोई सिलेंडर का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को रसोई सिलेंडर लेकर वाहन जाखनदेवी और एनटीडी के पास पहुंचा तो यहां लोगों की लंबी कतार लग गई। लोगों में सिलेंडर पाने के लिए मारामारी रही।

गुरुवार को अल्मोड़ा गैस एजेंसी की ओर से नगर के जाखनदेवी और एनटीडी में स्पॉट डिलीवरी की गई। सुबह पांच बजे से लोग वाहन आने का इंतजार कर रहे थे। वाहन पहुंचते ही लोगों की लंबी कतारे लग गई। सबसे पहले गैस वाहन नगर के जाखनदेवी पहुंचा। यहां लोगों की लंबी कतारे देखने को मिली। इसके बाद एनटीडी में सिलेंडरों का वितरण किया गया। लोग धूप में घंटो अपनी बारी का इंतजार करते रहे। इस दौरान सिलेंडर वितरण में सुरक्षाकर्मियों को व्यवस्था ठीक करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। पहले लोगों को लाइन में खड़ा किया। बाद में बारी-बारी से रसोई सिलेंडर वितरित किए गए। भीड़ अधिक होने से लोगों को अपनी बारी के लिए डेढ़ से दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तब जाकर उन्हें रसोई गैस सिलेंडर मिल पाए। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी गैस सिलेंडर को लेकर लोगों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ी।

ऊधमसिंह नगर

सितारगंज में ग्रामीण सड़क का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा।

कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीण सड़क का किया शिलान्यास

सितारगंज : कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने 95.20 लाख रुपये लागत की बनने वाली चार किमी ग्रामीण सड़क का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना। गुरुवार को तुर्कातिसौर मोड़ पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सड़क का शिलान्यास कर निर्माण कार्य शुरू कराया। शासन ने गांव तुर्कातिसौर से गगनपुर तक चार किमी सड़क के निर्माण के लिए 95.20 लाख रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की थी। लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया था। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पिछले चार साल में सितारगंज में 375 करोड़ की लागत से विकास कार्य धरातल में उतारे गए हैं। जल्द ही, 100 करोड़ रुपये के अन्य विकास योजनाओं को भी मंजूरी मिलेगी। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय सिंह राना, ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र राणा, हरेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, सूरज नारायण, विजय शंकर, राकेश ढल, प्रदीप राणा, राजेश ढल, अरविंद सिंह, विक्की ढल, मंगेशरी देवी, गंगा देवी, रामभरोसे राणा मौजूद रहे।

हिंदू नव वर्ष पर हुआ भव्य कवि सम्मेलन

रुद्रपुर: तद्भव परिवार एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय भूरारानी सेवा केंद्र की ओर से सिटी क्लब रुद्रपुर में हिंदू नव वर्ष के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

गुरुवार को आयोजित कवि सम्मेलन का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी भारत भूषण चूघ, समाजसेवी संजय ठुकराल, बीके तिलक भाई, ललित राठौर, डॉ. जयंत शाह, परिमल राय ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कवि सम्मेलन में कवियत्री काव्य श्री जैन ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि उपेंद्र पांडेय ने अपनी वीर रस की कविता सुनाई। कवि जयंत शाह ने अपनी कविता है लेखनी लज्जित सुनाई। इसके अलावा हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने हास्य रस की कविता सुनाकर खूब मनोरंजन किया।

9 फीसदी लाभांश देने की घोषणा

संवाददाता सितारगंज

गन्ना समिति के अध्यक्ष जरनैल को सम्मानित करते अध्यक्ष सौरभ अरोरा।

अमृत विचार : बहुउद्देशीय दक्षिणी सितारगंज किसान सेवा सहकारी समिति के 64 वें वार्षिक अधिवेशन में कृषकों को उनके अंश पर 9 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की। अध्यक्ष सौरभ अरोरा ने समिति को स्वावलम्बी बनाने के लिए वृद्धि करने का संकल्प दोहराया।

बुधवार को आयोजित समिति की वार्षिक बैठक में प्रबंध निदेशक व सचिव शुभम त्यागी ने विगत बैठक की कार्यवाही और संतुलन पत्र प्रस्तुत किया। कहा कि विगत वर्षों में अपने व्यवसाय में निरन्तर वृद्धि कर लगभग 79.40 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया।

वहीं, अध्यक्ष सौरभ अरोरा ने अतिथियों व प्रगतिशील किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि विगत वर्षों से समिति ने अपने सदस्यों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए अल्पकालीन ऋण, उर्वरक वितरण व मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रखे प्रस्तावों को सदन में रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस दौरान समिति सभी सदस्यों से समय पर ऋण जमा करने की अपील की। साथ ही, किसानों से विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, सेवा सिंह, श्रीपाल राणा, लक्खा सिंह, इकबाल सिंह, लखवीर सिंह बल, सूरज नारायण, रेशम सिंह, साहब सिंह, गुरबक्श सिंह, आजम मलिक, नईम अहमद, प्रह्लाद सिंह राणा, कमलजीत सिंह मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

किच्छा : बरेली मार्ग स्थित पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम गौरव मिश्रा और प्रधानाचार्य माधवेंद्र कुमार सारस्वत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने योग, शैक्षिक गतिविधियों और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। एसडीएम गौरव मिश्रा ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के साथ लक्ष्य निर्धारण अनिवार्य है। प्रधानाचार्य सारस्वत ने बताया कि पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अंत में मेधावी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य फ़ैज़ अहमद, भारतेंदु जोशी, विवेक पवार, हिमांशु चौहान, अंकित पांडे, देवेंद्र सिंह चौहान, बदरुद्दीन अंसारी, हेमंत कुमार पांडे, मुकेश सिंह, जीवनचंद पाठक, हेमा पांडे, पूजा चौहान, सूर्य प्रकाश आदि मौजूद रहे।

किच्छा में मेधावी बच्चों के साथ उपस्थित अतिथि। ● अमृत विचार

घोषणाएं धरातल पर हैं खोखली: साहू

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर के भरतपुर में ग्रामीणों से मुलाकात करते किसान नेता बलविंदर साहू।

अमृत विचार: किसान नेता बलविंदर साहू ने कहा कि उत्तराखंड राज्य बनने के 25 वर्ष बाद भी आम जनता व किसानों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि मजदूर, किसान व आम आदमी को उनके अधिकारों के लिए वह संघर्ष करते आए हैं आगे भी संघर्ष करेंगे। इस दौरान उन्होंने गदरपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की।

गुरुवार को गदरपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान किसान नेता बलविंदर साहू को चितरंजनपुर, अमरपुरी, आर्यनगर, सकैनिया, रजपुरा, खेमपुर व भरतपुर गांवों में ग्रामीणों के साथ मजदूर व किसानों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। साहू ने कहा आपदा से सैकड़ों एकड़ गेहूं की फसल नष्ट होने की कगार पर है। सरकार द्वारा प्रशासन से सर्वे करवाकर किसानों को उचित मुआवजा देना चाहिए। साहू ने कहा प्रशासन को एलपीजी सिलेंडर के लिए नगर में नगर प्रशासन व ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम प्रधान व पंचायत सदस्यों की निगरानी में वितरण करवाना चाहिए। इस दौरान ग्रामीणों ने किसान नेता बलविंदर साहू का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर दीपेंद्र सिंह राणा, परमानंद गंगवार, नेपाल मंडल, नवदीप सिंह विर्क, गुरविंदर सिंह, अरमानदीप सिंह, डीएम राणा, नित्यानंद मंडल, राजेश राजपूत मौजूद रहे।

मिल ने गन्ना किसानों को बांटे कृषि उपकरण

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: किसानों की आय बढ़ाने के लिए जेएनजी शुगर एंड बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड सितारगंज ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। मिल प्रबंधन ने किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर विशेष छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। ताकि, किसान नई तकनीकों को अपनाकर फसल की उत्पादकता को बढ़ा सकें।

बुधवार को चीनी मिल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष जनरैल सिंह गिल व प्रबंध निदेशक आदित्य झांजी ने किसानों को रैटून वीडर रोटावेटर का वितरण किया गया।

मिल के प्रबंध निदेशक आदित्य झांजी ने बताया कि कंपनी ने किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने का लक्ष्य तय किया है, ताकि किसानों की आय में दोगुना वृद्धि किया जा सके।

उन्होंने कहा कि छोटे एवं मध्यम किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चीनीमिल खेती की लागत को कम करने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए वह रियायत दरों पर किसानों को कृषि यंत्र उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से किसानों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में किसान देवेंद्र सिंह, हरी सिंह, मिल के अधिकारी रविंद्र ग्रेवाल, संजीव कुमार राठी, ओपी वर्मा आदि उपस्थित रहे।

बैडमिंटन कोर्ट बनाने की मांग उठी

संवाददाता सितारगंज

सितारगंज में मंत्री सौरभ बहुगुणा का स्वागत करते बैडमिंटन क्लब के खिलाड़ी।

अमृत विचार : बैडमिंटन क्लब के खिलाड़ियों ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से शहर में बैडमिंटन कोर्ट बनाने की मांग की है।

बुधवार को दिए ज्ञापन में खिलाड़ियों ने कहा कि सितारगंज में खेलकूद की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खिलाड़ियों को खेल प्रतिभाओं को विकसित करने में समस्या हो रही है। फिलहाल, बच्चे व युवा वर्ग मंडी परिसर में स्थित अस्थायी सीमेंटेड कोर्ट पर खेलते हैं। लेकिन उसकी सफाई व्यवस्था ठीक ना होने के कारण उन्हें खेलने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल पा रहा है।

वहीं, मोहित तिवारी ने कहा कि खेलने-कूदने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है। इससे युवाओं को खेलने के प्रति प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही, नशे व अन्य सामाजिक बुराइयों से भी दूरी बनी रहती है।

वहीं उन्होंने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से सितारगंज में उपयुक्त स्थान का चयन कर बैडमिंटन कोर्ट बनाने की मांग की है। इस मौके पर हरिशंकर रस्तोगी, शंकर सरदार, अनिल रस्तोगी, चिराग मित्तल, चेतन मित्तल, आयुष जिंदल, श्रेया गोयल, ऋषि गुप्ता, हनीश कुमार, यश अग्रवाल, सत्येंद्र बंसल, अमित, आहना चौधरी, समर्थ पांडेय, सानिध्य पाण्डेय, आद्या तिवारी, आराध्या तिवारी, वेदांश बंसल आदि लोग मौजूद रहे।

कलियुग में रहना है या सतयुग में, यह हमें खुद चुनना चाहिए, हमारा युग हमारे पास ही है।
-आचार्य विनोबा भावे, संत

दूरगामी ऊर्जा रणनीति

देश के शहरी और कस्बाई घरों में स्वच्छ ईंधन की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से जारी 'पेट्रोलियम वितरण आदेश अधिसूचना 2026' के तहत पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी को लेकर सरकार का नया रुख तत्काल और दूरगामी दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण संकेत देता है। मौजूदा समय में एलपीजी सिलेंडरों की कीमत, आपूर्ति की अनिश्चितता तथा वैश्विक ऊर्जा संकट के दबाव के बीच यह कदम घरेलू ईंधन की समस्या पर आंशिक राहत दे सकता है। तात्कालिक प्रभाव के रूप में यह आदेश शहरों में पीएनजी कनेक्शन की प्रक्रिया को सरल, तेज और अपेक्षाकृत सस्ता बनाने की दिशा में मदद करेगा। इससे उन क्षेत्रों में, जहां पाइपलाइन नेटवर्क पहले से मौजूद है, एलपीजी पर निर्भरता कम करने का सहज विकल्प मिलेगा।

पीएनजी औसतन 25 से 30 प्रतिशत सस्ती और अधिक सुरक्षित मानी जाती है, इसलिए मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका तुरंत लाभ मिल सकता है। अधिसूचना 2026 के तहत पाइपलाइन बिछाने, एलएनजी यानी लिक्विफाइड नेचुरल गैस को पीएनजी में परिवर्तित करने के संयंत्र, वितरण लाइसेंसिंग और निजी-सरकारी साझेदारी को अधिक सुव्यवस्थित किया गया है। एकल-विंडो क्लियरेंस, भूमि अधिग्रहण में सहूलियत और शहरी स्थानीय निकायों के साथ समन्वय जैसे प्रावधान इस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह घरेलू ईंधन में गैस की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा, हालांकि अवसंरचना के विस्तार में चुनौती रहेगी। देश के अधिकांश हिस्सों में पाइपलाइन नेटवर्क सीमित है। इसके पीछे भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं, पर्यावरणीय मंजूरियां, ऊंची लागत और राज्यों के बीच समन्वय की कमी प्रमुख कारण हैं। पाइपलाइन बिछाना केवल तकनीकी कार्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक सहमति का भी प्रश्न है। दिलचस्प यह है कि जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां भी प्रारंभिक कनेक्शन लागत, जागरूकता की कमी और एलपीजी की सरकारी सब्सिडी के चलते कई उपभोक्ता पीएनजी नहीं अपनाते। इसी कारण एक ओर सरकार पीएनजी को बढ़ावा देती है, दूसरी ओर उज्ज्वला योजना और मुफ्त सिलेंडरों की घोषणा करती है। यह ऊर्जा संक्रमण की एक 'हाइब्रिड रणनीति' है, जहां गरीब तबके के लिए एलपीजी सुरक्षा कवच है, जबकि शहरी क्षेत्रों में पीएनजी को प्रोत्साहन देना जरूरी। सरकार का लक्ष्य 2034 तक पीएनजी कनेक्शन को दो करोड़ से बढ़ाकर 13 करोड़ करना है, लेकिन मौजूदा अवसंरचना विस्तार की गति, गैस की उपलब्धता और निवेश के स्तर को देखते हुए यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। भारत अपनी गैस आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में खपत बढ़ने का अर्थ आयात निर्भरता का और बढ़ना है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता भारत की आपूर्ति श्रृंखला के लिए जोखिम पैदा करती है। ऐसे में अमेरिका, रूस और मोजाम्बिक जैसे वैकल्पिक स्रोतों से एलएनजी आयात बढ़ाना अनिवार्य होगा।

कुल मिलाकर यह प्रयास परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया नहीं, एक दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। नीतिगत निरंतरता, निवेश और क्रियान्वयन में गति बनी रही, तो पीएनजी भारत के ऊर्जा परिदृश्य में एक निर्णायक बदलाव ला सकती है।

प्रसंगवश

मर्यादा, करुणा और धर्म के दिव्य प्रतीक प्रभु श्रीराम

'पिता दीन्ह मोहि कानन राजू', ऐसा कहकर पिता का बचाव करने का साहस केवल राम जैसा पुत्र ही दिखा सकता है। पिता दशरथ की वचनबद्धता की विवशता को समझते हुए, जिस तरह से प्रभु राम ने माता कौशल्या के सामने उनका बचाव किया, वह किसकी आंखों में आंसू नहीं ला देगा? पिता दशरथ की बेचैनी और बेबसी को अपनी मुस्कुराहट से धूमिल करने का यत्न जो श्रीराम के जीवन दर्शन में देखने को मिला, उसने पुत्र धर्म की उत्कृष्टता की गाढ़ी लकीर ही खींच दी। धर्म और वात्सल्य के बीच फंसी कौशल्या को जिन-जिन तर्कों से प्रभु ने हल्का किया वह देखने योग्य है।

एक पुत्र का यही धर्म है कि वह अपने मां-बाप को असमंजस में न रहने दे। पुत्र रूप में प्रभु श्रीराम ने यह बखूबी करके दिखाया है। श्रीराम ने अपने जीवन में तमाम मुश्किलों का सामना किया, लेकिन अपने स्वाभाविक चरित्र में वे हमेशा अवस्थित रहे। मर्यादाओं की राह पर जीवन भर चलते रहकर मर्यादा पुरुषोत्तम हो गए। जीवन जीने की अद्भुत कला उनके जीवन प्रसंगों से सीखी जा सकती है। जिंदगी सुख और दुख दोनों अवसरों को दिखाती है। सुख पाकर मनुष्य अतिप्रसन्नता में और दुख पाकर विषाद में अपनी सहजता और निजता से कहीं दूर जाकर अपने सहज स्वभाव से विचलित हो जाता है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

प्रभु श्रीराम के स्वभाव का यही वैशिष्ट्य है कि सुख और दुख में समता का पुट बना ही रहा। आज वे जगतपूज्य हैं, तो उसके पीछे यही कारण है कि लोग उनके स्वभाव और चरित्र के पुजारी हैं। माता, पिता, गुरु, शिष्य, भाई आदि तमाम संबंधों को मर्यादा के साथ उन्होंने जिया है। उनके जीवन की प्रत्येक घटना समाज के लिए प्रेरक हैं। वर्तमान में सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक मधुरता का जो लोप दृष्टिगोचर होता दिख रहा है, उसकी पुनर्स्थापना केवल और केवल श्रीराम के चरित्रों को आत्मसात करके ही संभव दिखाई देता है।

भाई-भाई में झगड़े आज की कड़वी हकीकत है। अधिकतर विवाद संपत्ति के बंटवारे को लेकर ही चलते दिखाई देते हैं। थोड़ी-थोड़ी जमीन और संपत्ति की खातिर नौबत हिंसा और अदालतों तक जा पहुंचती है, लेकिन प्रभु श्रीराम ने तो भाई भरत को अयोध्या की गद्दी हंसते हंसते सौप दी थी। जिन राम को राजतिलक देने की तैयारी चल रही थी, उन्हें अगले ही दिन वनवासी होना पड़ा हो तो कितना कष्ट हुआ होगा, लेकिन बावजूद इसके उनके चेहरे पर खिन्नता की लेशमात्र भी उपस्थिति न दिखी।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीराम चरित मानस में यह वर्णन किया है कि जिनकी श्वास प्रति श्वास में वेद के मंत्रों उनकी ऋचाओं का स्पंदन सहज ही होता था, ऐसे अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम गुरु के आश्रम में विद्याध्ययन करने जाते हैं। ऐसा करके वह जगत के लोगों को मानो यह उपदेश देते हैं कि विद्या प्राप्त करने के लिए गुरु चरणों में निमग्न होने की आवश्यकता है। साथ ही शीलता और विनम्रता के गुणों को धारण करके अकिंचन सी स्थिति में जब व्यक्ति गुरुचरणों में बैठेगा, तो गुरु कृपा का वर्षण होने में देर नहीं होगी। जगतपति जब गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र के अंगुल्यानिर्देश पर चलता है, तो कदाचित हम संसारियों को यह शिक्षा देना चाहता होगा कि ज्ञान, विज्ञान से लबालब भरे होने के बावजूद भी गुरु के लखाए मार्ग का अनुसरण ही कल्याणकारी होता है। प्रभु श्री राम ने जिंदगी भर विपत्तियों का सामना किया, किंतु अंदर की प्रसन्नता हमेशा बनाए रखी, इसीलिए कष्ट के क्षणों में लोग हे राम या हाय राम कहकर प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हैं, जिससे उन्हें संबल प्राप्त होता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

मध्य-पूर्व संघर्ष के बीच भी भारत की ग्रोथ रेट बेहतर

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एसएंडपी ग्लोबल की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की जीडीपी वृद्धि दर को वित्त वर्ष 2027 के लिए 7.1% तक रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछली रिपोर्टों से अधिक है। जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। यह साबित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद अपनी मजबूती बनाए हुए है। यह रिपोर्ट न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच कई देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। ग्रोथ रेट धीमी हो गई है, लेकिन भारत रफ्तार के साथ भाग रहा है। अगले वित्त वर्ष भी यही रफ्तार जारी रहेगी। ऐसा वैश्विक रेटिंग एजेंसी (एसएंडपी ग्लोबल) की रिपोर्ट कह रही है। एसएंडपी ग्लोबल ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 40 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की आर्थिक गति पर उसके भरोसे का संकेत है। ये अनुमान कहीं न कहीं भारत की ताकत को भी दर्शा रहे हैं।

> मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के बीच कई देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। ग्रोथ रेट धीमी हो गई है, लेकिन भारत की आर्थिक रफ्तार जारी है। एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार प्राइवेट कंजम्पशन, निवेश एवं एक्सपोर्ट ग्रोथ के सबसे बड़े ट्रिगर रहेंगे। एशियाई सेक्टर पर हर तिमाही में जारी की जाने वाली इकोनॉमिक कमेंट्री में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं कैपिटल फ्लो में उतार-चढ़ाव के चलते असर पड़ सकता है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब तक इससे ज्यादा बाधित नहीं हुई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमानों को भी बेहतर किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग और सेवाओं पर आधारित है, जो इसे वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल से सुरक्षा प्रदान करती है, हालांकि रिपोर्ट में सकारात्मक बातें हैं, लेकिन यह तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक तनावों से जुड़े जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है, हालांकॉ एसएंडपी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और कच्चे तेल के ऊंचे स्तरों से पैदा होने वाले उभरते जोखिमों की ओर इशारा किया है, जो महंगाई को और बढ़ा सकते हैं। अगर कच्चे तेल में तेजी जारी रही, तो इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में 2.5% से बढ़कर वित्त वर्ष 27 में 4.3% तक पहुंचने का अनुमान है, जो इन दबावों को दर्शाता है। एजेंसी ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया है, जिसका अर्थ है कि सरकार को अपने खर्चों और राजस्व के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है।

एक तरफ जहां एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ा दिया है, वहीं दूसरी ओर मूडीज एनालिटिक्स ने चेतावनी दी है कि अगर मध्य-पूर्व में चल रहा संघर्ष जारी रहता है, तो भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़े आर्थिक झटकों में से एक का सामना करना पड़ सकता है। इस संघर्ष भारत का उत्पादन अपने मूल अनुमानित स्तर से लगभग चार फीसदी तक गिर सकता है। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट भारत को इस क्षेत्र की सबसे सबसे ज्यादा जोखिम वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानती है। इसमें दक्षिण कोरिया और चीन भी शामिल है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच तनावों के कारण ऊर्जा की आपूर्ति बाधित होने और कमोडिटी की कीमतें बढ़ने का खतरा है।

एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखेगा। पश्चिम एशिया का संघर्ष एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर असर डालेगा, क्योंकि इनमें से कई देश ऊर्जा के बड़े आयातक हैं और पश्चिम एशिया की आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऊंची ऊर्जा कीमतें खर्च करने की शक्ति को कम करती हैं और घरेलू मांग को कमजोर करती हैं। भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में ऊंची कीमतों के कारण सब्सिडी पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है, जिससे वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ेगा।

रेटिंग एजेंसी का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू मांग, सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश और निजी क्षेत्र के निवेश चक्र के विस्तार से समर्थित रहेगी, हालांकि भू-राजनीतिक संघर्ष, प्रौद्योगिकी-आधारित व्यवधान, सार्वजनिक ऋण स्तर और जलवायु जोखिमों पर करीबी नजर रखने की जरूरत होगी। भारत में ऊर्जा कीमतों से उत्पन्न होने वाली महंगाई के आकलन के बाद आरबीआई नीतिगत सख्ती कर सकता है। एसएंडपी के अनुसार, ऐसी स्थिति में वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है।

सरकार की अवसंरचना, प्रौद्योगिकी अपनाने, कौशल विकास और बाजार पहुंच को बढ़ाने की रणनीति के कारण भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा भी बेहतर हो रही है। वित्त वर्ष 2031 तक निर्यात के लगभग 80 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना होने की उम्मीग है। निर्यात को वैश्विक मांग, सेवाओं के मजबूत निर्यात और हाल ही में हुए व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों से समर्थन मिलेगा। औद्योगिक पूंजीगत खर्च में तेजी आने का अनुमान है। औद्योगिक जगत में तेजी आने की संभावना है, क्योंकि निवेश चक्र सार्वजनिक अवसंरचना से आगे बढ़कर विनिर्माण और नए क्षेत्रों तक फैल रहा है।

आमने सामने

भाजपाइयों को सोते-जागते सिर्फ पीडीए ही सुनाई और दिखाई देता है। लोकसभा में हार की हताशा और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से ये पीडीए का नाम सुनते ही कांपने लगे हैं।
-अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी

पीडीए का राग अलापने वाले सपाइयों को सच सुनने की आदत डालनी चाहिए। सपा का तथाकथित पीडीए सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। इसका मकसद सिर्फ एक परिवार के राजनीतिक हितों और वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाना है।
-पंकज चौधरी
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

पड़ोसी नेपाल में 'उम्मीदों की बालेन सरकार'

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में आज 27 मार्च को गठन होने जा रही नई सरकार को लेकर नेपाली जनता में उत्सुकता का माहौल है। इसी के साथ हर वर्ग में आशा और विश्वास भी है। चारों ओर चर्चा है कि अब नेपाल को परिवर्तन की अनुभूति होगी। मायूसी और निराशा के बादल छटेंगे। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल, नवनियुक्त प्रधानमंत्री और मंत्रियों को शपथ ग्रहण कराएंगे। काठमांडू में जगह जगह बालेन शाह, रवि लामी छाने और सुडान गुरुंग के पोस्टर लगाए गए हैं। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की नई सरकार को सत्ता सौंपने की तैयारी में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री और मंत्रियों के शपथ से पहले 26 मार्च को सभी सांसदों का शपथ ग्रहण होगा।

नेपाल करीब 400 सालों तक राजशाही के अधीन था। पृथ्वी नारायण शाह को नेपाल का जनक माना जाता है। राजशाही से मुक्ति के लिए राजनीतिक दलों ने यदा-कदा आंदोलन जरूर चलाया, लेकिन इसमें कामयाबी 2008 में जनयुद्ध नाम से चले हिंसक आंदोलन के बाद मिली। माओइस्ट नेता प्रचंड और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में सालों साल चले इस आंदोलन में करीब पांच हजार लोग मारे गए। राजा समर्थक राजनेताओं और जमींदारों के घर जलाए गए, उनकी हत्याएं की गई। इस भारी खून-खराबा से घबराए तत्कालीन नरेश ज्ञानेंद्र ने सत्ता त्यागने की घोषणा की। कहना न होगा नेपाल को लोकतंत्र के सूर्योदय के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी।

> जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना यद्यपि आसान नहीं है, लेकिन नई सरकार यदि 50 फीसदी ही जनता की अपेक्षा पर खरा उतर पाई, तो यह बड़ी कामयाबी होगी।

2008 में हुए संविधान सभा के चुनाव में अपूर्ण बहुमत के बावजूद प्रचंड प्रधानमंत्री बने, लेकिन नौ माह बाद ही उन्हें सत्ता छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। 2026 में संपन्न हुए चुनाव तक नेपाल को अस्थिर और गठबंधन सरकार का बोझ ढोने को मजबूर होना पड़ा। इस दौरान करीब 13 प्रधानमंत्री आए-गए, लेकिन नेपाल जस का तस रहा। भ्रष्टाचार इस स्तर तक चरम पर पहुंच गया कि सत्ता और विपक्ष के शीर्ष नेताओं तक के हाथ इसमें सने हुए मिले। नेपाली जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगी। केपी शर्मा ओली अंतिम प्रधानमंत्री साबित हुए, जिसे दुनिया ने देखा कि किस तरह जेन जी आंदोलनकारियों ने भारी अपमान के बीच सत्ता छोड़ने को मजबूर किया। इसके अलावा अन्य दूसरी पार्टियों के वरिष्ठ नेता भी किस कदर खेत-खेत भागकर अपनी जान बचा पाए, यह भी दुनिया ने देखा।

किसी सरकार के प्रति जनता जब गुस्सा होती है, तो उसका क्या हश्र होता है, नेपाली जनता ने यह कर दिखाया, बहरहाल उसके बाद नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। फिर छः महीने बाद चुनाव हुए और इस चुनाव में सर्वथा पहली बार नेपाल को पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब हुई, दरअसल नेपाली जनता को राजशाही से असल मुक्ति अब महसूस हुई, लेकिन अनुभूति होना अभी बाकी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी जिस पार्टी की सरकार सत्तारूढ़ होने जा रही है, उससे जनता को बहुत ज्यादा उम्मीदें है। इन उम्मीदों पर खरा उतरना यद्यपि आसान नहीं है, लेकिन नई सरकार यदि पचास प्रतिशत ही जनता की अपेक्षा पर खरा उतर पाई तो यह बड़ी कामयाबी होगी।

नई सरकार का मुखिया बालेन शाह का ही बनना तय है। इस पद को लेकर चल रही कयासबाजी और शंका-आशंका सब निर्मूल हैं। बालेन मंत्रिमंडल में फिलहाल उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामी छाने होंगे। जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है। तराई, जो सरकार में अहम भागीदारी से अछूता रह जाता रहा है, यहां से भी कम से कम चार मंत्री होंगे। काफी संभावना है, भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिले से सांसद चुने गए पूर्व पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह थापा को बालेन शाह सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय मिल सकता है। विक्रम सिंह थापा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से सांसद चुने गए हैं। बालेन मंत्रिमंडल में क्षेत्र और जाति संतुलन पर विशेष ध्यान होगा। बालेन मंत्रिमंडल में अपेक्षाकृत युवा चेहरे भी होंगे।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म अभी पिछले चुनाव में ही हुआ है। पहली मर्तबा चुनाव में उतरी इस पार्टी को 20 सीटें हासिल हुईं थीं। इस बार के चुनाव में इस पार्टी की सुनामी थी, जिसमें पुरानी पार्टियों के सारे धुरंधर धराशाई हो गए। देखा जाए तो नेपाल के लोकतांत्रिक इतिहास में सर्वथा पहली बार किसी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। बालेन सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर नेपाल के पड़ोसी देशों में भी उत्सुकता देखी जा रही है। अपेक्षाकृत राजनीतिक रूप से बिल्कुल ही अपरिपक्व बालेन सरकार नेपाल के लिए क्या कुछ कर पाती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह को कुछ साल तक महज एक नगर निगम को चलाने का अनुभव है, जबकि संभावित गृहमंत्री रवि लामी छाने ओली सरकार में कुछ माह तक गृहमंत्री रहे हैं। अपेक्षाकृत कम अनुभवी इस सरकार के कामकाज के तरीकों, विदेश नीति, पड़ोसी देशों से रिश्ते को लेकर नेपाल से मोहब्बत करने वाले देशों में भारी उत्सुकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

युद्ध व बाजार के बीच जीवन

आज से 40 या 50 साल पहले ऐसे युद्धों से भारत की जनता को कोई खास फ़र्क नहीं पड़ता था.. और महज़ 100 साल पहले तो लोगों को पता भी नहीं चलता था कि उनके गांव से दूर, दूसरी दुनिया में क्या हो रहा है और चाहे डीज़ल और एलपीजी के जहाज़ आएं या न आएं, सबकी ज़िंदगी वैसे ही चलती थी, जैसी चल रही थी। किसान अपने खेतों और बारिश पर निर्भर था न कि बिजली और डीज़ल पर। लोगों का जीवन प्रकृति पर निर्भर था।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

आज हम मनुष्यों की तरक्की दरअसल हवा का एक बुलबुला है। पूरी तरह से बाज़ार और साम्राज्यवाद पर निर्भर जीवन को हम मनुष्य तरक्की बोलते हैं और फिर चाहे कितने बड़े साहित्यकार हों या लेखक या कितने भी बड़े आधुनिक दार्शनिक, ये सब इसी तरक्की के गुण गाते फिरते हैं।

दिल्ली, मुंबई और इस जैसे तमाम शहर पूरी तरह से अप्राकृतिक हैं और गुलामों की बस्तियां हैं। ठीक वैसे, जैसे मिस्र के पिरामिड के समय सालों तक गुलामों की बस्तियां पिरामिड के पास बनी रहती थीं। दिल्ली में बिजली भेजने वाले अगर किसी संयंत्र पर हमला हो जाए और मात्र दस दिनों के लिए ही बिजली बंद हो जाए, तो आपके जो करोड़ों के घर हैं, वहां आपको पानी तक नहीं मिलेगा और कुछ ही दिनों में हजारों जाने चली जाएंगी। ये आपकी तरक्की का बुलबुला है। आप कितनी भी बड़ी कंपनी में नौकरी कर रहे हैं, कितने भी पैसे कमा रहे हैं, कितने भी ऐश से रह रहे हैं, आपकी नस्लें बिना बिजली और एलपीजी के विलुप्त हो जाएंगी और अंत में बचेंगे सिर्फ़ वो जो आपकी 'तरक्की' के पैमानों पर निर्भर नहीं होते हैं।

हमारे लिए अभी सवेरा है। हमेशा ऐसा विकल्प ले कर चलिए, जहां आप और आपकी नस्लें प्राकृतिक रूप से जीवन जी सकें। पचासों हज़ार और लाखों की ईएमआई भरते रहते हैं आप इन दिल्ली और मुंबई के 'कूड़ा' जैसे घरों के लिए और आप उसी में से जोड़कर दो चार बीघे खेत कहीं दूर गांव में नहीं खरीदते हैं, जबकि इन बेकार के घरों के मुकाबले खेत खरीदना कहीं आसान और सस्ता होता है।

सिर्फ़ खेत मत खरीदिए, खेत खरीदने के दो चार साल के भीतर ही वहां रहने लायक एक बिल्कुल छोटा सा आशियाना बना लीजिए जो बड़ी छोटी सी लागत से बन जाएगा और अपने बच्चों को वहां लंबी छुट्टी पर ले जाइए। लाखों खर्च करके मालदीव्स और दूसरी जगहों पर जाने से कहीं बेहतर है अपने बच्चों को अपने खेत में प्रकृति के साथ जीना, बोना और खाना सिखाइए। ये उनके सर्वाइवल के लिए काम आएगा। -फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महिला उद्यमिता के साथ ही विकास को मिलेगी गति

भारत में आर्थिक प्रगति के लिए सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। इस संदर्भ में महिला उद्यमिता एक ऐसी शक्ति के रूप में उभर कर सामने आई है, जो न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रही है। आज महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं की सीमाओं को तोड़कर व्यापार, उद्योग, सेवा क्षेत्र और स्टार्टअप में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। छोटे घरेलू व्यवसायों से लेकर बड़े उद्योगों तक, महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हो सकती हैं। उनके द्वारा स्थापित उद्योग न केवल उनके परिवार की आय को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में रोजगार के अवसर भी सृजित करते हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं, जैसे- स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैंड-अप इंडिया महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स ने महिलाओं को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया है।

डॉ. वंदना शर्मा
प्रिंसिपल

महिला उद्यमी वही हैं, जो अपना उद्यम शुरू करे। उसकी व्यवस्था संभालें और उसके लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी निभाती हैं। भारत सरकार के अनुसार महिला उद्यमी होने के लिए उद्यम की वित्तीय भागीदारी में कम से कम 50 प्रतिशत योगदान होना आवश्यक है। इस तरह, प्रमुख वित्तीय भागीदारी होने पर ही एक महिला उद्यमी की श्रेणी में मानी जाएगी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार देश के कुल उद्यमियों में से केवल 15 प्रतिशत ही महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश व्यापार या विनिर्माण में छोटे पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। महिला उद्यमियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और विभिन्न उद्योगों में उन्हें पहचान और मान्यता भी मिल रही है।

महिला उद्यमिता के मार्ग में कई चुनौतियां भी हैं। सामाजिक रूढ़ियां, वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी ज्ञान का अभाव और पारिवारिक जिम्मेदारियां महिलाओं की प्रगति में बाधा बनती हैं। महिलाओं को पुरुष प्रधान मानसिकता वाले माहौल में काम करना होता है, जहां उन्हें लैंगिक भेदभाव और पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है। यह भी देखा गया है कि कानूनों और नीतियों के बावजूद महिलाओं के लिए व्यापार करना कई बार मुश्किल हो जाता है। अभी भी ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी सीमित है। महिला उद्यमियों के समक्ष एक चुनौती यह भी है कि सामाजिक बंधनों और पारंपरिक सोच के कारण उनका व्यापार नेटवर्क इतना मजबूत नहीं हो पाता और उन्हें हर प्रयास स्वयं ही करना पड़ता है। इसी कारण महिलाओं को पर्याप्त मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता होती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है कि समाज में जागरूकता बढ़ाई जाए और महिलाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधार रहा है, बल्कि उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिला रहा है। अतः महिला उद्यमिता केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला है। यदि महिलाओं को उचित अवसर और समर्थन मिले, तो वे भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

खोज

ऐसे हुआ एलपीजी का आविष्कार

बीसवीं सदी की शुरुआत में पेट्रोल सिर्फ ईंधन नहीं, बल्कि एक बड़ी पहेली भी था। उस दौर में इसे संभालना आसान नहीं था- जरा-सी लापरवाही और पेट्रोल हवा में उड़ जाता। भंडारण और परिवहन के दौरान इसका तेजी से वाष्प में बदल जाना ईंधन विक्रेताओं के लिए भारी नुकसान और खतरनाक हादसों की वजह बन रहा था। कंटेनरों के अंदर बनने वाली गैसें कभी भी विस्फोट का कारण बन सकती थीं। इसी समस्या ने अमेरिकी वैज्ञानिक वाल्टर ओ. स्नेलिंग को सोचने पर मजबूर किया। 1910 में उनकी जांच एक साधारण शिकायत से शुरू हुई। एक व्यक्ति ने बताया कि घर पहुंचते-पहुंचते उसका आधा पेट्रोल गायब हो गया। यह सुनकर स्नेलिंग ने पेट्रोल के व्यवहार को समझने का फैसला किया। अपने प्रयोगों में उन्होंने पाया कि पेट्रोल के भीतर प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसें मौजूद होती हैं, जो सामान्य तापमान पर तेजी से उड़ जाती हैं। जहां बाकी लोग इन्हें बेकार समझते थे, वहीं स्नेलिंग ने इन्हें एक अवसर के रूप में देखा। उन्होंने साधारण उपकरणों की मदद से इन गैसों को अलग किया और दबाव में लाकर तरल रूप में बदल दिया। यहीं से जन्म हुआ एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस का। स्नेलिंग ने पाया कि यह गैस न केवल आसानी से जलती है, बल्कि खाना पकाने, हीटिंग और रोशनी के लिए बेहद उपयोगी भी है। 1912 में इसका पहला घरेलू उपयोग हुआ और 1913 में उन्होंने इस प्रक्रिया का पेटेंट भी करवा लिया। आज एलपीजी दुनियाभर में रसोई से लेकर उद्योगों तक हर जगह इस्तेमाल हो रही है। एक छोटी-सी समस्या से शुरू हुई यह खोज आज करोड़ों लोगों की जिंदगी आसान बना रही है।

वैज्ञानिक के बारे में

वाल्टर ओ. स्नेलिंग का जन्म 1880 में अमेरिका में हुआ था। वे पेशे से रसायनशास्त्री थे और ईंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध किए। उन्होंने हार्वर्ड, येल और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की। 1907 में उन्होंने पानी के नीचे डेटोनेटर का आविष्कार किया, जो पनामा नहर निर्माण में अमेरिकी सरकार को सालाना 5 लाख डॉलर बचाने में सहायक रहा। 1910 में यूएस ब्यूरो ऑफ माइंस के विस्फोटक प्रयोगशाला के प्रमुख बने। उन्होंने विस्फोटकों पर 179 पेटेंट कराए। उनका निधन 1965 में हुआ।

एजेंटिक ब्राउजर
इंटरनेट का नया 'स्मार्ट सारथी'

कल्पना कीजिए कि आप अपने मोबाइल या कंप्यूटर से बस इतना कहें- "अगले महीने मुंबई जाने के लिए सबसे सस्ती फ्लाइट ढूंढकर टिकट बुक कर दो" और आपका ब्राउजर खुद अलग-अलग वेबसाइटों पर जाए, कीमतों की तुलना करे और आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प चुन ले। कुछ समय पहले तक इस तरह की बातें साइंस-फिक्शन जैसी लगती थीं, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया में यह तेजी से वास्तविकता बन रही है। इस तकनीक को "एजेंटिक ब्राउजर" कहा जा रहा है- ऐसे ब्राउजर जो केवल वेबसाइट दिखाते नहीं, बल्कि उपयोगकर्ता की ओर से इंटरनेट पर काम भी कर सकते हैं। अब तक ब्राउजर एक खिड़की की तरह थे, जिनसे हम वेब देखते थे, लेकिन अब वे एक तरह के डिजिटल सहायक या प्रतिनिधि बनने की ओर बढ़ते दिखने लगे हैं। इंटरनेट का अनुभव 'खुद खोजने और क्लिक करने' से बदलकर 'लक्ष्य बताने और काम करवाने' की दिशा में बढ़ रहा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्लिक से उद्देश्य तक ब्राउजिंग का नया मॉडल

अब तक हम क्रोम, मोजिला फायर फॉक्स, सफारी, एज जैसे ब्राउजर का इस्तेमाल मुख्यतः वेबसाइट देखने के लिए करते रहे हैं। कोई जानकारी चाहिए तो सर्च करना पड़ता है, कई लिंक खोलने पड़ते हैं और जरूरी फॉर्म या भुगतान जैसी प्रक्रियाएं खुद पूरी करनी पड़ती हैं। एजेंटिक ब्राउजर इस पूरी प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें लगे कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) आधारित एजेंट उपयोगकर्ता के उद्देश्य को समझते हैं और फिर उसी के आधार पर इंटरनेट पर काम करते हैं। वे वेबसाइट खोलते हैं, जानकारी इकट्ठा करते हैं, तुलना करते हैं और कई बार पूरी प्रक्रिया भी पूरी कर देते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो इंटरनेट का अनुभव अब केवल जानकारी खोजने तक सीमित नहीं रह रहा, बल्कि डिजिटल काम करवाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रोजमर्रा के काम कैसे बदलेंगे

अभी इंटरनेट पर किसी साधारण काम के लिए भी उपयोगकर्ता को कई चरणों से गुजरना पड़ता है। वेबसाइट ढूंढना, अलग-अलग विकल्प देखना, जानकारी पढ़ना और फिर निर्णय लेना। एजेंटिक ब्राउजर इंटरनेट पर बिखरे हुए कामों को एक क्रम में जोड़कर इस पूरी प्रक्रिया को सरल और संगठित बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई उपयोगकर्ता ब्राउजर से कहे कि "मुझे 2000 रुपये से कम कीमत के नीले रंग के रनिंग शूज चाहिए, जिनकी रेटिंग चार स्टार से ऊपर हो," तो एजेंटिक ब्राउज़र अलग-अलग ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर जाकर विकल्प खोज सकता है और सबसे उपयुक्त उत्पाद सामने रख सकता है। इसी तरह यात्रा की योजना बनाते समय यह विभिन्न एयरलाइन और होटल वेबसाइटों से जानकारी लेकर कीमतों और सुविधाओं की तुलना कर सकता है। किसी लंबी रिपोर्ट या शोधपत्र को पढ़ने के बजाय ब्राउजर उसका सार और मुख्य बिंदु तैयार कर सकता है। सरकारी सेवाओं या ऑनलाइन प्रक्रियाओं में भी यह तकनीक मददगार हो सकती है- जैसे ट्रेन टिकट बुक करना, बिल जमा करना या किसी आवेदन की प्रक्रिया पूरी करना, जिनमें अक्सर कई चरण होते हैं। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है, तो इंटरनेट का अनुभव भी बदल सकता है। उपयोगकर्ता हर क्लिक खुद करने के बजाय केवल अपना लक्ष्य बताएगा और ब्राउजर उस तक पहुंचने के लिए जरूरी डिजिटल प्रक्रियाओं को क्रमबद्ध कर देगा। इस तरह वेब धीरे-धीरे केवल वेबसाइटों का संग्रह नहीं रहेगा, बल्कि एक ऐसेडिजिटल कार्य-परिसरमें बदल सकता है, जहां खोज, विश्लेषण और कार्रवाई एक ही जगह पर संभव हों।

भारत के लिए इसका महत्व

भारत जैसे देश में एजेंटिक ब्राउजर का महत्व और भी बढ़ सकता है। यहां करोड़ों लोग इंटरनेट का उपयोग तो करते हैं, लेकिन जटिल वेबसाइटों और ऑनलाइन प्रक्रियाओं से अक्सर घबराते हैं। यदि ब्राउजर उपयोगकर्ता की भाषा में बातचीत कर सके और उसके लिए आवश्यक काम कर सके, तो यह डिजिटल सेवाओं को अधिक सुलभ बना सकता है। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में बातचीत करने वाले एजेंटिक ब्राउजर उन लोगों के लिए इंटरनेट को आसान बना सकते हैं, जो अभी तकनीकी रूप से बहुत सहज नहीं हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के नए इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए यह तकनीक एक तरह का डिजिटल साथी बन सकती है।

तकनीकी कंपनियों के बीच नई दौड़

- एजेंटिक ब्राउजर ने टेक कंपनियों के बीच एक नई होड़ छेड़ दी है। ब्राउजर अब केवल इंटरफेस नहीं, बल्कि एक्जीक्यूशन लेयर बन रहा है, जो आपकी डिजिटल पहचान के नाम पर फैसले ले सकता है और लेन-देन भी कर सकता है।
- कुछ साल पहले तक ब्राउज़र बाज़ार में क्रोम, मोजिला फायर फॉक्स, सफारी और एज जैसे नाम ही हावी थे, अब हर दिग्गज कंपनी चाहती है कि इंटरनेट पर उपयोगकर्ता जो भी करे, उसका पहला और आखिरी साथी वही ब्राउजर हो। ओपेन एआई का चैट-जीपीटी एटलस एड्रेस बार की जगह एआई को बैठाकर ब्राउजर की पारंपरिक परिभाषा बदल देता है। यह एजेंट मोड में खुद वेबसाइटों पर जाकर जानकारी जुटा सकता है, तुलना कर सकता है और कई मामलों में फॉर्म भरने व बुकिंग तक की प्रक्रिया संभाल सकता है। गूगल क्रोम अपने उपयोगकर्ताओं तक जेमिनी आधारित आटो ब्राउज के जरिए यह दिखाना चाहता है कि वही पुराना ब्राउजर अब नए दिमाग के साथ लौट आया है, जहां सारांश, शोध और डेटा विश्लेषण सब कुछ ब्राउजर के भीतर होता है।
- इसी दौड़ में Perplexity का Comet भी है। एआई नेटिव यह ब्राउजर Comet Assistant के माध्यम से अलग-अलग वेबसाइटों के बीच नेविगेट कर जानकारी इकट्ठा करता है, कई स्रोतों से डेटा जोड़कर सुझाव देता है और हाल के अपडेट्स के बाद उपयोगकर्ता की अनुमति लेकर कुछ बहुचरणीय ऑनलाइन प्रक्रियाओं को भी अपने आप व्यवस्थित कर सकता है। Microsoft Edge का Copilot Mode Windows, Office और क्लाउड सेवाओं को जोड़कर ब्राउजर को पूरे डिजिटल कार्यप्रवाह का सहायक बनाने की दिशा में काम कर रहा है।
- Opera Neon और The Browser Company का Dia जैसे नए खिलाड़ी पूरी तरह एआई संचालित इंटरफेस, ऑटोमेटेड टैब मैनेजमेंट और संदर्भ आधारित नेविगेशन जैसे प्रयोगों के जरिए इस दौड़ को और तेज कर रहे हैं। चेहरे भले अलग-अलग हों, लक्ष्य एक ही है। आपके रोजमर्रा के डिजिटल कामों की रस्सियां अपने हाथ में लेना।

सुविधा के साथ चुनौतियां भी

हर नई तकनीक की तरह एजेंटिक ब्राउजर के साथ भी कुछ चिंताएं जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ा सवाल डेटा गोपनीयता का है। क्योंकि ब्राउजर उपयोगकर्ता की ओर से काम करेगा, उसे उसकी पसंद, व्यवहार और कई बार संवेदनशील जानकारी तक पहुंच हो सकती है। इसलिए सुरक्षा और पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण होंगी। जितना अधिक अधिकार हम ब्राउजर एजेंट को देंगे, उतनी ही गहरी हमारी निर्भरता और जोखिम दोनों होंगे। चूंकि ये एजेंट हमारी पहचान के नाम पर वेबसाइटों पर कार्रवाई करते हैं, गलत कॉन्फ़िगरेशन या साइबर हमले की स्थिति में आर्थिक धोखाधड़ी, डेटा चोरी और "स्वचालित" दुरुपयोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। एजेंटिक ब्राउजर यदि स्कैमर्स के नियंत्रण में आ गए, तो बड़े पैमाने पर ठगी के उपकरण भी बन सकते हैं, खासकर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन, मेमोरी मैनिप्युलेशन और क्रॉस सेशन अटैक जैसे बड़े खतरे दरकिनार नहीं किए जा सकते। इसके अलावा यह भी सवाल उठता है कि क्या हम धीरे-धीरे इतनी स्वचालित तकनीक पर निर्भर हो जाएंगे कि खुद जानकारी खोजने की आदत कम हो जाएगी। भारत के संदर्भ में एजेंटिक ब्राउजर का उभार एक नई नीतिगत चुनौती भी प्रस्तुत करता है। भारत सरकार का डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 अभी पूरी तरह लागू हो रहा है और एजेंटिक ब्राउजर जैसी तकनीक इसकी सीमाओं को परीक्षण में डालेगी। जब कोई एआई ब्राउजर उपयोगकर्ता की ओर से स्वचालित रूप से फॉर्म भरता है, सेवाएं बुक करता है और डेटा साझा करता है, तो "सहमति" की अवधारणा धुंधली हो जाती है। डीपीडीपी अधिनियम के अंतर्गत डेटा फिड्यूशरी की जवाबदेही स्पष्ट है, लेकिन एजेंटिक ब्राउजर इस जवाबदेही की श्रृंखला को जटिल बनाते हैं। भारतीय नीति-निर्माताओं को इस तकनीक के व्यापक प्रसार से पहले स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करना होगा।

भविष्य की दिशा

यह स्पष्ट है कि ब्राउजर तकनीक एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। जिस प्रकार सर्च इंजन ने वेब को व्यवस्थित किया और स्मार्टफोन ने इंटरनेट को हर व्यक्ति की जेब तक पहुंचाया, उसी प्रकार एजेंटिक ब्राउजर इंटरनेट को अधिक बुद्धिमान और अधिक स्वचालित अनुभव में बदल सकते हैं। भविष्य में ब्राउजर केवल वेबसाइट देखने का माध्यम नहीं रहेंगे, बल्कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म बनेंगे, जहां खोज, विश्लेषण, संवाद और निर्णय के साथ सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध हों, लेकिन इस परिवर्तन की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीकी कंपनियां, नीति-निर्माता और उपयोगकर्ता मिलकर इस नई तकनीक को किस प्रकार आकार देते हैं। क्योंकि इंटरनेट का अगला इंटरफेस निश्चित रूप से एजेंटिक होगा, पर यह अभी तय होना बाकी है कि वह उपयोगकर्ता को अधिक स्वतंत्र बनाएगा या डिजिटल दुनिया के नए द्वारपाल तैयार करेगा।

रोचक फैक्ट

पेड़ों की संख्या हमारी आकाशगंगा के तारों से अधिक

पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच तुलना हमेशा से मानव जिज्ञासा का विषय रही है, लेकिन एक रोचक तथ्य यह है कि हमारे ग्रह पर मौजूद पेड़ों की संख्या हमारी आकाशगंगा के तारों से भी अधिक हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, Milky Way Galaxy में लगभग 100 अरब से 400 अरब तारे मौजूद हैं। यह आंकड़ा विशाल है, लेकिन जब बात पृथ्वी पर पेड़ों की आती है, तो यह संख्या और भी चौंकाने वाली हो जाती है। वर्ष 2015 में प्रतिष्ठित जर्नल नेचर में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन ने अनुमान लगाया कि दुनिया में लगभग 3.04 ट्रिलियन पेड़ हैं। यह शोध येल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया था, जिसमें सैटेलाइट इमेजरी और फील्ड डेटा का उपयोग कर अब तक का सबसे व्यापक वृक्ष गणना विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। हालांकि यह संख्या प्रभावशाली है, वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि मानव गतिविधियों के कारण हर साल लगभग 15 अरब पेड़ नष्ट हो रहे हैं। वनों की कटाई, शहरीकरण और कृषि विस्तार इसके प्रमुख कारण हैं। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी का हरित आवरण न केवल जलवायु संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि यह कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ग्लोबल वार्मिंग को भी नियंत्रित करता है। हाल के वर्षों में नई तकनीकों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट मैपिंग, ने वृक्षों की गणना और उनके स्वास्थ्य का विश्लेषण और अधिक सटीक बना दिया है। 2021 के बाद के अध्ययनों में यह पाया गया है कि कुछ क्षेत्रों में वृक्षारोपण और संरक्षण प्रयासों के कारण हरित क्षेत्र में सुधार हुआ है, लेकिन कुल मिलाकर वैश्विक स्तर पर वृक्षों की संख्या अब भी घटती प्रवृत्ति में है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्तमान दर से पेड़ों की कटाई जारी रही, तो आने वाले दशकों में यह संख्या और तेजी से घट सकती है, जिससे जैव विविधता, जल चक्र और जलवायु पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इसलिए "एक पेड़ लगाओ" जैसे अभियानों से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर वन संरक्षण नीतियों और सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता है। यह तथ्य न केवल हमें पृथ्वी की जैविक समृद्धि का एहसास कराता है, बल्कि यह भी बताता है कि हमारी जिम्मेदारी कितनी बड़ी है। जहां एक ओर हम अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमें अपने ही ग्रह की इस अनमोल संपदा पेड़ों की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है।

जंगल से सड़क तक मानव-वन्य जीव संघर्ष

पिछले दिनों खीरी जिले में घटित तीन प्रमुख मानव वन्य जीव संघर्ष ने मानव जीवन में हलचल मचा दी है। पहली घटना धौरहरा वन रेंज की है, जहां खेत में घुसे तेंदुए ने किसान को लहू लुहान कर दिया। दूसरी घटना भी खीरी जिले के कोतवाली तिकुनिया के बनवीरपुर गांव की है, जहां युवक को तेंदुए ने घायल कर दिया। तीसरी घटना महेशपुर वनरेंज के नंदलालपुर गांव की है, जहां बाघ के हमले में युवक की मौत हो गई और यह तीनों घटनाएं एक ही दिन में घटित हुई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानव वन्य जीव संघर्ष कितना घातक रूप से बढ़ता ही जा रहा है। स्थिति यह है कि लोग खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। आशंका है किसी समय तेंदुए या वन्य जीव हमले की, लेकिन क्या? यह सब स्थितियां एक दिन में पैदा हो गईं तो इसका उत्तर है नहीं, बल्कि अनुचित एवं अनवरत मानवीय क्रियाकलापों ने यह स्थिति पैदा की है, जिससे मानव-वन्य जीव संघर्ष की यह नई इबादत तैयार हो रही है और दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। वस्तुतः मानव-वन्य जीव संघर्ष तब होता है, जब जंगली जानवरों और इंसानों के बीच नकारात्मक अंतः क्रिया होती है, आइए इसके कारणो का विश्लेषण करते हैं कि आखिरकार यह संघर्ष क्यों और कैसे पैदा हुआ?

रवीन्द्र त्रिपाठी
शिक्षक

पहला कारण है कि तेजी से बढ़ता हुआ शहरीकरण इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि जहां पर शहर बस जाता है, वहां पर वन लगभग शून्य ही रहता है, ऐसे में इन वन्य जीवों के लिए रहना, भोजन, पानी इत्यादि आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है, इससे वन्य जीव मानव बस्तियों में आना शुरू कर देते हैं, जिससे मानव वन्य जीव संघर्ष प्रारंभ होता है।

दूसरा प्रमुख कारण मानव वन्य जीव संघर्ष का है, कृषि विस्तार के लिए वनों की कटाई बढ़ता शहरीकरण खेतों को लीलता जा रहा है, वहीं उन्हीं खेतों की पूर्ति के लिए लगातार जंगल काटे जा रहे हैं। जंगलों के काटे जाने से जंगल लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं, जिससे इन वन्य जीवों को मानव बस्तियों में आना पड़ रहा है, फलस्वरुप मानव वन्य जीव संघर्ष बढ़ता जा रहा है। तीसरा कारण है, बढ़ती जनसंख्या। बढ़ती जनसंख्या के कारण आज मानव बस्तियां जंगलों के काफी समीप पहुंच गई हैं। पहले वह जंगलों से बहुत दूर हुआ करती थीं। मानव का हस्तक्षेप वनों में अधिक हो रहा है। तमाम शिकारी वनों में शिकार करने चले जाते हैं, जिससे इन वन्य जीवो को वनों में शिकार नहीं मिल पाते हैं। जंगलों में शिकार न मिल पाने के कारण अपनी भूख मिटाने के लिए यह वन्य जीव मानव बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव-वन्य जीव संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ता विकास भी इसका एक कारण है। कुछ दिनों पूर्व मैंने अपने एक लेख में जिसका शीर्षक था 'खाली होते गांव और बड़े होते शहर' में मैंने बताया था किस प्रकार शहरों की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे सरकार को विकास की गति देने के लिए अनेक नए राजमार्गों का निर्माण करना पड़ रहा है, ऐसा विकास शहरों में आवागमन के लिए जरूरी भी है, लेकिन यह विकास खेतों को लगातार छोटा कर रहा है। जब सड़कों का चौड़ीकरण होता है या नए राजमार्ग निकाल जाते हैं, तो बहुत बड़ी मात्रा में वनों की कटाई होती है, जिससे वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास लगातार सिकुड़ रहे हैं, आवासों के सिकुड़ने से उनके संसाधनों में कमी आ रही है, जिससे वन्य जीवों का आवागमन मानव बस्तियों में लगातार बढ़ता जा रहा है। मानव-वन्य जीव संघर्ष का दुष्परिणाम आए दिन सामने आ रहे हैं। बाघ, तेंदुए मानव बस्तियों में घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे मानव जीवन को खतरा है। मानव-वन्य जीव संघर्ष में मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। दूसरा दुष्प्रभाव फसल और पशुधन पर पड़ रहा है। बाघ और तेंदुए गांवों में भैंसों एवं गायों का शिकार कर रहे हैं। पलिया वन रेंज में आधे से ज्यादा गन्ने की फसल हाथियों द्वारा रौद दी जाती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है इस प्रकार इस संघर्ष से फसल पशुधन मानव जाति सभी को गंभीर खतरा है।

इस समस्या के निराकरण में पहला कदम यह होना चाहिए कि वनों की कटाई पर रोक लगाई जाए, इससे उनके प्राकृतिक आवास बचे रहेंगे। दूसरा उपाय यह है कि राजमार्गों इत्यादि को वन क्षेत्र से न गुजारा जाए हो सके तो उन्हें, मानव बस्तियों से ले जाया जाए, इससे जहां एक ओर मानव को सुविधा होगी, वहीं दूसरी और जंगल सुरक्षित रहने से वन्य जीवों का आवागमन मानव बस्तियों की ओर रुकेगा। तीसरा उपाय है, यह है कि प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग सक्रिय रहे और ड्रोन कैमरे से इन पर नजर रखी जाए और वनों में उनके प्राकृतिक आवासों को प्राकृतिक तरीके से सुसज्जित किया जाए ताकि यह वन में रहे।

वाइल्ड लाइफ

उड़ने वाली गिलहरी

अरुणाचल प्रदेश के घने जंगलों में स्थित नामदफा नेशनल पार्क जैव विविधता का अनमोल खजाना है। इसी समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र में एक बेहद रोचक और दुर्लभ जीव पाया जाता है- उड़ने वाली गिलहरी। यह अनोखा स्तनधारी वास्तव में उड़ता नहीं, बल्कि अपने शरीर की विशेष झिल्ली (पैटाजियम) की मदद से एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक आसानी से फिसल (ग्लाइड) करता है। उड़ने वाली गिलहरी की यह क्षमता उसे जंगल में जीवित रहने में महत्वपूर्ण बढ़त देती है। ऊंचे-ऊंचे पेड़ों के बीच यह बिना जमीन पर उतरे लंबी दूरी तय कर लेती है, जिससे वह जमीन पर मौजूद शिकारी जीवों जैसे सांप या जंगली बिल्ली से खुद को सुरक्षित रखती है। यह प्रजाति मुख्यतः निशाचर होती है यानी रात के समय सक्रिय रहती है और दिन में पेड़ों की खोखली शाखाओं या घोंसलों में छिपी रहती है। उत्तर-पूर्व भारत में पाई जाने वाली प्रमुख प्रजातियों में रेड जाइंट फ्लाइंग स्क्विरल और नामदफा फ्लाइंग स्क्विरल शामिल हैं। इनमें से नामदफा फ्लाइंग स्क्विरल अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है और इसके बारे में वैज्ञानिक जानकारी भी सीमित है। इसकी खोज ने इस क्षेत्र के पारिस्थितिक महत्व को और अधिक उजागर किया है।

हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने पाया है कि उड़ने वाली गिलहरियां बीज फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे फल और बीज खाकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं, जिससे जंगलों के पुनर्जीवन और संतुलन में मदद मिलती है। इस तरह यह छोटा-सा जीव पूरे वन तंत्र के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी कड़ी बन जाता है। हालांकि वनों की कटाई और मानव हस्तक्षेप के कारण इनका प्राकृतिक आवास लगातार सिकुड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन भी इनके जीवन चक्र और भोजन की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के अनुसार, कई उड़ने वाली गिलहरी प्रजातियां संकटग्रस्त या डेटा-अभाव श्रेणी में आती हैं, जिससे इनके संरक्षण की आवश्यकता और बढ़ जाती है। नामदफा नेशनल पार्क जैसे संरक्षित क्षेत्र इन जीवों के लिए सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हैं, लेकिन केवल संरक्षित क्षेत्र ही पर्याप्त नहीं हैं। स्थानीय समुदायों की भागीदारी, जागरूकता और सतत विकास नीतियां भी उतनी ही जरूरी हैं। यह शर्मीला और सुंदर जीव न केवल उत्तर-पूर्व भारत की प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि प्रकृति के हर छोटे-बड़े जीव का अपना महत्व है। उड़ने वाली गिलहरी हमें सिखाती है कि संतुलन और अनुकूलन ही जंगल के जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

भारतबेंज ने महाराष्ट्र में खोली दो नयी डीलरशिप

नयी दिल्ली। डेमलर ट्रक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स ने गुरुवार को महाराष्ट्र के तलेगांव (पुणे) और मालेगांव (नासिक जिला) में ऑटोबान ट्रकिंग के नाम से दो नये भारतबेंज डीलरशिप के उद्घाटन की घोषणा की। ये नयी डीलरशिप भारतबेंज के निरंतर विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2610, राज श्री 1990, फ़ॉर्चून कि. 2645, रविन्द्रा 2515, फॉर्चुन 13kg 2320, जय जवान 2170, सचिन 2290, सूरज 2170, अवसर 2100, उजाला 2170, गृहणी 13 kg 2145, क्लासिक (kg) 2485, मोर 2375, चक्र टिन 2580, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2485, स्वास्तिक 2565

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल–(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन–मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी – पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, धामपुर 4260

हल्द्वानी मंडी

दाम प्रति क्विंटल में–

चावल : शरबती– 3500 मसूरी– 1200 बासमती– 7000–7600 परमल– 1200–3400

दाल दलहन–काला चना– 1900–3000 साबुत चना दाल– 1000 मूंग साबुत– 5600 राजमा– 7200–12400 दाल उड़द– 5500 साबुत मसूर दाल– 2400 मसूर दाल– 1200 उड़द साबुत– 10200 काबुली चना– 5800–10200 अरहर दाल– 10400 –12200 लोबिया/करमानी– 1600–3200

रिलायंस ने कहा– ईरानी कच्चा तेल खरीदने की खबरें आधारहीन

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी ईरान का कच्चा तेल खरीद रही है। कंपनी ने एक बयान जारी कर इन खबरों को आधारहीन और गलत बताया।

पश्चिम एशिया संकट: 80% तक महंगी हुई माल ढुलाई, पूर्वी भारत से आधा हुआ निर्यात

जहाजों के रास्ता बदलकर अफ्रीका होकर जाने से भाड़े में हुई 40 प्रतिशत वृद्धि,बाकी युद्ध संबंधी शुल्क

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण यूरोप जाने वाले सामान की ढुलाई की लागत (भाड़ा) में 60 से 80 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे पूर्वी भारत से होने वाले निर्यात में 50 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। कोलकाता बंदरगाह पर सैकड़ों कंटेनर फंस गए हैं।

कलकत्ता कस्टम्स हाउस एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मन्नू चौधरी ने बताया कि जहाजों के रास्ता बदलकर अफ्रीका होकर जाने के कारण भाड़े में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, युद्ध के कारण लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को मिलाकर यूरोप और अमेरिका जाने वाले सामान की कुल लागत 80 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि पोत-परिवहन कंपनियां अब नया सामान लेने से मना कर रही हैं। इस वजह से लगभग 600 भरे हुए कंटेनर, जो जहाज पर लदने के लिए कोलकाता बंदरगाह के अंदर आ चुके थे, उन्हें वहां जगह न मिलने के कारण वापस शहर भेजना पड़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के पूर्व चेयरमैन राकेश शाह ने स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि भाड़े में बढ़ोतरी और कंटेनर की कमी के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत ने भी उत्पादन को प्रभावित किया है। एलपीजी का उपयोग इंजीनियरिंग सामान को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में किया जाता है। शाह के अनुसार, इंजीनियरिंग उद्योग को इस साल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन अब यह पिछले साल के स्तर पर ही रहने की संभावना है। पूर्वी क्षेत्र से होने वाले निर्यात में सबसे ज्यादा असर मछली, झींगा, इंजीनियरिंग सामान, कपड़े और दवाओं पर पड़ा है।निर्यातकों की मदद के लिए सरकार ने 497 करोड़ रुपये की 'रिलीफ' (निर्यात की सुविधा के लिए लचीलापन और माल ढुलाई हस्तक्षेप) योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत युद्ध के कारण होने वाले नुकसान और माल ढुलाई पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क की भरपाई में मदद दी जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को माल ढुलाई और बीमा शुल्क पर 50 प्रतिशत तक की वापसी मिल सकेगी, जिसकी अधिकतम सीमा 50 लाख रुपये प्रति निर्यातक तय की गई है।

घरेलू कोयला बाजार में बढ़ रही है मांग, कीमतों पर भी दबाव

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा क्षेत्र में पैदा हुए दबाव के बीच भारतीय कोयला बाजार में मांग और कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमजंक्शन सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि हालांकि कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये बिजली क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं है। टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन के अनुसार, कोयला नीलामी के शुरुआती संकेत मांग और कीमतों में बढ़त दर्शा रहे हैं। हालांकि, यह बदलाव बहुत तीव्र न होकर एक नियंत्रित दायरे में है ।एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक विनय वर्मा ने बताया कि भारत के कोयला नीलामी बाजार में मांग–आपूर्ति के समीकरणों में सख्ती और कीमतों के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं, हालांकि यह रुझान अभी धीरे–धीरे बढ़ रहा है। फरवरी में कोयले की बोलियां तय कीमतों से लगभग 35 प्रतिशत अधिक रहीं।

एशियाई बाजारों में गिरावट, कच्चे तेल की कीमतों में फिर उछाल

हांगकांग, एजेंसी। ईरान युद्ध के टलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण बृहस्पतिवार को एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से बाजार में यह अस्थिरता देखी जा रही है। अमेरिकी वायदा बाजारों में भी 0.1 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.3 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 1.9 प्रतिशत और हांगकांग के हैंगसेंग में 1.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक में भी 0.6 प्रतिशत की गिरावट रही। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई, जबकि ताइवान के ताइएक्स में 0.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क कच्चा तेल भी 1.6 प्रतिशत चढ़कर 91.75 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

संकट जारी रहा तो उर्वरक उत्पादन 10-15 प्रतिशत घटेगा : क्रिसिल

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों की वजह से भारत में यूरिया और मिश्रित उर्वरकों का सालाना घरेलू उत्पादन 10-15 प्रतिशत तक घटने की आशंका है। क्रिसिल रेटिंग्स की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक, आनंद कुलकर्णी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रही समस्याओं से खरीफ मौसम के अहम समय पर उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आ सकती है। एलएनजी और अमोनिया की आपूर्ति में करीब तीन महीने तक जारी रहने वाली रुकावट से घरेलू यूरिया और मिश्रित उर्वरक उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि उत्पादन पर पड़ने वाले इस असर को कुछ हद तक सरकार के हालिया निर्देश से कम किया जा सकेगा, जिसके तहत यूरिया बनाने वाली कंपनियों को 70 प्रतिशत गैस आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने का उर्वरक स्टॉक, और साथ ही दूसरे स्रोतों से होने वाले संभावित आयात से, आपूर्ति में तत्काल कमी आने का जोखिम कम हो जाएगा।

इसके अलावा, क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि कच्चे माल और आयातित उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी से कंपनियों की कार्यशील पूंजी की ज़रूरतें बढ़ने की संभावना है, और साथ ही सरकार का सब्सिडी खर्च भी 20,000-25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है।

भारत में उर्वरक की कुल खपत में यूरिया का हिस्सा 45 प्रतिशत है, मिश्रित उर्वरकों (डाई-अमोनियम फॉस्फेट, या डीएपी तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम, या एनपीके') का हिस्सा एक-तिहाई है, और बाकी हिस्सा सिंगल सुपर फॉस्फेट' (एसएसपी) तथा म्यूरिएट ऑफ पोटाश (एमओपी) का है। उर्वरक क्षेत्र की आयात पर निर्भरता काफी ज़्यादा बनी हुई है। यूरिया का 20 प्रतिशत और मिश्रित उर्वरकों (मुख्य रूप से डीएपी) का एक-तिहाई हिस्सा आयात किया जाता है। यूरिया (प्राकृतिक गैस, जो कच्चे माल की कुल लागत का 80 प्रतिशत है) और मिश्रित उर्वरकों (अमोनिया और फॉस्फोरिक एसिड) के लिए ज़रूरी मुख्य कच्चा माल ज़्यादातर आयात ही किया जाता है, क्योंकि देश में इनके भंडार सीमित हैं। यूरिया और डीएपी, दोनों के आयात के लिए पश्चिम एशिया एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कुल आयात का 40 प्रतिशत इसी क्षेत्र से हुआ है।

वैश्विक संकट में भी भारत की वृद्धि दर, आंतरिक मांग की बदौलत ऊंची बनी रहेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख उद्योग मंडल एसोचैम का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर भू–राजनीतिक संकटों के चलते आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर मंद हो सकती है पर भारत आंतरिक उपभोग और निवेश मांग की बदौलत अगले वित्त वर्ष 2026–27 सात प्रतिशत से ऊपर की तेज गति से वृद्धि की राह पर बना रहेगा। एसोचैम का मानना है कि 2026 में वैश्विक वृद्धि दर नरम पड़ कर 3 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। संगठन ने आगाह किया है कि चूँकि रुपये के मूल्य में काफ़ी गिरावट आई है, इसलिए घरेलू बाजार में एलपीजी सिलेंडरों जैसे कुछ क्षेत्रों में ऊर्जा की कीमतें भी बढ़ी हैं और इसका असर आने वाले समय में महँगाई के रुझानों पर देखने को मिलेगा। उद्योग मंडल ने गुरूवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया युद्ध के असर को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम असरदार और सही समय पर हैं। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2025–26 में जीडीपी में 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। श्री मिंडा ने कहा कि पिछले कई सालों से सुधारों के ज़रिए सरकार का मज़बूत समर्थन बिज़नेस के भरोसे को बढ़ाता है।

भारत ने शुरू की चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच

नयी दिल्ली,एजेंसी

भारत ने चीन और इंडोनेशिया से आयातित सस्ते पेपरबोर्ड मामले की जांच शुरू की है। सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों पर असर पड़ने की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू उद्योग की ओर से भारतीय पेपर विनिर्माता संघ की शिकायत के बाद यह प्रक्रिया शुरू की है।

उद्योग संगठन का आरोप है कि चीनी और इंडोनेशियाई कंपनियों द्वारा कम दाम पर निर्यात किए जा रहे विभिन्न स्तर वाले पेपरबोर्ड से भारतीय कंपनियों के लाभ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में इन दोनों देशों से आयातित बोर्ड पर सब्सिडी दिये जाने की जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है। आवेदक का आरोप है कि इन दोनों देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को उनकी संबंधित सरकारों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनुदान, ऋण, गारंटी, कर, निर्यात ऋण, वस्तुओं और सेवाओं या इक्विटी निवेश के रूप में दी जाने वाली सब्सिडी से लाभ हुआ है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू उद्योग के लिखित आवेदन और उत्पादन तथा निर्यात पर सब्सिडी को लेकर दिये गये साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकरण इस मामले में जांच शुरू कर रहा है। यह जांच कथित सब्सिडी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करेगी। इससे घरेलू उद्योगों को हो रहे नुकसान को दूर करने में मदद मिलेगी।

चालकों के प्रशिक्षण को खुलेंगे स्कूल

पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद: गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं।

हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इससे एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा।सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है। कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया।

गडकरी ने कहा-पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है। हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है। एक अन्य कारण वाहन इंजीनियरिंग है। तीसरा कारण कानून का पालन न होना है। चौथा कारण मानवीय व्यवहार है। शराब पीकर वाहन चलाना भी एक कारण है। मंत्री ने कहा कि बाइक पर हेल्मेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने से हजारों लोग बच सकते हैं।

गिनाए हादसों के कारण

- सड़क डिजाइन-इंजीनियरिंग
- पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन
- कानून का पालन न होना
- मानवीय व्यवहार और
- शराब पीकर वाहन चलाना

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

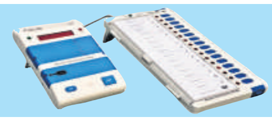

चुनावों के मद्देनजर 409 करोड़ रुपये की नकदी और अवैध सामान जब्त

नयी दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने असम और केरल सहित चार राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी विधान सभा चुनावों और कुछ अन्य राज्यों के उपचुनावों को धन और प्रलोभन के प्रभावों से मुक्त रखने के लिए कार्रवाई कर अब तक करीब 409 करोड़ रुपये की नकदी, कीमती धातुएं, शराब और मतदाताओं को लुभाने वाले सामान जब्त किये हैं।

असम, केरल और पांडिचेरी विधान सभा के चुनाव पहले चरण में 9 अप्रैल को कराये जाएंगे। उस दिन चार राज्यों की छह रिक्त विधान सभा सीटों के चुनाव भी कराये जाएंगे। चुनाव आयोग की गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार गत 26 फरवरी को इलेक्ट्रॉनिक सीज़र मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के शुरू होने से लेकर 25 मार्च तक, 408.82 करोड़ रुपये से ज़्यादा की अवैध चीज़ें ज़ब्त की गई हैं।

इनमें 17.44 करोड़ रुपये नकद, 37.68 करोड़ रुपये की शराब (16.3 लाख लीटर), 167.38 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ, 23 करोड़ रुपये की कीमती धातुएँ और 163.30 करोड़ रुपये से ज़्यादा के अन्य मुफ़्त उपहार शामिल हैं।आयोग ने अलग-अलग राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की कई एजेंसियों के मिलकर यह कार्रवाई की है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एजेंसियों को निर्देश है कि ऐसी कार्रवाइयों में जाँच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को कोई परेशानी या उत्पीड़न न हो।

इस संबंध में किसी भी शिकायत को सुनने के लिए ज़िला शिकायत समितियाँ भी बनाई गई हैं। आयोग ने कहा कि नागरिक और राजनीतिक दल आयोग के ऐप सी-विजिल मॉड्यूल का इस्तेमाल करके आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकते हैं।

नामांकन वापसी का समय समाप्त 2,200 उम्मीदवार मैदान में

नयी दिल्ली, एजेंसी। असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के साथ–साथ गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में उपचुनावों के लिए नामांकन वापस लेने की समय–सीमा गुरुवार दोपहर तीन बजे समाप्त हो गयी। चुनाव आयोग के मुताबिक नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो चुकी है और लगभग 2,200 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा 15 मार्च को की गयी थी, जिसके तहत मतदान का पहला चरण नौ अप्रैल को निर्धारित है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार तीन राज्यों की 296 विधानसभा सीटों पर 2,140 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। असम की 126 सीटों पर 789 उम्मीदवार, केरल की 140 सीटों पर 985 उम्मीदवार और पुडुचेरी की 30 सीटों पर 366 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं उपचुनावों में चार राज्यों के पांच निर्वाचन क्षेत्रों में 66 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं।

असम: कांग्रेस ने चुनाव के लिए नियुक्त किए छह पर्यवेक्षक

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए छह पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, अशोक सिंह, विनोद वर्मा, अनिरुद्ध सिंह, वीरेंद्र राठौर, योगेश दीक्षित और आदित्य शर्मा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का पर्यवेक्षक बनाया गया है। इससे पहले, सात जनवरी को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की को असम के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गयगा है। असम की सभी 126 विधानसभा सीट के लिए चुनाव नौ अप्रैल को एक ही चरण में होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

रामनवमी

कोलकाता : रामनवमी शोभायात्रा में जनता का अभिवादन स्वीकार करते भवानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी।

पुडुचेरी: द्रमुक ने कांग्रेस को चेताया छह सीटों से प्रत्याशी नहीं हटाए तो तमिलनाडु में भुगतेगी अंजाम

पुडुचेरी, एजेंसी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने गुरुवार को अपने मुख्य सहयोगी दल कांग्रेस को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उसके उम्मीदवारों ने यहां छह सीटों से नामांकन वापस नहीं लिया, तो तमिलनाडु चुनाव में भी इसके गंभीर परिणाम होंगे।

द्रमुक ने स्पष्ट किया है कि ऐसी स्थिति में वह तमिलनाडु की उन 28 सीटों पर भी 'फ्रेंडली फाइट' का फॉर्मूला अपनाएगी जो कांग्रेस को आवंटित की गई हैं। विवाद की जड़ पुडुचेरी की वे 14 सीटें हैं जो गठबंधन समझौते के तहत द्रमुक को मिली थीं। कांग्रेस ने गठबंधन और सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने से पहले ही समय की कमी का हवाला देते हुए अपने दावेदारों को नामांकन दाखिल करने के लिए कह दिया था। अब तकनीकी रूप से कालापेट, मंगलम, राजभवन, करैकल (दक्षिण), नेल्लीथोप और तिरुभुवननी सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में हैं और उन्होंने द्रमुक के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। मामला तब और बिगड़ गया जब बुधवार शाम कांग्रेस समिति की पदाधिकारी डॉली शर्मा ने मीडिया से कहा कि इन छह निर्वाचन क्षेत्रों में द्रमुक और कांग्रेस के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबला होगा। इस बयान से द्रमुक पदाधिकारियों में भारी रोष व्याप्त हो गया।

पश्चिम बंगाल: केवल सत्ता परिवर्तन ही न्याय दिला सकता है: आरजी कर मृतका के माता-पिता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 'कुशासन' को केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही समाप्त कर सकती है। वही उनकी बेटी के लिए न्याय के साथ-साथ राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। आरजी कर अस्पताल में जिस महिला चिकित्सक की हत्या कर दी गई थी, उसकी शोक संतप्त मां ने यह बात कही।

अगस्त 2024 में राज्य सरकार के आरजी कर अस्पताल के एक बंद सेमिनार कक्ष में 26 वर्षीय महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या कर दी गयी थी। दिवंगत चिकित्सक की मां रत्ना देबनाथ को भाजपा ने उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है, जिसे तृणमूल का गढ़ माना जाता है। इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी आक्रोश और महीनों तक अस्पताल परिसर व चिकित्सा संस्थानों में विरोध प्रदर्शन हुए।

महिला चिकित्सक के माता-पिता ने कहा कि अब उनका मानना है कि सच्चाई के पूरी तरह सामने आने के लिए राजनीतिक परिवर्तन आवश्यक है। परिजनों ने एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा से जुड़कर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का उनका निर्णय न्याय के लिए उनकी निरंतर लड़ाई से प्रेरित है।पिता ने कहा- केवल भाजपा ही मेरी बेटी के लिए न्याय सुनिश्चित कर सकती है और राज्य की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर सकती है।

उन्होंने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि हम किसी को भी अपनी बच्ची की मौत पर राजनीति करने की अनुमति नहीं देंगे। लेकिन वामपंथियों ने विरोध प्रदर्शन के अलावा क्या किया?

उन्होंने कहा कि मैं और मेरी पत्नी एक टीम हैं। हम दोनों पूरे निर्वाचन क्षेत्र में साथ-साथ घूमेंगे और तृणमूल के खिलाफ प्रचार करेंगे।

केरल: भाजपा की खुशी के लिए राहुल को निशाना बना रहे विजयन

कोल्लम, एजेंसी। कांग्रेस के नेता वी.डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुश करने के लिए राहुल गांधी को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने विजयन के इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही कि राहुल गांधी और कांग्रेस, पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी–टीम हैं। सतीशन ने आरोप लगाया कि वे उन्हें (मुख्यमंत्री को) ब्लैकमेल कर रहे हैं ताकि यहां सीट जीत सकें। 2024 के लोकसभा चुनाव में त्रिशूर में सुरेश गोपी की जीत सुनिश्चित करने के लिए, करुवन्नूर सर्विस कोऑपरेटिव बैंक मामले में प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल करके उन्हें ब्लैकमेल किया गया।

तमिलनाडु: द्रमुक ने एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर निशाना साधा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा और कहा कि वह विदेश नीति में विफलता की ओर बढ़ने के लिए आलोचना का सामना कर रही है। स्कूल शिक्षा मंत्री एनबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा कि केंद्र सरकार को ईंधन की कमी से जुड़े मुद्दों पर आम आदमी के सवालों के जवाब देने होंगे। पोय्यामोझी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा दो मिनट के वीडियो में कहा कि भाजपा सरकार राज्यों के साथ तालमेल करने में विफल रही है और विदेश नीति को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। देश का नागरिक होने के नाते मैं पूछना चाहता हूं कि क्या केंद्र सरकार पश्चिम एशिया के हालात से उपजी एलपीजी की कमी के संकट से सही से निपट पा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इमरान खान के बेटे ने संयुक्त राष्ट्र में पिता की सेहत पर जताई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पुत्र कासिम खान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अपने पिता की हिरासत को लेकर चिंता जताई है। कासिम ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद में आरोप लगाया है कि जेल में अधिकारी उनके पिता के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों में 2023 से जेल में बंद उनके पिता के साथ किया जा रहा बर्ताव पाकिस्तान में राजनीतिक दमन के एक व्यापक स्वरूप को दर्शाता है, जो 2022 में उनके पद से हटाए जाने के बाद से ही साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि इमरान खान सरकारी तोहफों से जुड़े एक कथित भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं और उन्हें अदियाला जेल में रखा गया है।

सिंगापुर: भारतीय बच्चों को डिक्की पर बैठाकर कार चलाने पर फंसा

सिंगापुर। सिंगापुर की एक अदालत ने लग्जरी स्पोर्ट्स कार चलाते समय अपने दो बच्चों को डिक्की के कवर पर बैठाने के आरोप में भारतीय मूल के एक व्यक्ति के खिलाफ बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया। 'चैनल न्यूज एशिया' की रिपोर्ट के अनुसार प्रेम आनंद सुगुनकुमार पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया गया है, जिससे 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। रिपोर्ट के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 को प्रेम ने एक पॉश रिहायशी इलाके में गाड़ी चलाते समय अपने आठ और सात साल के बच्चों को कार के पीछे डिक्की के ऊपर कवर पर बैठा रखा था। इस घटना का वीडियो पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

चीनी राजदूत ने कहा, पाकिस्तान को समर्थन देता रहेगा चीन

इस्लामाबाद। चीन के राजदूत जियांग जेदोंग ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि चीन पाकिस्तान में व्यापार व निवेश के लिए निरंतर समर्थन देता रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बैठक में उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस्हाक डार भी मौजूद थे। बैठक में जियांग ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिरता की सराहना की। शरीफ ने चीन के निरंतर आर्थिक समर्थन की सराहना करते हुए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के दूसरे चरण को आगे बढ़ाते हुए कृषि, औद्योगिक सहयोग और प्राथमिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भीषण तूफान में एक घंटे फंसा रहा ममता बनर्जी का विमान

कोलकाता, एजेंसी

सांस रोक देने वाले एक घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विमान बृहस्पतिवार को भीषण तूफान और भारी बारिश के कारण करीब एक घंटे तक हवा में फंसा रहा। कई प्रयासों के बाद पायलट जब उसे सुरक्षित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने में सफल हुआ तो अधिकारियों की जान में जान आई।

हवाई अड्डे के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी का विमान भीषण तूफान और भारी बारिश के कारण एक घंटे से भी ज्यादा समय तक हवा में फंसा रहा। खराब मौसम, भारी बारिश और हवाईअड्डा क्षेत्र के आसपास चल रही तेज हवाओं

● **हलक में अटकी रही अधिकारियों की जान, कई प्रयास के बाद उतरा**

के कारण उसे उतरने की अनुमति नहीं दी गई थी। बताया गया कि पायलट ने विमान उतारने के कई प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हुआ। एक समय जब तूफान थोड़ा कम हुआ तो विमान कोलकाता हवाई अड्डे के करीब पहुंचा था लेकिन मौसम फिर बिगड़ने के कारण उसे लैंडिंग किए बगैर उड़ना पड़ा। काफी देर बाद वह लैंड करने में सफल हो पाया। मुख्यमंत्री चुनाव रैलियां कर कोलकाता लौट रही थीं।

दुनिया भर में आगे निकलने की होड़

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज के समय का नया सोना बन चुका है। दुनिया भर में इसे लेकर एक रणनीतिक युद्ध छिड़ा हुआ है, जहां हर देश अपनी अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति और गवर्नेंस को एआई के जरिए अपग्रेड करने में जुटा है। भारत भी एआई क्षेत्र के शीर्ष 10 देशों में शामिल है लेकिन तमाम दावों के बावजूद उसकी स्थिति विकसित देशों के मुकाबले काफी कमतर है। दुनिया में भारत को अब तक इस दौड़ में एक स्लीपिंग जायंट यानी सोता हुआ विशालकाय जीव बताया जा रहा था, हालांकि कहा जा रहा है कि अब भारत भी जाग चुका है। भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन के लिए 10,372 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वदेशी कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना है। भारत की कोशिशों के परिणाम अभी सामने आने बाकी हैं।

एआई की दौड़ में भारत

संयुक्त राज्य अमेरिका नंबर वन

- अमेरिका फिलहाल एआई का निर्विवाद राजा है। ओपन एआई, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी कंपनियां वैश्विक मानक तय कर रही हैं।
- दुनिया के सबसे शक्तिशाली लार्ज लैंग्वुएज मॉडल्स और एआई चिप्स पर नियंत्रण है। रिसर्च-डेवलपमेंट में निजी निवेश खरबों डॉलर में है।

चीन दौड़ में प्रमुख प्रतिद्वंद्वी

- फेसियल रिकग्नीशन, निगरानी तकनीक, स्मार्ट सिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर में चीन ने सबको पीछे छोड़ दिया है। एआई मॉडल पर तेजी से काम।
- चीन के पास डेटा का विशाल भंडार और सरकार का सख्त समर्थन है। लक्ष्य 2030 तक दुनिया का मुख्य एआई इनोवेशन सेंटर बनना है।

यूके तीसरा दिग्गज

- ब्रिटेन यूरोप का एआई हब है। डीपमाइंड की यहीं से शुरुआत हुई थी जो अब गूगल का हिस्सा है।
- ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एआई सुरक्षा पर नीतिगत कार्य देश को अग्रणी बनाते हैं।
- यह देश एआई क्षेत्र में दुनिया और एआई कंपनियों के बीच एक नियामक पुल का काम कर रहा है।

चौथे नंबर पर यूएई

- यूएई ने दुनिया का पहला एआई मंत्री नियुक्त किया है। फाल्कन एलएलएम को दुनिया के बेहतरीन ओपन सोर्स मॉडल्स में गिना जाता है।
- तेल से परे अपनी अर्थव्यवस्था को ले जाने के लिए यूएई भारी निवेश कर रहा है और दुनिया भर के टैलेंट को अपनी ओर खींच रहा है।

कहां पर भारत

- एआई के क्षेत्र में बढ़त हासिल करने के लिए डेटा चाहिए और भारत के पास दुनिया का सबसे विविध डेटा सेट है।
- यूपीआई और आधार जैसे डिजिटल ढांचे ने देश में एआई के कार्यान्वयन को ज्यादा आसान बना दिया है।
- हर बड़े वैश्विक एआई प्रोजेक्ट के पीछे भारतीय इंजीनियर्स हैं। अब इस टैलेंट को देश में ही रोकने की योजना है।

भारतीय प्रतिभा के सभी मुरीद

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एआई इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, एआई कौशल के मामले में भारत दुनिया में नंबर 1 पर है।

ताइवान की कंपनी टीएसएमसी दुनिया के 90% से अधिक सबसे उन्नत एआई चिप्स बनाती है। इसके बिना एआई की रेस रुक सकती है।

चुनौतियां और कोशिशें

- भारत सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन बनाने में तो आगे है, लेकिन एआई चिप्स के मामले में अमेरिका और ताइवान पर निर्भर है।
- भारत ने भाषा अनुवाद के लिए भाषिणी और क्रुत्रिम जैसे भारतीय परिवेश अनुकूल मॉडल विकसित करना शुरू कर दिया है।

चीन रेयर अर्थ एलिमेंट्स का पूरी दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक है। चिप के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले गैलियम और जर्मेनियम पर चीन का लगभग एकाधिकार है।

हम किसी से बात नहीं कर रहे, न युद्ध समाप्त करने के लिए हमारी कोई योजना : अराघची

ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका पर लगाया दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप, 15-सूत्री प्रस्ताव ठुकराया

तेहरान, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका पर पश्चिम एशिया में दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उसके 15-सूत्रीय प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। अराघची ने 'एक्स' पर अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह एक ओर गाजा में इजराइल की नाकेबंदी का समर्थन करता है, जबकि दूसरी ओर होर्मुज जलडमरूमध्य में आत्मरक्षा के लिए उठाए गए ईरान के कदमों की आलोचना कर रहा है।

अराघची ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करने का उपकरण नहीं है। उन्होंने तगा कि ईरान अमेरिका के साथ कोई वार्ता नहीं कर रहा है और न ही ऐसी कोई योजना है, जिससे युद्ध समाप्त हो सके। यह बयान अमेरिकी अधिकारियों के उन दावों के उलट है, जिनमें बातचीत जारी होने और उसके सार्थक होने का दावा किया गया था। अमेरिका के 15 सूत्री प्रस्ताव को तेहरान ने अत्यधिक कठोर और अव्यावहारिक करार दिया है। अराघची ने ईरान की ओर से पेश किए गए पांच बिंदुओं के जवाबी प्रस्ताव का भी उल्लेख किया और देश की प्रमुख नीतिगत स्थितियों को दोहराया।

तेहरान में बृहस्पतिवार को सरकार समर्थकों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

ईरान बाब-अल मंदेब में खोलेगा नया मोर्चा

तेहरान। ईरान ने अमेरिका का मुकाबला करने के लिए बाब-एल-मंडेब जलडमरूमध्य में एक नया मोर्चा खोलने की धमकी दी है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने पहले ही कहा था कि यदि संघर्ष जारी रहता है तो ईरान अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नए मोर्चे खोल सकता है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने एक सैन्य स्रोत के हवाले से बताया कि ईरान लाल सागर में उस रणनीतिक जलमार्ग को खतरे में डालने में सक्षम है। यदि अमेरिका ईरान के दक्षिणी क्षेत्रों और ईरानी द्वीपों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने का प्रयास करता है तो अमेरिका का मुकाबला करने के लिए यह नया मोर्चा खोला जाएगा।

रणनीतिक मतभेद : ईरान में विरोध भड़काने के नेतन्याहू के प्रस्ताव को ट्रंप ने ठुकराया

तेल अवीव/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़काने के इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से दिए गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप ने आशंका जताई थी कि इससे नागरिकों पर हिंसक दमन और बड़े पैमाने पर लोगों के हताहत होने का खतरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले सप्ताह दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में नेतन्याहू ने ईरानी जनता से सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने की अपील करने का सुझाव दिया था, हालांकि ट्रंप प्रशासन ने इस विचार को तुरंत ठुकरा दिया। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ऐसे आह्वान से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी दमनात्मक कार्रवाई हो सकती है जैसा पहले भी देखा गया है। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया, लोगों को सड़कों पर उतरने के लिए क्यों कहें, जब उन्हें कुचल दिया जाएगा। यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच रणनीतिक मतभेद को दर्शाता है।

अलर्ट: अमेरिकी नागरिक फौरन छोड़ें इराक

बगदाद। इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के बढ़ते हमलों के बीच इराक स्थित अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने सभी नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने का निर्देश दिया है। दूतावास की ओर से बृहस्पतिवार को जारी इस चेतावनी में कहा गया है कि अमेरिकी मिशन अभी खुला है, लेकिन मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों के खतरे को देखते हुए नागरिकों को दूतावास या इरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास के करीब न आने की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान के आग्रह पर इजराइल ने शीर्ष ईरानी अधिकारियों को हिट लिस्ट से हटाया

वाशिंगटन। पाकिस्तान के अनुरोध पर इजराइल ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ को अपनी हिट लिस्ट से हटा दिया है। इजराइली अखबार टाइम्स ऑफ इजराइल ने रॉयटर्स के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

एक पाकिस्तानी अधिकारी के अनुसार इजराइल के पास इन दोनों ईरानी हस्तियों को निशाना बनाने के लिए

अराघची और गालिबाफ थे निशाने पर

उनकी भौतिक स्थिति का पता लगाने वाले भौगोलिक आंकड़े थे, लेकिन पाकिस्तान ने तर्क दिया कि उन्हें खत्म कर देने से बातचीत के लिए कोई भी भरोसेमंद राजनयिक संपर्क नहीं बचेगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने इजराइल से पीछे हटने को कहा।

द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों ईरानी अधिकारियों को कुछ दिनों के लिए सूची से हटा दिया गया है, क्योंकि ट्रंप ने बातचीत का दरवाजा खोल दिया है। तुर्की, पाकिस्तान और मिस्र के मध्यस्थ अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच बातचीत कराने की कोशिशों में जुटे हैं। हालांकि, मतभेदों की खाई काफी गहरी होने के कारण किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने की संभावनाएं कम ही हैं।

भीषण युद्ध की कगार पर खड़ी है दुनिया: गुटेरेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध बेकाबू हो गया है और युद्ध का विस्तार होने से नागरिकों की पीड़ा और वैश्विक आर्थिक संकट गहरा गया है। गुटेरेस ने कहा कि युद्ध शुरू होने के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद यह लड़ाई सबसे खराब आशंकाओं से भी आगे निकल गई है। दुनिया एक व्यापक युद्ध के कगार पर खड़ी है। उन्होंने संबधित पक्षों से युद्ध को तत्काल रोकने और कूटनीति एवं अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए यूएन महासचिव ने कहा कि उन्होंने जीन अर्नोल्ट को अपना निजी दूत नियुक्त किया है, ताकि जमीनी स्तर पर दोनों पक्षों के साथ सीधे तौर पर जुड़ने और चल रही शांति पहलों का समर्थन करने सहित मध्यस्थता प्रयासों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने हताहतों की बढ़ती संख्या और आर्थिक दुष्परिणामों का हवाला देते हुए अमेरिका और इजराइल से युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने ईरान से भी युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होने वाले पड़ोसी देशों पर हमले रोकने का आह्वान किया और कहा

● **संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बड़े वैश्विक आर्थिक संकट की आशंका जताई**

गरीब-कमजोर लोग भुगत रहे खामियाजा

गुटेरेस ने लेबनान की स्थिति की भी चर्चा की, जहां उन्होंने हाल ही में दौरा किया था और हिजबुल्ला से इजराइल पर हमले रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गाजा मॉडल को लेबनान में नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस युद्ध से वैश्विक बाजार अस्त-व्यस्त हो गए हैं, जबकि मानवीय सहायता अभियान गंभीर बाधाओं का सामना कर रहे हैं और इस संकट का सबसे अधिक खामियाजा सबसे गरीब एवं सबसे कमजोर लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ऐसे कृत्यों की निंदा की है।

महासचिव ने प्रमुख नौवहन मार्गों, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि लंबे समय तक बंद रहने से विश्व भर में कृषि के लिए महत्वपूर्ण समय में तेल, गैस एवं उर्वरकों का प्रवाह बाधित हो सकता है।

जयशंकर फ्रांस दौरे पर रवाना हुए, जी 7 बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को फ्रांस रवाना हो गए। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा होगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए खुला रखने के प्रयासों में समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भारत हालांकि जी 7 का सदस्य नहीं है लेकिन इस प्रभावशाली समूह के मौजूदा अध्यक्ष फ्रांस ने उसे साझेदार देश के रूप में आमंत्रित किया है। इस बैठक में अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, इटली, फ्रांस, जापान और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री 26 और 27 मार्च को फ्रांस में एबे डेस-वॉक्स-डे-सेर्ने की यात्रा करेंगे, जहां वह साझेदार देशों के साथ जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। बयान में कहा गया कि जयशंकर जी7 बैठक से इतर अपने समकक्षों के साथ संभवतः द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। फ्रांस ने भारत

● **पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज को खुला रखने पर होगी चर्चा**

ईरान के परमाणु-बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम भी मुद्दा

अधिकारी ने कहा कि विदेश मंत्री इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रम से कैसे निपटा जाए। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

के अलावा सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ब्राजील को भी आमंत्रित किया है।

फ्रांस के एक अधिकारी के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट पर एक अलग सत्र आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि मंत्री इस क्षेत्र में तनाव कम करने और समुद्री मार्ग फिर से खोलने के लिए विभिन्न वार्ता माध्यमों की तलाश करने पर विचार-विमर्श करेंगे।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान का युद्धविराम खत्म, शुरू हुए हमले

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर अस्थायी युद्धविराम खत्म होने के बाद बुधवार को एक बार फिर हमले शुरू हो गए। इस संघर्ष में अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में सूचना और संस्कृति विभाग के प्रवक्ता जिया-उर-रहमान स्पिंगहर ने बताया कि ईद-उल-फितर से पहले दोनों पक्षों ने संक्षिप्त संघर्षविराम की घोषणा की थी। इसके खत्म होते ही पाकिस्तानी बलों ने नराई और सरकानो जिलों में दर्जनों तोप के गोले दागे, जिससे दो की मौत हो गई और आठ घायल हो गए।

फरीदाबाद : कक्षाओं में रील और शॉर्ट वीडियो बनाने पर प्रतिबंध

फरीदाबाद। फरीदाबाद प्रशासन ने सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी स्कूल के समय के दौरान रील या शॉर्ट वीडियो न बनाएं।

प्रशासन ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी गतिविधियों से शैक्षणिक कार्य, अनुशासन या संस्थानों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। फरीदाबाद जिला शिक्षा कार्यालय ने एक परिपत्र में कहा कि कार्यालय को जानकारी मिली है कि स्कूल परिसर में मनोरंजन के लिए 'शॉर्ट वीडियो' बनाए जा रहे हैं और विद्यालय प्रमुखों को कक्षा के समय के दौरान ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। जोर दिया गया है कि शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करने या विद्यार्थियों का ध्यान भटकाने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाई जानी चाहिए।

बांग्लादेश : बस नदी में गिरने से 24 लोगों की मौत, कई लापता

ढाका। बांग्लादेश में एक बस के परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश के दौरान नदी में गिर जाने से 24 लोगों की मौत हो गई, कई लोग लापता भी हैं। बस दक्षिण-पश्चिमी राजबारी जिले में दौलाडिया टर्मिनल पर बुधवार शाम करीब सवा पांच बजे पद्मा नदी में गिर गई। अनुमान है कि ढाका जा रही इस बस में बच्चों समेत करीब 40 यात्री सवार थे और उनमें से अधिकतर ईद की छुट्टियां मनाकर राजधानी लौट रहे थे।

● **बस को नौका पर चढ़ाने के दौरान हुआ हादसा, लापता लोगों की तलाश जारी**

स्थानीय अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार, बस के अंदर से 11 महिलाओं, छह पुरुषों और पांच बच्चों समेत 22 लोगों के शव मिले। उन्होंने कहा, हमजा (बचाव पोत) ने क्रेन की मदद से बस को बाहर निकाला। गोताखोरों ने इससे पहले दो महिलाओं के शव बरामद किए थे और शेष 22 शव खराब मौसम के बीच छह घंटे के प्रयास के बाद बस को नदी से बाहर निकाले जाने पर बुधवार मध्यरात्रि के करीब मिले। दमकल सेवा और तटरक्षक बल के गोताखोर सेना और पुलिस की मदद से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बचाव अभियान की जानकारी लेने के लिए उनसे फोन पर बात की और हादसे की जांच के आदेश दिए। करीब 11 यात्री तैरकर किनारे पहुंचने में सफल रहे या उन्हें बचा लिया गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज व्यापार में नई योजनाएं बन सकती हैं। सफलता के रास्ते खुलेंगे। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

वृष — आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए अच्छा है। करियर में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

मिथुन — आज पुराने काम पूरे होने से राहत मिलेगी। थकान महसूस हो सकती है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है।

कर्क — आज संवाद आपके लिए फायदेमंद रहेंगे। घर-परिवार में किसी मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। काम में धैर्य बनाए रखें।

सिंह — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और काम में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता की सराहना हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

कन्या — आज मेहनत के परिणाम अच्छे मिलेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने से बचें।

तुला — आज आपकी गुप्त योजनाएं सफल हो सकती हैं। कारोबार में धन लाभ के संकेत हैं। सोच-समझकर निर्णय लें।

वृश्चिक — आज लंबी यात्रा का योग बन सकता है। काम में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु — आज मेहनत का फल मिलने का समय है। करियर में स्थिरता व प्रगति के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलने से मन शांत रहेगा।

मकर — आज नई संभावनाएं मिलेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। नए विचार और रचनात्मकता बढ़ेगी।

कुंभ — आज व्यापार में बड़ी साझेदारी के प्रबल योग हैं। मेहमान का घर पर आगमन हो सकता है। संतान का विशेष ध्यान रखें।

मीन — आज उधार दिया हुआ धन वापस मिलेगा। मधुमेह के रोगी अपना विशेष ख्याल रखें। परीक्षार्थी को किसी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 27 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10 .06 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। **ताराबल**-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- पुनर्वसु 15 .24 तक तत्पश्चात पुष्य।

सुडोकू - 100 का हल

7	1	4	8	2	6	9	5	3
9	6	8	7	3	5	2	1	4
2	3	5	1	4	9	8	6	7
6	2	1	9	7	3	5	4	8
4	9	7	2	5	8	1	3	6
8	5	3	6	1	4	7	9	2
3	4	2	5	8	1	6	7	9
5	7	9	4	6	2	3	8	1
1	8	6	3	9	7	4	2	5

सुडोकू -101

	5		7			2		
8				2		6		
	3				6			
6		8					2	
	2						8	
			4			3		9
	6	4					7	
		1		6				2
					8		5	

मध्य प्रदेश: सीने में लगा एयरगन का पेलेट युवक की मौत

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के डांगीढाना गांव में एयरगन का पेलेट लगने से एक युवक की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार डांगीढाना निवासी आदित्य लोधी (18) घर में एयरगन रख रहा था, तभी अचानक ट्रिगर दबने से पेलेट उसके सीने में जा लगा। उसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी रही। सुधार न होने पर उसे जबलपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में तबीयत बिगड़ने पर वापस जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

वैश्विक संकट | अमेरिका-ईरान युद्ध ने बढ़ाई वैश्विक खाद्य सुरक्षा की चिंता, उर्वरक आपूर्ति शृंखला बाधित होने की आशंका

देश में शुरू हुई कृषि व्यापार नियमों को बदलने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका -इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने न सिर्फ तेल बाजारों को प्रभावित किया है बल्कि वैश्विक खाद्य और उर्वरक आपूर्ति शृंखला में बड़ी बाधाएं पैदा कर भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। इस संकट के कारण अर्थशास्त्री और विभिन्न सरकारें अब वैश्विक कृषि व्यापार नियमों को नए सिरे से तैयार करने का प्रस्ताव बना रहे हैं ताकि भविष्य में इस तरह के झटकों से निपटा जा सके।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के पूर्व डब्ल्यूटीओ चेयरमैन प्रोफेसर

विश्वजीत धर के मुताबिक होर्मुज जलडमरूमध्य से यातायात संचालन में आई बाधा ने उजागर कर दिया है कि ऊर्जा, उर्वरक और खाद्य प्रणालियां एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एलएनजी के प्रवाह में रुकावट और बढ़ती ऊर्जा लागत से भारत जैसे देशों में उर्वरक उत्पादन और कीमतों पर सीधा असर पड़ा है। प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने प्रस्तावित 'मॉडल ट्रीटी ऑन एग्रीकल्चरल ट्रेड' में तर्क दिया है कि विश्व व्यापार संगठन का मौजूदा ढांचा जलवायु परिवर्तन, महामारी और युद्ध जैसे झटकों से निपटने में अक्षम साबित हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ढांचा शुरू से ही दोषपूर्ण था और अब इसे वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के तनाव परीक्षण में विफल पाया गया है। भारत अपनी जरूरत का लगभग पांचवां हिस्सा यूरिया, आधा हिस्सा डीएपी और लगभग पूरी पोटाश मात्रा आयात करता है।

खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति और समुद्री मार्गों में बढ़ते जोखिमों से बीमा प्रीमियम और माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे उर्वरकों की कीमतों में उछाल आया है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने फिलहाल इस झटके को किसानों तक पहुंचने से रोकने के लिए उच्च सब्सिडी के माध्यम से अवशोषित करने का निर्णय लिया है।

स्थायी रह सकता है संकट, भारत ने शुरू की नए स्रोतों की तलाश

विशेषज्ञों का मानना है कि संघर्षविराम होने के बावजूद, होर्मुज से होने वाले व्यापार में युद्ध जोखिम प्रीमियम स्थायी रूप से जुड़ सकता है। इसका मतलब है कि भारत जैसे देशों के लिए ऊर्जा और उर्वरक की लागत संरचनात्मक रूप से हमेशा के लिए ऊंची बनी रह सकती है। बदलते हालात को देखते हुए भारत अब पोटाश और फॉस्फेट के लिए नए स्रोतों की तलाश कर रहा है और विदेशी खनिज संपत्तियों में निवेश बढ़ा रहा है। इसके साथ ही, घरेलू यूरिया उत्पादन विस्तार और खाड़ी क्षेत्र के बाहर से लंबी अवधि के एलएनजी अनुबंधों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि बाहरी झटकों को कम किया जा सके। वर्तमान संकट ने यह भी साफ किया है कि जब आपूर्ति शृंखलाएं अत्यधिक केंद्रित होती हैं तो झटके केवल स्थानीय नहीं रहते बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जाते हैं।

> दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद मैंने अपने पुराने रूटीन पर तीन गुना ज्यादा मेहनत शुरू कर दी है, चाहे वह ट्रेनिंग हो या बल्लेबाजी। मेरे लिए यह ब्रेक बहुत जरूरी था। इसने मुझे दिमागी तौर पर और ताकतवर बनाया है।
>
> – पृथ्वी शॉ

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, शुक्रवार ,27 मार्च 2026

हाईलाइट

विश्व कप फुटबॉल के अतिरिक्त टिकटों की बिक्री एक अप्रैल से

लंदन। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि विश्व कप टिकटों के अंतिम दौर की बिक्री एक अप्रैल से शुरू होगी। फीफा ने कहा कि दिसंबर और फरवरी के बीच पिछली बिक्री के अंत तक दस लाख से अधिक टिकट बिक चुके थे और अतिरिक्त टिकट एक अप्रैल से टूर्नामेंट के अंत तक आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। फीफा को टिकटों की कीमत को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर में टिकटों की बिक्री आम जनता के लिए शुरू की गई थी और तब फुटबॉल प्रेमियों ने फीफा पर विश्वासघात का आरोप लगाया था क्योंकि ग्रुप चरण का सबसे कम कीमत वाला टिकट 140 डॉलर का था जबकि फाइनल के टिकटों की कीमत 8680 डॉलर तक थी।

कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा स्कीट निशानेबाजों को

टैंगियेर (मोरक्को)। भारत के स्कीट निशानेबाजों को शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के शुरुआती दिन कई मंझे हुए खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा जिससे उनके लिए पदक हासिल करना आसान नहीं होगा। इस प्रतियोगिता में कई चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन की शुरुआत पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 75 निशानों के साथ होगी। बाकी 50 निशाने और फाइनल रविवार को होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में अधिकतम छह खिलाड़ियों को रखने का कोटा पूरा किया है। इसके साथ ही पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दो-दो ऐसे निशानेबाज भी शामिल हैं जो केवल रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

लेग-स्पिनर राहुल चाहर सरे के लिए आठ मैच खेलेंगे

नई दिल्ली। भारत के लेग-स्पिनर राहुल चाहर इस साल सरे क्लब में वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप के आठ मैच खेलेंगे। उनका पहला मुकाबला सात जून को ओवल में हैम्पशायर के खिलाफ होगा। चाहर ने पिछले साल सितंबर में सरे के लिए पदार्पण किया था और क्लब के लिए अपने एकमात्र मैच में हैम्पशायर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लिए थे। उन्होंने इस दौरान दूसरी पारी में 51 रन देकर आठ विकेट झटके, जो क्लब पदार्पण पर प्रथम श्रेणी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है।

शटलर कैरोलिना मारिन ने संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली। बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने घुटने की चोट से लंबे समय तक परेशान रहने के बाद बृहस्पतिवार को अपने पेशेवर करियर से संन्यास लेने की घोषणा की। उनके करियर में ओलंपिक स्वर्ण पदक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल हैं। मारिन ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर कहा मेरा सफर यहीं समाप्त होता है। उन्होंने बताया कि चोट के कारण उन्होंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रतियोगिता से दूर रहने का कठिन निर्णय लिया।

रोहित-कोहली को स्वदेश में नौ वनडे खेलने का मौका

- बीसीसीआई ने जारी किया 2026-27 के घरेलू सत्र का कैलेंडर
- कानपुर के हाथ खाली, लखनऊ को मिला एक मैच

05 टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी-20 मैच खेलेगा भारत

17 शहरों में 22 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को सीनियर पुरुष टीम के घरेलू सत्र का कैलेंडर जारी किया जिसमें पांच टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी20 मैच शामिल हैं। वनडे मैचों पर निश्चित रूप से सबकी नजर रहेगी क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा की दिग्गज जोड़ी के उन सभी मैचों में खेलने की उम्मीद है। यह दोनों स्टार बल्लेबाज अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला जनवरी, फरवरी और मार्च 2027 में खेली जाएगी। इसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच चेन्नई में (29 जनवरी से दो फरवरी) और आठ दिन के अंतराल के बाद तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी तक गुवाहाटी में खेला जाएगा।

रांची में चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी के बीच खेला जाएगा, जबकि अहमदाबाद में अंतिम टेस्ट 27 फरवरी से शुरू होगा। पांच स्थानों में से नागपुर (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), चेन्नई (जहां आखिरी बार 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), रांची (जहां आखिरी बार 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) और अहमदाबाद (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) को रोटेशन नीति के अनुसार मेजबानी मिली है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गुवाहाटी को फिर से मेजबानी कैसे मिली जबकि उसने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित किया था। भारत के घरेलू सत्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला आकर्षण का मुख्य केंद्र होगी। इसके अलावा भारत वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे की मेजबानी भी करेगा। जिम्बाब्वे 2002 के बाद पहली बार भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगा। जब उसने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए आखरी बार भारत का दौरा किया था तब भारतीय टीम के कप्तान सौरव गांगुली थे।

इस सत्र में 17 शहरों में 22 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे, जिनमें वेस्टइंडीज की टीम सबसे पहले भारत दौरे पर आएगी। उसका भारत दौरा इस साल 27 सितंबर से शुरू होगा। इस दौरे में तीन मैचों की वनडे और उसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला शामिल होगी। वनडे मैच तिरुवनंतपुरम (27 सितंबर), गुवाहाटी (30 सितंबर) और न्यू चंडीगढ़ (03 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच लखनऊ (06 अक्टूबर), रांची (09 अक्टूबर), इंदौर (11 अक्टूबर), हैदराबाद (14 अक्टूबर) और बेंगलुरु (17 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद भारत दिसंबर में श्रीलंका की मेजबानी करेगा, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। वनडे मैच दिल्ली (13 दिसंबर), बेंगलुरु (16 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच राजकोट (22 दिसंबर), कटक (24 दिसंबर) और पुणे (27 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

10 नए खिलाड़ी, जो दिखा सकते जलवा

आईपीएल में इन खिलाड़ियों ने अब तक पदार्पण नहीं किया या पांच से कम मैच खेले

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरी थी तथा इस टी-20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में भी कुछ युवा खिलाड़ी अपना जलवा दिखा सकते हैं। पीटीआई ने सभी 10 फ्रेंचाइजी टीम में से एक ऐसे खिलाड़ी को चुना है जो अगले आठ सप्ताह में क्रिकेट जगत में सितारा बनकर उभर सकता है। इस सूची में उन भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जिन्होंने या तो अभी तक आईपीएल में पदार्पण नहीं किया है या अब तक पांच से कम मैच खेले हैं।

अशोक शर्मा (गुजरात टाइटन्स) : अशोक भारत के सबसे तेज युवा गेंदबाजों में से एक हैं। वह पहले राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को इस सत्र में गुजरात से खेलने का मौका मिलेगा, क्योंकि उसकी टीम में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ-साथ कैगिसो रबाडा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। हालांकि बैकअप के तौर पर उपलब्ध भारतीय तेज गेंदबाजों में गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा अशोक पर नजर डाल सकते हैं, क्योंकि उन्होंने इस साल के एसएमएटी में 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की थी।

प्रशांत वीर (चेन्नई सुपर किंग्स) : भारत में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो धीमी गति से बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं और बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन अमेठी में जन्मे 20 वर्षीय प्रशांत वीर की तरह रवींद्र जडेजा की जगह भरने की चुनौती का सामना कोई नहीं कर रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले युवा खिलाड़ियों पर इतना अधिक भरोसा कभी नहीं दिखाया था। इस फ्रेंचाइजी ने ट्रायल के दौरान प्रशांत वीर का खेल देखा और इस आधार पर 14 .20 करोड़ रुपये की बोली लगाकर उन्हें अपने साथ जोड़ा। प्रशांत वीर ने अब तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में केवल नौ मैच खेले हैं, लेकिन 6 .45 की गेंदबाजी इकॉनमी रेट और 167 से अधिक के बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट के साथ उम्मीद जगा दी है कि आईपीएल के इस सत्र में वह अपनी विशेष छाप छोड़ सकते हैं।

अल्लाह गजनफर (मुंबई इंडियंस) : अगर आईपीएल के प्रशंसक किसी एक गेंदबाज को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वह निश्चित रूप से 20 वर्षीय ग़ज़नफ़र हैं, जो अफगानिस्तान के 'मिस्ट्री स्पिनरों' में नया नाम हैं। ग़ज़नफ़र को पिछले सत्र में केकेआर के लिए खेलना था, लेकिन उन्होंने खेलने से मना कर दिया था। इस सत्र में मुख्य कोच माहेला जयवर्धने चार विदेशी खिलाड़ियों में से एक के रूप में इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं।

नमन तिवारी (लखनऊ सुपर जाइंट्स) : भारत में बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं और 2024 में अंडर-19 विश्व कप में खेलने वाले नमन तिवारी ने ट्रायल के दौरान सभी को प्रभावित किया है। यह 20 वर्षीय खिलाड़ी नियमित रूप से 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करता है। उन्होंने 2024 में यूपी टी20 लीग में नोएडा किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था और जरूरत पड़ने पर वह एक उपयोगी विकल्प हो सकते हैं।

जेकब बेथेल (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) : इस 22 वर्षीय खिलाड़ी को पिछले सत्र में जिन दो मैचों में खेलने का मौका मिला था, उनमें से एक में उन्होंने अर्धशतक बनाया था। इस बार बेथेल को अधिक मैच खेलने का मौका मिलना तय है क्योंकि वह वानखेड़े में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में शानदार शतक लगाने के बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं। चिन्नास्वामी की पिच वह जितेश शर्मा के साथ मिलकर विपक्षी टीमों के लिए बुरा सपना साबित हो सकते हैं।

औकिब नबी (दिल्ली कैपिटल्स) : औकिब नबी की उम्र 29 साल है और उन्हें युवा खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता है लेकिन उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर रहेगी। उनके पास घरेलू क्रिकेट का आठ साल का अच्छा खासा अनुभव है। नबी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम जम्मू कश्मीर को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 60 से अधिक विकेट लिए। उनके लिए आईपीएल काफी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार भी बन जाएंगे।

शिवांग कुमार (सनराइजर्स हैदराबाद)

: मध्य प्रदेश के 23 वर्षीय खिलाड़ी शिवांग बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, जो उन्हें एक दुर्लभ प्रतिभा बनाता है। भारतीय टीम में कुलदीप यादव ऐसे गेंदबाज हैं। कुलदीप हालांकि क्रीज तक पहुंचने के लिए कोणीय रन-अप लेते हैं, शिवांग का रन-अप अधिक पारंपरिक और सीधा होता है। वह निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल वेटोरी अंतिम एकादश में उनके लिए कोई जगह बना पाते हैं या नहीं।

रवि सिंह (राजस्थान रॉयल्स) : रेलवे का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी घरेलू स्तर पर अपनी क्षमता दिखा चुका है। उन्होंने पिछले साल एसएमएटी में अपनी टीम के लिए 173 के स्ट्राइक रेट से 218 रन बनाए थे। विदर्भ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी 38 गेंदों में खेली गई 68 रन की पारी निस्संदेह सबसे यादगार रही। विदर्भ के गेंदबाजी आक्रमण में आईपीएल खिलाड़ी यश ठाकुर, हर्ष दुबे और दर्शन नालकंडे शामिल थे। इस पारी के चलते उन्हें राजस्थान रॉयल्स से 95 लाख रुपये का करार मिला और इस सत्र में उनके प्रदर्शन को देखना दिलचस्प होगा।

तेजस्वी दहिया (कोलकाता नाइट राइडर्स) : कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच अभिषेक नायर के शिष्य अंगकृष रघुवंशी को बल्लेबाज-विकेटकीपर के रूप में तैयार किया जा रहा है क्योंकि वह पहले ही आईपीएल के कुछ सत्र में खेल चुके हैं। लेकिन दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय दहिया भी एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्हें अगर लगातार मौका मिले तो वह अच्छे परिणाम दे सकते हैं। उन्होंने पिछले एसएमएटी टूर्नामेंट में दिल्ली के लिए अर्धशतक बनाया था।

मिशेल ओवेन (पंजाब किंग्स) : पिछले सत्र में ओवेन को एक मैच में केवल दो गेंदों का सामना करने का मौका मिला, पर इस बार तस्मानिया का यह खिलाड़ी होबार्ट हरिकेंस की तरफ से शानदार प्रदर्शन करके यहां पहुंच रहा है। उन्होंने बिग बैश लीग के 36 मैचों में 187 का स्ट्राइक रेट और अपने करियर के 75 टी20 मैचों में 180 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी में गेंद को जोरदार तरीके से मारने की क्षमता है। इसके अलावा वह मध्यम गति से एक या दो ओवर भी फेंक सकता है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम कौशल के महत्व को कम कर रहा : गिल

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को आईपीएल में 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम पर चिंता जताते हुए कहा कि यह 'खेल से कौशल और चुनौती की अहमियत को कम करता है।' इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा मेरे व्यक्तिगत विचार से इंपैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है।

आपस में मजाक करते अक्षर पटेल, रियान पराग, ईशान किशन और हार्दिक पंड्या।

आईपीएल के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी 13 अप्रैल से 24 मई तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को आईपीएल 2026 के लीग चरण का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि टूर्नामेंट का दूसरा चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक होगा। शुरुआती चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक चलेगा और इसके कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिये गये हैं। इसका आगाज शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत से होगा। फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजित सैकिया ने कहा लीग चरण के दूसरे हिस्से में 50 मैच खेले जाएंगे। इसका आयोजन 13 अप्रैल से 24 मई 2026 तक भारत के 12 स्थलों पर होगा। इस चरण में मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे। टूर्नामेंट के इस अहम चरण में टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी जिससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। दूसरे चरण का पहला मैच 13 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस चरण में आठ 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होंगे। पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें धर्मशाला में तीन मैच होंगे। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने चार घरेलू मुकाबले जयपुर में खेलेगी। रॉयल चैलेंजर्स तीन मैच बेंगलुरु और दो मैच रायपुर में खेलेगी। प्लेऑफ के लिए मैचों के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

सैमसन-गायकवाड करेंगे सीएसके के लिए ओपनिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए IPL 2026 से पहले सबसे बड़ा सवाल यही था कि उनके लिए ओपनिंग कौन करेगा। उन्होंने सीजन से पहले ही संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा था और टीम में पहले से ही कप्तान ऋतुराज गायकवाड तथा अंडर-19 स्टार आयुष म्हात्रे मौजूद थे। बुधवार को मुंबई में कप्तानों के इवेंट में गायकवाड ने बताया कि सीएसके ने अपनी ओपनिंग जोड़ी को फ़ाइनल कर लिया है। गायकवाड तीनों बल्लेबाज़ों को लेकर बात कर रहे थे और उस दौरान उन्होंने कहा, "रुतु और संजू।" आईपीएल 2025 में ओपनिंग करते हुए सात पारियों में 188 .97 की स्ट्राइक रेट से 240 रन बनाने वाले 18 साल के म्हात्रे को अब नीचे खेलना होगा।

गंभीर की आक्रामकता ने केकेआर को बनाया मजबूत : डु प्लेसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इसी गुण ने उन्हें कई बार "कहानी का खलनायक" बनाया, लेकिन यही रवैया उनकी टीमों के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ। डु प्लेसी ने कहा कि गंभीर की इसी विशेषता ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जैसी टीम को मजबूती दी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने 2012 और 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीता, जबकि मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम 2024 में तीसरी बार चैंपियन बनी। वह अब कोच के तौर पर भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इस साल के टी20 विश्व कप में जीत दिला चुके हैं।

उम्मीद

भारोत्तोलक मीराबाई ने तय किया इस साल का सबसे बड़ा लक्ष्य

एशियाई खेलों में पदक जीतने का सपना पूरा करना चाहती हैं चानू

रायपुर, एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा कि एशियाई खेलों में पदक जीतना इस साल उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है। पिछले एक दशक से अधिक समय से मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन का चेहरा रही हैं। उनके शानदार करियर में एशियाई खेलों का पदक ही एकमात्र ऐसी उपलब्धि है, जो अभी तक उनके खाते में नहीं जुड़ पाई है।

उनके पास टोक्यो ओलंपिक का रजत, विश्व चैंपियनशिप के तीन पदक और राष्ट्रमंडल खेलों में भी तीन पदक हैं। चानू ने यहां खेलो इंडिया जनजातीय खेलों (केआईटीजी) के उद्घाटन समारोह के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, "एशियाई खेल मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वहां मेरा काम पूरा नहीं हुआ है।

एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होता है, जिससे यह और चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बन जाता है। एशियाई खेलों में चानू का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए नौवां स्थान हासिल किया था, जबकि पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 संस्करण से बाहर रहना पड़ा। वह 2022 एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं, लेकिन कूल्हे की चोट के कारण अहम समय पर उनका अभियान प्रभावित हुआ और वह पदक से मामूली अंतर से चूक गईं। अब 31 वर्षीय चानू महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभवतः अपने अंतिम प्रयास की तैयारी कर रही हैं और उनका लक्ष्य अपने शानदार करियर में

इस एकमात्र कमी को पूरा करना है। इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के बीच वजन संतुलन बनाना उनके लिए बड़ी चुनौती होगा। वह राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी, जबकि एशियाई खेलों के लिए फिर से 49 किग्रा वर्ग में वापसी करेंगी।

उन्होंने कहा मैं राष्ट्रमंडल खेलों तक अपना वजन 48 किग्रा के भीतर रखूंगी, लेकिन इसके दो महीने बाद ही एशियाई खेल हैं जो 49 किग्रा वर्ग में हैं, इसलिए मुझे फिर से बदलाव करना होगा। चानू ने खेलो इंडिया जनजातीय खेलों की शुरुआत की सराहना करते हुए इसे दूरदराज के इलाकों के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए यह गर्व का क्षण है कि सरकार केआईटीजी जैसी पहल को प्राथमिकता दे रही है। यह प्रतियोगिता दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देगी।

भारतीय दल में निजी कोच की भारी मांग

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भारत के दल में निजी कोच रखने की भारी मांग को देखते हुए खेल मंत्रालय ने यह अनिवार्य कर दिया है कि सूची में निजी कोच को शामिल करने के लिए उनका 'स्पष्ट योगदान' और खिलाड़ियों के साथ 'नियमित संपर्क' होना जरूरी है। एशियाई खेल जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत के 700 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के नियमों के अनुसार, सहायक स्टाफ की संख्या दल के कुल आकार के 33 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।